सेंसेक्स	~	81,633.02
निफ्टी	~	24,833.60
सोना	~	97040
चांदी	~	99900
डॉलर	~	85.39

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
शुक्रवार 30 मई 2025
ज्येष्ठ शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 244
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

सीएम ममता ने पीएम मोदी पर किया पलटवार, कहा-

ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर सरकार राजनीतिक होली खेल रही

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस ऑपरेशन का नाम राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से चुना गया और इसके बहाने वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है।

सीएम ममता ने कहा, कि जब सभी विपक्षी दल देशहित में विदेशों तक लोकतंत्र की आवाज़ पहुंचा रहे हैं, तब केंद्र सरकार राजनीतिक होली खेल रही है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का समर्थन करते हुए केंद्र पर निशाना साधा कि इस अभियान को प्रचार का हथियार बना दिया गया है, जबकि प्रधानमंत्री देशभर में रैलियों में व्यस्त हैं। सीएम ममता ने सीधा आरोप लगाते हुए कहा, कि प्रधानमंत्री जो कह रहे हैं, वह सरासर गलत है। विपक्ष विदेश जाकर देश की प्रतिष्ठा बचा रहा है, लोकतंत्र की रक्षा कर रहा है। यह किसी भी तरह से देश को बदनाम करना नहीं है।

इसी बीच सीएम ममता ने पीएम मोदी पर पलटवार करते हुए खुली चुनौती दी, कि अगर ऑपरेशन बंगाल करना है तो कल ही चुनाव की तारीखों का ऐलान करें। हम तैयार हैं, बंगाल तैयार है। यही नहीं बल्कि ममता ने पीएम मोदी को लाइव टीवी डिबेट की चुनौती देते हुए कहा, अगर हिम्मत है तो मेरे साथ लाइव बहस करो। चाहो तो टेलीप्रॉम्प्टर भी ले आओ। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की बंगाल यात्रा और हालिया घटनाएं, संदेशखाली और मुर्शिदाबाद, पहले से तयशुदा राजनीतिक पटकथा का हिस्सा हैं।

बंगाल की छवि को लेकर नाराजगी

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा और खुद प्रधानमंत्री मोदी बंगाल की छवि खराब करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा, कि जब अमेरिका कुछ कहता है तो पीएम चुप हो जाते हैं, लेकिन जब हमारे सांसद अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का पक्ष रख रहे हैं, तो पीएम बंगाल को निशाना बनाते हैं। सीएम ने कहा कि बीजेपी तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी के रहते इस तरह की राजनीति को बढ़ावा मिल रहा है।

बीजेपी नेता धाकड़ का उठाया मुद्दा

सीएम ममता ने मध्यप्रदेश के भाजपा नेता मनोहरलाल धाकड़ का मुद्दा उठाते हुए बीजेपी पर महिलाओं के सम्मान को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश की घटना शर्मनाक है, और जिनके अपने नेता ऐसी घटनाओं में लिप्त हों, उन्हें बड़े-बड़े भाषण देने का कोई अधिकार नहीं।

बंगाल कभी भाजपा को वोट नहीं देगा

अपने संबोधन के अंत में ममता बनर्जी ने स्पष्ट कहा, कि बंगाल कभी भी भाजपा को वोट नहीं देगा। यह टैगोर, स्वामी विवेकानंद और गांधी जी की धरती है। आप जिनका नाम तक मिटाने की कोशिश कर रहे हैं, उनके विचारों का अपमान कर रहे हैं। हर परियोजना पर अपना नाम लिखवाना क्या आत्ममुग्धता नहीं है?

खास खबर

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता राजेश का निधन

चेन्नई । तमिल फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता राजेश का 75 साल की उम्र में निधन हुआ। राजेश लंबे समय से बीमार चल रहे थे और चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। उन्होंने न केवल तमिल सिनेमा, बल्कि मलयालम फिल्मों और टेलीविजन की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बनाई थी। राजेश ने 1979 में फिल्म 'कन्नी परुवथिले' से नायक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने के.बालाचंदर की फिल्म 'अच्छमिल्लि अच्छमिल्लि' में भी मुख्य रोल निभाया। 47 सालों के लंबे करियर में उन्होंने 150 से ज्यादा फिल्मों में मेन और सपोर्टिंग रोल प्ले किया। राजेश का जन्म 20 दिसंबर1949 को तमिलनाडु के तिरुवरूर जिले के मानारगुड़ी में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई डिंडीगुल, वडामदुरै, मेलानाथम अणैकाडु और थेनि जिले के चिननामनूर में की। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने करैकुडी स्थित अलागप्पा कॉलेज और पचैयप्पा कॉलेज, चेन्नई से शिक्षा प्राप्त की। राजेश पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। गुरुवार सुबह लगभग 8¬15 बजे उन्हें घर पर ही सांस लेने में तकलीफ हुई, जिसके बाद उन्हें चेन्नई के पोरूर स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया।

डक डायनेस्टी फेम फिल रॉबर्टसन ने दुनिया को कहा अलविदा

मुंबई। डक डायनेस्टी फेम फिल रॉबर्टसन अब इस दुनिया में नहीं रहे उनका निधन हो गया है। उन्होंने 79 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ महीनों से अल्जाइमर की बीमारी से जूझ रहे थे। उनके बेटे ने सोशल मीडिया पर उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा कि फिल रॉबर्टसन अब प्रभु के पास हैं। उनकी बहुत याद आएगी, लेकिन हमें सुकून है कि वह अब अच्छे हाथों में हैं। हमारा परिवार ठीक है क्योंकि हमारा गॉड अच्छा है। हम उन्हें फिर से देखेंगे।

फिल की पोती सैडी रॉबर्टसन हफ ने इंस्टाग्राम पर अपने दादा की याद में तस्वीरों की एक सीरीज शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने परिवार के साथ बिताए पुराने पलों को याद करते हुए दादा के प्रति अपना प्रेम और सम्मान दिखाया है। फिल के बेटे विली रॉबर्टसन और उनकी पत्नी कोरी ने एक पोस्ट शेयर की है जिसमें लिखा- हम आज यह जश्न मना रहे हैं कि हमारे पिता, पति और दादा अब प्रभु के पास हैं। हम उन सभी के प्यार और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद करते हैं, जिनके जीवन को उन्होंने छुआ। हम जल्दी ही उनके जीवन का सार्वजनिक रूप से उत्सव मनाने की जानकारी शेयर करेंगे।

लश्कर के दो हाइब्रिड आतंकी गिरफ्तार

सोपिया। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो एके-56 राइफल, चार मैगजीन, 7.62म39 मिमी के 102 राउंड, दो हैंड ग्रेनेड, दो पाउच, 5400 रुपए कैश, एक मोबाइल फोन, एक स्मार्टवॉच, दो बिस्किट पैकेट और एक आधार कार्ड मिला है। आतंकियों की पहचान इरफान बशीर और उजैर सलाम के रूप में हुई है। दोनों को उस वक्त पकड़ा गया, जब शोपियां पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की 178 बटालियन ने बसकुचन इलाके में कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन के दौरान इलाके की घेराबंदी की।

शशि थरूर के बदले अंदाज से सोशल मीडिया पर चर्चा...क्या थरुर बन सकते हैं विदेश मंत्री

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री बन सकते हैं, क्या एस जयशंकर को मोदी कैबिनेट से बाहर किया जाएगा। इसतरह के कुछ सवाल इन दिनों सोशल मीडिया में चर्चा में हैं। यहां तक कि खुद कांग्रेस नेता उदित राज ने भी तंज कर थरूर को कहा कि काश आपको पीएम मोदी विदेश मंत्री बना देते।

दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने के लिए थरूर की अगुवाई में 7 सांसदों का ऑल पार्टी डेलिगेशन 5 देशों के दौरे पर है। वे अमेरिका में अपना दौरा पूरा कर चुके हैं। वर्तमान में पनामा का दौरा चल रहा है। इसके बाद डेलिगेशन गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा। हालांकि, इस दौरे को लेकर भारत में थरूर के खिलाफ उनकी ही पार्टी के भीतर से हमले किए जा रहे हैं। बात दें कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में भारत का प्रतिनिधि बनाकर भेजा था। वाजपेयी सितंबर, 1960 में जॉन एफ कैनेडी और रिचर्ड निक्सन के बीच राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान पर्यवेक्षक के रूप में अमेरिकी सरकार के निमंत्रण पर अमेरिका पहुचं थे। वाजपेयी संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के लिए तत्कालीन पीएम नेहरू द्वारा चुने गए प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे। वहीं, पीएम नरसिम्हा राव ने अर्थशास्त्री डा. सुब्रमण्यम स्वामी को अपना आर्थिक सलाहकार नियुक्त किया, जिन्होंने 1991 में अपने मित्र और तत्कालीन वित्तमंत्री डा. मनमोहन सिंह के साथ उदारीकरण की शुरुआत कर दी थी। स्वामी को विपक्ष में होकर भी कांग्रेस की सरकार में प्रधानमंत्री राव ने कैबिनेट रैंक का दर्जा दिया था। उन्हें बस कैबिनेट रैंक का दर्जा प्राप्त था, वहां मंत्री नहीं बनाया गया था। उन्हें श्रम मानक तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। वर्ष 1994 से 1996 के मध्य में उन्होंने यह जिम्मेदारी निभाई थी।

विदेशों में यह आम है जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा ने राष्ट्रपति चुनाव में अपनी प्रतिद्वंदी रही हेलरी क्लिंटन को अपना विदेश मंत्री नियुक्त किया था। हिलेरी क्लिंटन ने 2009 से 2013 तक राष्ट्रपति ओबामा के अधीन अमेरिका की विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया। भारतीय लोकतंत्र में ऐसा संभव नहीं है, क्योंकि इस फिर पार्टी लाइन से अलग मान लिया जाता है।

रेप के मामले में कोर्ट की फटकार- ताली एक हाथ से नहीं बजती कहकर आरोपी को दी जमानत

नई दिल्ली। रेप के मामले में सुप्रीम कोर्ट आरोपी युवक को राहत दी है। साथ ही पुलिस को फटकार लगाते हुए पूछा कि आपने 376 के तहत मामला कैसे दर्ज कर लिया। कोर्ट ने कहा कि युवक नौ महीने से जेल में है, लेकिन अभी तक उसके खिलाफ आरोप तय नहीं हुए हैं। इसलिए उसको जमानत दी जा रही है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दिल्ली पुलिस पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने पूछा कि जब महिला अपनी मर्जी से युवक के साथ गई थी, तो पुलिस ने बलात्कार का मामला कैसे दर्ज किया। बेंच ने कहा कि एक हाथ ताली नहीं बजा सकता। आपने भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत मामला किस आधार पर दर्ज किया? वह महिला बच्ची नहीं है, वह 40 साल की है। वे दोनों साथ में जम्मू गए थे। फिर धारा

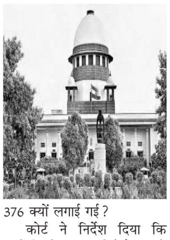

376 क्यों लगाई गई?

कोर्ट ने निर्देश दिया कि आरोपी को ट्रायल कोर्ट के सामने पेश किया जाए और उसे शर्तों के साथ अंतरिम जमानत दी जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि युवक को अपनी आजादी का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए और न ही वह महिला से संपर्क करने की कोशिश करे। युवक एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है। सुप्रीम कोर्ट ने उसके बारे में भी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि ऐसे लोगों से कौन प्रभावित होता है? यह मामला उस याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया, जिसमें युवक ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसे अंतरिम जमानत देने से इनकार किया गया था।

कोर्ट का यह फैसला मामले की परिस्थितियों पर आधारित था, जहां यह सवाल उठा कि क्या पुलिस ने उचित आधार के बिना बलात्कार का मामला दर्ज किया। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए यह स्पष्ट किया कि दोनों पक्षों की सहमति और परिस्थितियों को ध्यान में रखना जरूरी है। इस अंतरिम जमानत के साथ कोर्ट ने यह भी सुनिश्चित किया कि आरोपी कानूनी प्रक्रिया का पालन करे और मामले की अगली सुनवाई में ट्रायल कोर्ट के सामने पेश हो।

मारपीट मामले में भाजपा विधायक को दो साल की सजा

दरभंगा। दरभंगा जिले की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रघुबंश पंडित यादव और उनके सहयोगी को 2019 के मारपीट के मामले में दो-दो साल की कारावास की सजा सुनाई। यह निर्णय सहायक लोक अभियोजक रेणु झा द्वारा सुनाया गया। जनवरी 2019 में विशेष एमपी/एमएलए अदालत ने उमेश मिश्रा नामक व्यक्ति के खिलाफ स्पष्ट बयान पर तीन महीने की सजा सुनाई थी। इसके बाद उन्होने चोट पहुंचाने के उद्देश्य से रघुबंश पंडित यादव और उनके सहयोगी को भी सजा देने का निर्णय लिया। दोनों पर एक-एक लाख रुपये का भी जुर्माना लगाया गया। इस फैसले के पीछे की कहानी और याचिका स्वीकार करने के बाद की गतिविधियों पर अब तक कोई नया खुलासा नहीं हुआ है। दरभंगा में इस मामले के सम्बंध में लोगों में विवाद चल रहा है और इस निर्णय पर विवाद भी उठा है। दरभंगा की एमपी/एमएलए अदालत ने समैला निवासी उमेश मिश्रा पर 29 जनवरी, 2019 को हमला करने और उन्हें चोट पहुंचाने के लिए 22 फरवरी को दोनों को तीन महीने के कारावास की सजा सुनायी थी और 500-500 रुपये का जुर्माना लगाया था।

ऑपरेशन चक्र-5 के तहत छह प्रमुख आरोपी गिरफ्तार, दो अवैध कॉल सेंटर ध्वस्त

सीबीआई ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तरप्रदेश में 19 स्थानों पर तलाशी

नई दिल्ली। ऑपरेशन चक्र-5 के तहत साइबर अपराधों को रोकने के अपने प्रयासों के तहत, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तरप्रदेश में 19 स्थानों पर तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान, जांच एजेंसी ने छह प्रमुख गुर्गों को गिरफ्तार कर दो अवैध कॉल सेंटरों को ध्वस्त कर दिया।

इसके पहले, सीबीआई ने खुफिया जानकारी के आधार पर मामला दर्ज किया था, इसमें प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय निगमों के तकनीकी सहायता कर्मियों के रूप में विदेशी नागरिकों-विशेष रूप से जापानी नागरिकों-को ठगने वाले साइबर अपराध सिंडिकेट के अस्तित्व का संकेत मिला था। सिंडिकेट द्वारा संचालित कॉल सेंटरों को वैध ग्राहक सेवा केंद्रों के रूप में डिजाइन किया था, इसके द्वारा पीड़ितों को यह विश्वास दिलाया जाता था कि उनके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से छेड़छाड़ की गई है।

मामला दर्ज होने के बाद, सीबीआई ने जापान की राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी और माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन के साथ मिलकर काम किया। तलाशी अभियान के दौरान, सीबीआई ने कई डिजिटल और भौतिक साक्ष्य जब्त किए, जो सिंडिकेट के बड़े पैमाने पर संचालन के संकेत देते हैं। सीबीआई ने कहा कि वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के सहयोग से साइबर अपराध का पता लगाने, जांच करने और अभियोजन के क्षेत्र में अपनी रणनीतिक और परिचालन क्षमताओं को मजबूत करना जारी रखे हुए है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम आशु, दिल्ली, कपिल गक्खड़, पानीपत, रोहित मौर्य, अयोध्या, शुभम जायसवाल, वाराणसी, विवेक राज, वाराणसी आदर्श कुमार, वाराणसी शामिल है।

अगले 48 घंटे खतरनाक, मौसम विभाग का हाई अलर्ट

मुंबई। इस साल मानसून तय समय से पहले आ गया है। फिलहाल कई इलाकों में भारी बारिश जारी है। केरल, महाराष्ट्र और गोवा में बेहद भारी बारिश जारी है जिससे आम लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई जगहों पर घरों में पानी घुसने की खबर हैं, जिससे नागरिकों को काफी नुकसान हुआ है। इस बीच मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि इस साल मानसून की बारिश औसत से ज्यादा होगी। वहीं दूसरी तरफ एक बड़ी खबर सामने आई है, वो ये कि एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक अगले 36 से 48 घंटों में यह कम दबाव का क्षेत्र और तेज होगा और फिर धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप तेज तूफान के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक इस कम दबाव के क्षेत्र के कारण कई इलाकों में बेहद भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 48 घंटों में इसकी दिशा साफ होने की संभावना है। इसलिए मौसम विभाग ने अगले चार से पांच दिनों तक केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में भारी बारिश की आशंका जताई है।

आईआरसीटीसी घोटाले में 23 जुलाई को फैसला

पटना। आईआरसीटीसी होटल घोटाले में 23 जुलाई को कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी। गुरुवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा है। सीबीआई के एडिशनल डायरेक्टर, राकेश अस्थाना ने बताया था- लालू यादव रेल मंत्री थे, तब रेलवे के पुरी और रांची स्थित बीएनआर होटल को आईआरसीटीसी को ट्रांसफर किया था। इन्हें रख-रखाव और इम्प्रूव करने के लिए लीज पर देने की प्लानिंग थी। इसके लिए टेंडर विनय कोचर की कंपनी मेसर्स सुजाता होटल्स को दिए गए। टेंडर प्रॉसेस में हेर-फेर किया गया था। टेंडर की यह प्रॉसेस आईआरसीटीसी के उस वक्त के एमडी पीके गोयल ने पूरी की। 17 जुलाई 2017 को सीबीआई ने लालू समेत 5 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इस सिलसिले में उनके 12 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

पाकिस्तान को गुप्त सूचना देने के आरोप में एटीएस ने एक शख्स किया गिरफ्तार

मुंबई। सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) को प्रतिबंधित क्षेत्रों की जानकारी देने के संदेह में एक युवक समेत उसके दो संपर्क के लोगों खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। जबकि हिरासत में लिए गए संपर्क के अन्य दो लोगों को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। यह कार्रवाई महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की। जांच के दौरान पता चला कि उक्त संदिग्ध का परिचित नवंबर 2024 में फेसबुक के माध्यम से एक पीआईओ से हुआ था। संदिग्ध ने नवंबर 2024 से मार्च 2025 के बीच समय-समय पर व्हाट्सएप के माध्यम से उक्त पीआईओ को भारत सरकार के प्रतिबंधित क्षेत्रों की गोपनीय जानकारी उपलब्ध कराई थी।

तदनुसार, आतंकवाद निरोधक दस्ते ने आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 3(1) (बी), 5(ए) और भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 61 (2) के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है और एटीएस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। आरोपी मुंबई में एक प्रमुख संगठन के लिए काम कर रहा था और उसे एक पाकिस्तानी एजेंट ने हनीट्रैप में फंसाया था। पाकिस्तानी एजेंट ने फेसबुक पर महिला बनकर आरोपी से दोस्ती की थी। आरोपी ने नवंबर 2024 से मार्च 2025 के बीच व्हाट्सएप के जरिए एक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान के बारे में संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के साथ साझा की थी। एक रिपोर्टर से मिली जानकारी के आधार पर एटीएस की ठाणे शाखा ने आरोपी को दो अन्य लोगों के साथ हिरासत में लिया। शुरुआती पूछताछ के बाद, व्यक्ति को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम की धारा 3 (जो जासूसी से संबंधित है) और भारतीय दंड संहिता की धारा 61 (2) (आपराधिक साजिश) के तहत गिरफ्तार किया गया।

चार साल में पीने लायक हो जाएगा यमुना का पानी!

केंद्र ने अगले लोकसभा चुनाव से पहले साफ करने का रखा टारगेट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार और जलशक्ति मंत्रालय ने यमुना नदी की सफाई का नया मॉडल बनाया है। इसके तहत अगले लोकसभा चुनाव से पहले यमुना नदी का पानी पीने के काबिल हो जाने की बात कही गई है। पीएम मोदी ने टारगेट दिया है कि अगले डेढ साल में यमुना नदी का पानी नहाने लायक और उसके बाद के डेढ़ साल यानी कुल तीन साल बाद यमुना नदी का पानी होगा पीने लायक होना चाहिए। पीएम मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह और जलशक्ति मंत्री के साथ हुई मीटिंग में ये बात कही है। गृहमंत्री अमित शाह यमुना क्लीन प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग करेंगे। मौजूदा वक्त में यमुना नदी की सफाई का तीसरा दौर चल रहा है। नदी में जलकुंभी की सफाई मशीनों से चल रही है, जो जल्द पूरी हो जाएगी। उसके बाद ड्रेजिंग के जरिए नदी की तलहटी को साफ किया जाएगा, जिससे नदी में पानी का फ्लो बना रहे।

नाले से गिरने वाले पानी को साफ करने के लिए जल्द ही एसटीपी बनाए जाएंगे। इन एसटीपी के लिए टेंडर जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। एसटीपी में नालों के गंदे पानी को यमुना में गिरने से पहले साफ और ट्रीटमेंट किया जाएगा, जिससे उससे हानिकारक केमिकल और गंदगी को अलग किया जा सके। यमुना सफाई के काम के लिए 500 वॉलंटियर भी भर्ती किए जा रहे हैं, जो यमुना नदी के किनारे खड़े रहेंगे और लोगों को यमुना में गंदगी/पूजा सामग्री को फेंकने से रोकेंगे और जागरूक भी करेंगें। यमुना में हर रोज 9 घण्टे सफाई का काम हो रहा है। प्रतिदिन 140 घनमीटर जलकुंभी निकाला जा रहा है। वजीराबाद पुल, सोनिया विहार सहित कई जगहों पर जलकुंभियों को साफ कर दिया गया है। इसके लिए ट्रेस स्किमर, रोबोटिक ट्रेस और एक्जेवेटर का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मिशन मोड में सफाई...

दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनने के साथ ही यमुना की सफाई को लेकर केंद्र सरकार ने गम्भीरता दिखाई और पेपर वर्क शुरू हुआ। इसके साथ ही यमुना में मशीनें भी उतारी गईं। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी के निर्देश पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय मिशन मोड में काम शुरू कर दिया है। सिलसिलेवार ढंग से यमुना की सफाई का काम मिशन मोड में शुरू भी हो गया है। यमुना क्लीन प्रोजेक्ट में ऐसी मशीनों का प्रयोग किया जा रहा है, जो दिल्ली में प्रवाहित हो रही यमुना के हिस्से से जलकुंभी को बाहर करने में लगी हुई हैं। जलकुंभी हटाने के लिये 45 दिन का वक्त तय किया गया है। इसमें से 20 दिन का कार्य संपन्न भी हो गया। जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल खुद इस सम्बंध में लगातार बैठके और निगरानी कर रहे हैं।

आज सुप्रीम कोर्ट को मिल सकते हैं तीन नए जज

नई दिल्ली। कॉलेजियम की सिफारिशों पर राष्ट्रपति की मुहर के बाद केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में तीन नए जजों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर सकती है। उम्मीद है कि शुक्रवार सुबह भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण आर गवई इन जजों को शपथ दिलाएंगे। नियुक्तियों से जुड़ी फाइलें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास पहुंचीं और अब उन्हें मंजूरी मिल गई है। उम्मीद है कि केंद्रीय कानून मंत्रालय जल्द ही औपचारिक अधिसूचना जारी करेगा, जिससे सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा शुरू की गई प्रक्रिया पूरी होगी।

यह न्यायपालिका में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, जो कॉलेजियम की सिफारिश के तीन दिन बाद आया है। पदोन्नति के लिए निर्धारित तीन न्यायाधीश हैं, न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जिनका मूल हाई कोर्ट गुजरात है, विजय बिश्नोई, गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जिनका मूल उच्च न्यायालय राजस्थान है, और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर, बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायाधीश। उनकी नियुक्तियों के साथ, सुप्रीम कोर्ट अपने स्वीकृत 34 न्यायाधीशों की संख्या तक पहुँच जाएगा।

जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र का सम्मान समारोह

आत्मरक्षा और फिटनेस का महत्व, जिसमें लगभग 139 प्रशिक्षणार्थी ने भाग लिए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र, खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को पुरस्कृत किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 7 से 8 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं द्वारा आत्मरक्षा का प्रदर्शन किया गया, जिसने सभी को प्रभावित किया। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को पुरस्कृत किया और उन्हें फिटनेस और आत्मरक्षा के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बालक और बालिकाओं को मोबाइल से दूरी बनाकर खेलों में भाग लेना चाहिए और फिटनेस के लिए नियमित अभ्यास करना चाहिए।

पुरस्कार और सम्मान

कार्यक्रम में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार और मेडल प्रदान किए गए। नगर पालिका अध्यक्ष और विशिष्ट अतिथि अचिंत नेमा ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया और उन्हें भविष्य में और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र के पदाधिकारियों और प्रशिक्षकों को उनके सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 5 जून को बालाघाट कराते सेंटर में मध्य प्रदेश मार्शल आर्ट कराते अकादमी भोपाल का चयन स्पर्धा आयोजित करने की जानकारी दी गई। जिसमें 13 से 18 साल आयु वर्ग के बालक और बालिका भाग ले सकते हैं। इस स्पर्धा के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा और वे आगे की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार हो सकेंगे। विशिष्ट अतिथि श्री अर्चित नेमा ने सभी खेल प्रशिक्षकों को उनके परिश्रम और समर्पण के लिए सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र में लगभग 139 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं और कोच सजेंद्र कृष्णन को उनकी नि:शुल्क कराते प्रशिक्षण और जुम्बा डांस के लिए बधाई दी। श्री नेमा ने कहा कि खेलों में भाग लेने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी मजबूत होता है।

18 वर्षीय लड़की ने शादी करने और प्रेम संबंध बनाने दिए जा रहे दबाव से तंग होकर आत्महत्या की थी

लामता पुलिस ने राजा साठे के विरुद्ध दर्ज किया अपराध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लामता थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नरसिंगा में 5 दिन पहले एक 18 वर्षीय लड़की ने अपने गांव के युवक द्वारा बार-बार शादी करने एवं प्रेम संबंध बनाने के दबाव परेशान होकर जहरीली वस्तु का सेवन आत्महत्या की थी। लामता पुलिस ने मर्ग जांच उपरांत इस लड़की को आत्महत्या करने उत्प्रेरित करने के आरोप में युवक राजा साठे ग्राम नरसिंगा का निवासी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नरसिंगा निवासी बबीता नाम की इस लड़की ने कक्षा नवी तक पढ़ाई की थी। जिसके बाद वह घर में ही रहती थी। 24 को सुबह 8:30 बजे इस लड़की बबीता ने थाइमेन्ट कीटनाशक खाली थी और जिसके बाद उसे घबराहट हो रही है। इस लड़की से उसके परिवार वालों ने पूछे तब उसने बताई कि उसने थायमेंट कीटनाशक दवाई खाई है। परिवार के लोगों ने बबीता को उल्टी करने के लिए खटाई खिलाया। किंतु उल्टी नहीं हुई और बबीता बेहोश हो गई थी। जिसको इलाज के लिए तुरंत शासकीय अस्पताल लामता लेकर आए। जहा इलाज के दौरान बबीता की मृत्यु हो गई। उप निरीक्षक दिलीप करण नायक ने मृतिका बबीता का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये और उनके द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम जांच की जा रही थी। मर्ग जांच दौरान पूछताछ करने पर यह बात सामने आई की राजा साठे ग्राम नरसिंगा निवासी इस लड़की को शादी करने एवं प्रेम संबंध बनाने दबाव दे रहा था। राजा साठे द्वारा दिए जा रहे दबाव से यह लड़की परेशान हो चुकी थी और उसने कीटनाशक दवाई का सेवन कर आत्महत्या कर ली। सहायक उपनिक्षक दिलीप करण नायक ने मर्ग जांच उपरांत इस 18 वर्षीय लड़की को शादी करने एवं प्रेम संबंध बनाने के लिए दबाव देकर उसे आत्महत्या करने उत्प्रेरित करने के आरोप में राजा साठ के विरुद्ध धारा 108 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

मेट्रोपॉलिटन रीजन के लिए नई गाइडलाइन

10 लाख से अधिक आबादी वाले क्षेत्र को मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र बनाकर किया जाएगा विकसित

भोपाल। मप्र सरकार ने 10 लाख या उससे अधिक आबादी वाले क्षेत्रों को मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र घोषित करने का फैसला लिया है। हालांकि सिर्फ आबादी का आंकड़ा ही इस निर्णय के लिए पर्याप्त नहीं है। ऐसे क्षेत्रों का दायरा कम से कम एक से अधिक जिलों तक फैला होना चाहिए। इसके अलावा, इन क्षेत्रों में कम से कम दो या उससे अधिक नगर पालिका, पंचायत या अन्य क्षेत्र शामिल होने चाहिए। मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों के विकास के लिए कम से कम 15 वर्षों की दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाई जाएगी। इस योजना को मेट्रोपॉलिटन योजना समिति तैयार करेगी, जिसमें नगर पालिकाओं, पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधि और मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण के सदस्य शामिल होंगे। मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण आने वाले समय में इन शहरों के शहरी विकास को प्रभावी रूप से नियंत्रित करेगा। इसमें पेयजल आपूर्ति, कृषि के लिए पानी की उपलब्धता, सडक़ परिवहन व्यवस्था, यातायात नियोजन और जनसंख्या वृद्धि की चुनौतियों का समाधान प्रमुख होंगे। मेट्रोपॉलिटन योजना समिति में एक अध्यक्ष और दो उपाध्यक्ष होंगे, जिनकी नियुक्ति निगम-मंडलों की तर्ज पर सरकार करेगी। समिति के दो तिहाई सदस्य क्षेत्र की नगर पालिकाओं और पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधि होंगे, जबकि शेष में केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधि, संगठनों के सदस्य और संबंधित लोकसभा एवं विधानसभा के सदस्य होंगे। नगर विकास प्राधिकरणों की सीमाओं के बाहर के क्षेत्रों में नियोजन और विकास के काम मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुद मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष होंगे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास व राजस्व विभाग के मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। इसके अलावा इसमें राज्य के मुय सचिव और नगरीय विकास, राजस्व, परिवहन, लोक निर्माण, पर्यावरण व पंचायत विभाग के एसीएस, पीएस सदस्य होंगे। साथ ही महानगरीय योजना समिति के प्रतिनिधि, संभागीय आयुक्त, नगर एवं ग्राम निवेश के संचालक को शामिल किया जाएगा। सदस्य संयोजक मेट्रोपॉलिटन आयुक्त को बनाया जाएगा। शासन द्वारा नामित चार विशेषज्ञ होंगे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में नगर निगम के आयुक्त, रेलवे जोन के जीएम, केंद्रीय दूरसंचार व केंद्रीय नागरिक उड्यन मंत्रालय के प्रतिनिधि भी शामिल रहेंगे। मेट्रो रेल कॉपरिशन के एमडी और नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद, पंचायतों और विधानसभाओं के नामित सदस्यों को शामिल किया जाएगा।

विकास प्राधिकरणों के बाहर के क्षेत्रों का नियोजन

जो प्रोजेक्ट एक से अधिक विकास प्राधिकरणों की सीमाओं में आते हैं, उनका विकास मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण के माध्यम से किया जाएगा। मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण को मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण का सहयोग मिलेगा और मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण की कार्यकारिणी समिति का नेतृत्व मेट्रोपॉलिटन आयुक्त करेंगे। प्लान का प्रारूप बनाने में एमपीसी की मदद एमआरडीए करेगा। विकास प्राधिकरणों की सीमा क्षेत्र के बाहर बचे क्षेत्रों के नियोजन व विकास के काम करने होंगे। खासकर जो प्रोजेक्ट एक से ज्यादा प्राधिकरणों की सीमा में विकसित किए जाने हों। मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मेट्रोपॉलिटन आयुक्त होंगे। इसके अलावा नगर निगम आयुक्त, औद्योगिक विकास, हाउसिंग बोर्ड, मेट्रो कॉर्पोरेशन, परिवहन विभाग, जिलों के कलेक्टर, टीएंडसीपी के संयुक्त संचालक, पीएचई के प्रतिनिधि आदि भी शामिल।

एमआरडीए के जरिए होंगे विकास कार्य

नगर विकास प्राधिकरण सीमाओं के बाहर शेष क्षेत्र में नियोजन व विकास के काम मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमआरडीए) के जरिए किए जाएंगे। ऐसे प्रोजेक्ट जो एक से अधिक विकास प्राधिकरण की सीमा क्षेत्र में विकसित किया जाना प्रस्तावितहो, विकास कार्य एमआरडीए द्वारा किए जाएंगे। मेट्रोपॉलिटन योजना समिति में नगर पालिकाओं, पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधि होंगे। इसके अलावा एमआरडीए के प्रतिनिधि।

मेट्रोपॉलिटन एरिया बनने से फायदे

किसी भी शहर के मेट्रोपॉलिटन रीजन में शामिल होने से बुनियादी ढांचे और स्मार्ट सिटी जैसा विकास होगा। नए उद्योगों और निवेशकों को आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। नई टाउनशिप, लॉजिस्टिक पार्क, सडक़ें, पुल और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। स्वच्छता, सीवरेज, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज जैसी सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए हरे क्षेत्रों और जल स्रोतों को संरक्षित किया जाएगा। झीलों, तालाबों और छोटे नदियों को भी संरक्षित किया जाएगा। नए उद्योगों और व्यापारिक विस्तार से स्थानीय युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। इसके अलावा टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, फार्मा और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और बाजारों तक सीधी पहुंच मिलेगी। कृषि उत्पादों को बड़े बाजारों में बेचने के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट मिलेगा। यह नया अधिनियम इस तरह तैयार किया गया है कि नगर निगमों के मौजूदा कार्य प्रभावित न हों। स्थानीय प्रशासन और मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण के बीच तालमेल से बेहतर नीतियां बनेंगी और विकास योजनाएं तेजी से लागू होंगी। मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण शहरों में आवागमन, यातायात और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर भी ध्यान देगा। इससे आने वाले वर्षों में बढ़ती जनसंख्या के लिए बेहतर योजना बनाना आसान होगा। पानी की आपूर्ति, खेती के लिए जल प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार इस योजना का अहम हिस्सा होगा।

प्रदेश में 83 हजार से अधिक बच्चों को मिला नि:शुल्क प्रवेश

शिक्षा का अधिकार अधिनियम में प्रायवेट स्कूलों में प्रवेश के लिये ऑनलाइन लॉटरी

भोपाल। भोपाल के राज्य शिक्षा केन्द्र में गुरूवार को शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत आयोजित की गई ऑनलाईन लॉटरी में 83 हजार 483 बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में निन्शुल्क प्रवेश प्राप्त हुआ है। इनमें से 72 हजार 812 बच्चे ऐसे हैं जिन्हें उनके द्वारा चयनित प्रथम वरीयता वाले स्कूलों में प्रवेश मिला है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने आरटीई के तहत निजी विद्यालयों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के नि:शुल्क प्रवेश के लिये ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया। इस प्रक्रिया का सीधा प्रसारण राज्य शिक्षा केन्द्र के यूट्यूब चैनल पर किया गया। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने कहा कि देश भर में आरटीई के तहत ऑनलाइन लॉटरी सिस्टम अपनाने वाला अग्रणी राज्य मध्यप्रदेश है। इस पारदर्शी व्यवस्था से अभिभावकों को उनके क्षेत्र के स्कूल और उनमें उपलब्ध सीटों की जानकारी के साथ ही ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से उनके बच्चों को स्कूल में सीट आवंटित हो जाएगी। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने लॉटरी में चयनित बच्चों को उनकी पंसद का स्कूल आवंटित होने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। संचालक ने पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था निर्मित करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग और मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रानिक्स डेव्हलेपमेंट कॉरपोरेशन टीम की प्रशंसा भी की। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने बताया कि आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश के लिए पारदर्शी और तकनीक आधारित व्यवस्था अपनाई गई है। इस वर्ष आरटीई के तहत लॉटरी के लिए दस्तावेज सत्यापन के उपरांत एक लाख 66 हज़ार 751 बच्चे पात्र हुए थे। जिनमें से 83 हजार 483 बच्चों को उनके द्वारा चयनित स्कूलों का आवंटन किया गया है। इनमें से 43 हजार 363 बालक एवं 40 हजार 120 बालिकाएं हैं। जिन्हे आज इस ऑनलाइन लॉटरी मे शामिल करते हुये रेंड़म पद्वति से स्कूल का आवंटन किया गया है। जिन बच्चों को स्कूल का आवंटन हो रहा है, उन्हें उनके पंजीकृत मोबाईल नंबर पर एसएमएस माध्यम से भी सूचना दी जा रही है। बच्चे उनके आवंटित स्कूलों में 2 से 10 जून 2025 तक जाकर प्रवेश ले सकेंगे। इन बच्चों की फीस राज्य सरकार द्वारा नियमानुसार सीधे स्कूल के खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर की जाएगी। ऑनलाईन लॉटरी में विभिन्न प्रायवेट स्कूलों की नर्सरी कक्षा में 54 हजार 038, केजी-1 में 22 हज़ार 799 और कक्षा पहली में 6 हज़ार 646 बच्चों को निन्शुल्क प्रवेश के लिये सीटों का आवंटन हुआ है। ऑनलाइन लॉटरी में इनमें से 72 हजार 812 बच्चों को उनकी प्रथम वरीयता (फर्स्ट चॉइस) के स्कूलों का, 5 हजार 646 को द्वितीय वरीयता के स्कूलों का, 2 हजार 665 को तृतीय वरीयता के स्कूलों का, 924 को चतुर्थ वरीयता के स्कूलों का, 555 को पांचवीं वरीयता के स्कूलों का, 298 को छटवीं वरीयता के स्कूलों का, 235 को सातवीं वरीयता के स्कूलों का, 157 को आठवीं वरीयता के स्कूलों का, 90 को नवीं वरीयता के स्कूलों का तथा 101 को उनकी दसवीं वरीयता के स्कूलों का आवंटन हुआ है। यूट्यूब लाइव सत्र के दौरान संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने निजी विद्यालयों में निन्शुल्क प्रवेश हेतु पात्र विभिन्न श्रेणियों की बच्चों की जानकारी देते हुए बताया कि सबसे अधिक संख्या में विभिन्न श्रेणियों के गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवारों के लगभग एक लाख 12 हजार से अधिक बच्चों के आवेदन लॉटरी प्रक्रिया के लिये पात्र हुए हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से एक कृषक की मौत

बिरसा थाने के ग्राम कबराटोला में हुई प्राकृतिक घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खुर्सीपार के कबराटोला मे आकाशीय बिजली गिरने से इसी ग्राम के एक कृषक चंदन पिता चेतराम जामरे 55 वर्ष की मौत हो गई। मंगलवार की शाम की यह प्राकृतिक घटना उस समय हुई जब यह कृषक अपने खेत से करेला लेकर अपने घर आ रहा था। बिरसा पुलिस ने इस कृषक का शौक पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खुर्शीपार कबरा टोला निवासी हमारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं। बताया गया कि इस वर्ष चंदन जामरे ने अपने खेत में करेला की बाड़ी लगाया है। 27 मई मंगलवार को दोपहर में कृषक चंदन जामरे अपने खेत करेला तोड़ने के लिए गया था और शाम 5:00 बजे करीब चंदन जामरे अपने खेत से करेला तोड़कर अपने घर लौट रहा था। तभी खेत की मेड़ में पहुंचा ही था। तेज आंधी तूफान के दौरान तेज कड़कड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरने से कृषक चंदन जामरे बेहोश होकर वहीं गिर गया। जो आकाशी बिजली गिरने से झुलस गया था। परिवार के लोग पहुंचे देखें चंदन जामरे की मौत हो चुकी थी। जिसका शव खेत से उठाकर घर लाये। 28 मई को सुबह चंदन जामरे का शव उसके परिवार के लोगों ने बिरसा अस्पताल लाये बिटे दशेलाल जामरे 28 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस थाने से प्रधान आरक्षक चंद्रकुमार डहेरिया ने बिरसा अस्पताल पहुंचकर मृतक चंदन जामरे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

भोपाल, इंदौर और उज्जैन की महिलाएं होंगी सशक्त

भोपाल। शहरी क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने के लिए चलने वाली योजना दीनदयाल जन-आजीविका योजना (शहरी) भोपाल, इंदौर और उज्जैन जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की गई है। केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय ने 23 सितंबर 2013 में स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना (एसजेएसआरवाई) के स्थान पर दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डे-एनयूएलएम) को शुरू किया था। डे-एनयूएलएम योजना की अवधि प्रदेश में 30 सितंबर 2024 को समाप्त हो गई। इसके बाद केंद्र सरकार ने एक अक्टूबर 2024 से देशभर में नवीन मिशन दीनदयाल जन आजीविका योजना (शहरी) लागू की। जानकारी हो कि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत सितंबर 2013 से सितंबर 2024 तक करीब 65 हजार 599 स्व सहायता समूह, 2309 एरिया लेबल फेडरेशन और 106 सिटी लेबल फेडरेशन का गठन हुआ है। साथ ही ऐसे संगठनों से जुडक़र करीब छह लाख 50 हजार से भी अधिक महिलाओं ने शहरी स्व सहायता समूह के जरिये अपने संगठन को मजबूती दी है। मिशन के अंतर्गत 36 हजार 448 स्व सहायता समूहों को आवर्ती निधि के रूप में करीब 36 करोड़ 45 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। इसी प्रकार 633 एरिया लेबल फेडरेशन को आवर्ती निधि के रूप में तीन करोड़ 16 लाख 50 हजार रुपये प्रदाय किए जा चुके हैं। प्रदेश में 19 हजार 14 स्व सहायता समूहों को 185 करोड़ 40 लाख रुपये की राशि व्यावसायिक गतिविधियों के लिए ऋण के रूप में बैंकों से उपलब्ध कराई गई है। प्रदेश में डे-एनयूएलएम योजना के स्वरोजगार कार्यक्रम में शहरी क्षेत्र की 30 हजार महिलाओं को स्वयं का व्यवसाय करने के लिए ऋण के रूप में 253 करोड़ रुपये विभिन्न बैंकों से उपलब्ध कराए गए। प्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना के दूसरे चरण में एक लाख 30 हजार महिलाओं को स्वयं का व्यवसाय करने के लिए 260 करोड़ का ऋण विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से वितरित किया गया है।

दिव्यांगों के अनुदान के लिए कलेक्टरों को मिले अधिकार

भोपाल। वरिष्ठजन आश्रम एवं दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों के संचालन और इनके कर्मचारियों के मानदेय का भुगतान अब निराश्रित निधि से किया जा सकेगा। सामाजिक न्याय विभाग ने इसके अधिकार कलेक्टरों को दे दिए हैं। वे अधिकतम 2 लाख रुपए खर्च कर सकेंगे। इससे आश्रम में रहने वाले और दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के संचालन में होने वाली दिक्कतों में कमी आएगी। कलेक्टरों से यह भी कहा गया है कि अगर इस संबंध में तय राशि का भुगतान नहीं किया जाता तो इसे वित्तीय अनियमितता माना जाएगा। प्रदेश में 44 जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, 21 वरिष्ठ आश्रम का संचालन जन सहयोग से, 16 वरिष्ठ आश्रम का संचालन केन्द्रीय अनुदान से एवं 30 जिलों में 36 वरिष्ठ आश्रम का संचालन निराश्रित निधि से किया जा रहा है। इसके कर्मचारियों के मानदेय भुगतान में अब देर नहीं होगी। कलेक्टर अपने स्तर पर ही निर्णय ले सकेंगे। सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की प्रमुख सचिव सोनाली पोंक्षे वायंगणकर ने इसको लेकर निर्देश जारी किए हैं।

मानदेय के भुगतान में आती है दिक्कत

प्रमुख सचिव वायंगणकर ने कहा कि राज्य शासन हर वित्तीय वर्ष में जिला स्तर पर निराश्रित निधि से किए जाने वाले खर्च के लिए राज्य निधि का निर्धारण करता है, जिसमें ब्याज और मूलधन की राशि समाहित होती है। कई जिलों में वर्ष के शुरुआती तीन से चार महीने के बाद इस निधि में ब्याज की रकम नाम मात्र रह जाती है। इस कारण जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में काम करने वाले कर्मचारियों एवं वरिष्ठ आश्रम में कार्यरत कर्मचारियों के मानदेय के भुगतान में दिक्कत आती है। साथ ही वरिष्ठ आश्रमों को अनुदान का भुगतान भी पेंडिंग रह जाता है। प्रमुख सचिव के अनुसार शासन ने तय किया है कि राज्य की निराश्रित निधि से सभी जिला कलेक्टर्स ब्याज की राशि से 2 लाख तक खर्च कर सकेंगे। जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में कार्यरत अमले को मानदेय का भुगतान एवं वरिष्ठ आश्रम के कर्मचारियों के मानदेय के साथ-साथ वरिष्ठ आश्रम को अनुदान का पेमेंट इससे किया जा सकेगा।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0008/ड-154/2025-26
मौजा पाथरसाही, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रूपलाल पारधी पिता चुन्नीलाल पारधी जाति पंवार, निवासी ग्राम पाथरसाही, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पाथरसाही, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता चुन्नीलाल पिता बिसराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12(2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12(2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 15.08.2003 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम पाथरसाही के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 09.06.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 30.05.2025

के.एल. तेकाम
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

फायनेंस/लोन
पुरानी फोर व्हीलर
होम लोन
बिजनेस लोन
जी.एस.टी.
इनकम टैक्स
सर्विस के लिए संपर्क करें
मो. 9424662391
7999136792

आवश्यकता है
मेडिकल होलसेल/रीटेल में कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है
अनुभवी एवं कम्प्युटर प्रशिक्षित को प्राथमिकता
-संपर्क करें-
मनीषा मेडिकोज, बालाघाट
मो. 7073101956

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

एक महिला ने अपनी तीन माह की दुधमुंही बेटी की गलाघोट कर की हत्या

किरनापुर थाने के ग्राम मौदा की घटना, नवजात बेटी सृष्टि की हत्या करने के आरोप में दीपाली गिरफ्तार- भेजी गई जिला जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर थाने की रजेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम मौदा में बीती रात एक महिला ने अपने तीन माह की नवजात बच्ची की गला घोटकर हत्या कर दी। इस महिला ने किस वजह से अपनी दूध में बच्ची की हत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। किंतु महिला के द्वारा हत्या करना स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार महिला दीपाली पति उमेश मते 23वर्ष को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

5 माह पहले ही दीपाली के पति की हुई थी मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपाली का मायका ग्राम मौदा का ही है। 6 वर्ष पहले दीपाली की शादी अपने गांव के ही उमेश मते के साथ हुई थी और दोनों पति-पत्नी खेती मजदूरी करते थे। जिसके परिवार में सास भी है। दीपाली का एक 3 साल का बेटा सार्थक है।जो अपनी नानी के पास में गांव में ही रहता है। नवंबर 2024 में दीपावली के पति उमेश मते की मृत्यु हो गई। उस समय वह गर्भवती थी पति की मौत के बाद दीपाली अपने ससुराल में अपनी सास पुस्तकला के साथ में ही रहती थी और उसके अन्य रिश्तेदार भी ग्राम मौदा में ही रहते हैं। तीन माह पहले ही दीपाली ने एक बच्ची को जन्म दी थी।जिसका नाम सृष्टि रखा गया था।वर्तमान में सृष्टि तीन माह की थी।

गला दबाने के बाद सास को बताई की बच्ची दूध नहीं पी रही है

28 एवं 29 मई की दरमियानी रात 1 बजे दीपाली ने अपनी सास पुस्तकला मते को बताई कि बच्ची दूध नहीं पी रही है और वह हिल-डुल भी नहीं रही है। सास पुस्तकला मते द्वारा चेक करने पर पाया गया कि बच्ची का शरीर ठण्डा पड़ चुका है। इसके बाद दीपाली की सास पुस्तकला ने गांव के रहने वाले अपने रिश्तेदारों को बताई। जिनके द्वारा पूछताछ करने पर दीपाली ने स्वीकार किया कि उसने ही अपनी बच्ची का गला दबाकर मार डाली है। 29 मई को सुबह इस घटना की सूचना किरनापुर पुलिस थाना में दी गई थी।

सूचना मिलते ही ग्राम मौदा पहुंचे पुलिस अधिकारी

अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी ओमप्रकाश, एफ एस एल टीम से वैज्ञानिक अधिकारी श्रीमति गौतमा मेश्राम,उपनिरीक्षक मनोज तरवरे, किरनापुर थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ननामा,रजेगांव पुलिस चौकी प्रभारी प्रमोद कश्यप सहायक उप निरीक्षक ग्लैडविन छत्रिया सहित अन्य पुलिस कर्मचारी पुलिस घटनास्थल ग्राम मौदा पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई की।प्रारम्भिक जाँच में यह सामने आया दीपाली मते, 23 वर्ष, ने अपनी तीन माह की बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी है। किंतु दीपाली ने अपनी नवजात तीन माह की मासूम दूधमुही बच्ची की किस वजह से गला दबाकर हत्या की वह कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। वैसे भी दीपाली की मानसिक स्थिति ठीक बताई जा रही है।

दूधमुही बच्ची सृष्टि की हत्या करने के आरोप में माँ दीपाली गिरफ्तार

संभावना व्यक्त की जा रही है कि दीपाली ने पति उमेश मते की मृत्यु होने पर मानसिक रूप से विचलित होने के साथ ही पारिवारिक तनाव तथा अन्य सामाजिक कारणों से परेशान होकर उसने अपनी नवजात बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी। पुस्तकला पति स्वर्गीय राजकुमार मते 60 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने नवजात बच्ची की हत्या करने के आरोप में दीपाली के विरुद्ध धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर उसे इस अपराध में गिरफ्तार करके बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

5 दिन से लापता एक महिला की जंगल से लाश बरामद

किरनापुर थाना क्षेत्र की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर थाना अंतर्गत ग्राम साल्हे से सीतापार रोड किनारे जंगल में एक महिला का शव बरामद किया । जिसकी पहचान 5 दिन से लापता महिला कचरा बाई पति रमेश गजभिए 61 वर्ष चिमा टोला ग्राम कुंडे थाना हट्टा निवासी के नाम से की। किरनापुर पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है ।मानसिक रूप से विक्षिप्त इस महिला की भूख और प्यास से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कचरा भाई अपने पति रमेश गजभिए के साथ खेती किसानी करती थी। जिसके बच्चे नहीं थे और बच्चे नहीं होने के कारण वह हमेशा मानसिक तनाव में रहती थी। इसके बाद कचरा बाई मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गई थी जो कभी भी अपने घर से बिना बताए कहीं भी चली जाती थी ।21 मई को कचरा बाई अपने भाई के घर ग्राम कुंडे गई थी। 22 मई की रात 10 बजे से कचरा बाई अपने भाई के घर कुंडे से बिना बताए चली गई थी। जो अपने घर चिमाटोला भी नहीं पहुंची। परिवार के लोगों ने उसकी बहत तलाश किये । किंतु वह नहीं मिली ।24 मई को कचरा बाई के बिना बताए कहीं चली जाने की रिपोर्ट उसके परिजनों ने हट्टा पुलिस थाना में की थी। जहां गुम इंसान कायम किया गया था ।इसके बाद कचरा बाई की उसके परिजनों और रिश्तेदारों द्वारा तलाश की जा रही थी ।27 मई की शाम को ग्राम साल्हे से सीतापार रोड किनारे जंगल से जाने वालों ने दुर्गंध आने पर गांव के कोटवार को बताएं ।कोटवार ने जाकर देखा जंगल में एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ था ।जिसके शरीर पर पेटीकोट था और साड़ी बाजू में रखी हुई थी। खबर मिलने पर कचरा बाई के परिवार के लोग भी जिन्होंने इस महिला की पहचान कपड़े के आधार पर कचरा बाई पति रमेश गजभिए 61 वर्ष चिमाटोला कुंडे निवासी के नाम से की। जिसकी रिपोर्ट सुखलाल पिता मेहता रंगारे 45 वर्ष ग्राम कुंडे थाना हट्टा निवासी ने किरनापुर पुलिस थाना में की थी। 28 मई को किरनापुर पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक फूलचंद गजभिए ने मृतिका कचरा बाई का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। मौके पर पानी की बोतल पाई गई गई जो खाली थी। संभावना व्यक्त की गई है कि कचरा बाई भटकते हुए ग्राम साल्हे सितापार के बीच जंगल तरफ आ गई और उसकी भूख और प्यास से मौत हो गई। सहायक उप निरीक्षक श्री गजभिए द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

गढ़पांडे वृद्ध दम्पति को उसके बेटे बहू और नाती ने लाठी हाथबुक्के से की मारपीट

जमीन जायजाद को लेकर जगहमोहगांव में हुई वारदात, घायल वृद्ध दम्पति जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कटंगी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जराहमोहगांव गढ़पांडे वृद्ध दम्पति को उसी के बेटे बहू और नाती ने लाठी हाथ बुक्के से बेरहमी पूर्वक मारपीट कर घायल कर दिए। 29 मई की सुबह 7:00 बजे करीब यह घटना जमीन के विवाद को लेकर हुई ।मारपीट में घायल वृद्ध तुरजा बाई पति बीजूलाल गढ़पांडे 72 वर्ष और उसके पति बीजूलाल पिता गुलाबचंद गढ़पांडे 77 वर्ष दोनो ग्राम जराहमोहगांव निवासी को कटंगी के शासकीय अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। कटंगी पुलिस ने इस मामले में इस इस वृद्धा बेटे दिनेश गढ़पांडे बहू अंजू गढ़पांडे और नाती संदीप गढ़पांडे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जराह मोहगांव निवासी तुरजा बाई गडपाण्डे के तीन बेटे और एक बेटी है सभी की शादी हो चुकी है और तीनों बेटे जिनमें दिनेश गढ़पांडे विजय गढ़पांडे और सुरेश गढ़पांडे अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं । जिनमे विजय गढ़पांडे अंसेरा में अपने परिवार के साथ रहता है। बताया गया है कि तुरजा बाई गढ़पांडे के पिता पांडू बिठले की जराहमोहगांव में 7 एकड़ जमीन और अंसेरा में 3 एकड़ जमीन है। तुरजा बाई के भाई नहीं होने के कारण वह अपने पिता की जमीन की हकदार है और जमीन में तुरजा बाई का ही नाम है। इसी जमीन को लेकर तुरजा बाई और उसके बड़े बेटे दिनेश

गढ़पांडे, मंझले बेटे विजय गढ़पांडे के बीच विवाद चल रहा है दिनेश गढ़पांडे अपनी मां तुरजा बाई की जमीन अपने नाम से करवाने के लिए वह दबाव दे रहा है। इसी जमीन जायदाद के विवाद को लेकर लड़ाई झगड़ा होते रहता था ।5 वर्ष पहले तुरजा बाई को उसकी मंझली बहू ने जहर खिला दी थी। जमीन जायदाद की विवाद के चलते पिछले 5 साल से तुरजा बाई अपने पति बीजू लाल गढ़पांडे के साथ ग्राम नाकाडोंगरी तुमसर महाराष्ट्र में अपनी लड़की के बेटे प्रवीण बाघमारे के साथ रहते। जिन्होंने अपने खेत को अधिया बटाई में देकर रखे है ।तुरजा बाई की बेटी का देहांत हो चुका है। बताया गया है कि 28 मई को तुरजा बाई अपने पति बीजूलाल गढ़पांडे के साथ जराहमोहगांव खेती-बाड़ी के सिलसिले में आई थी और रात्रि में गांव में ही किसी अन्य व्यक्ति के घर दोनों पति पत्नी रुके थे। 29 मई को सुबह 6:00 बजे तुरजाबाई और उसके पति बीजूलाल गढ़पांडे को उसके बेटे दिनेश गढ़पांडे के बेटे संदीप गढ़पांडे ने अपने साथ अपने घर ले गया। किंतु दोनों पति-पत्नी अपने बेटे दिनेश गढ़पांडे के घर के अंदर नहीं गए और रोड किनारे दुकान में बैठे हुए थे। तभी उसका बेटा दिनेश गढ़पांडे लाठी लेकर आया और अपनी मां तुरजा बाई और पिता बीजुलाल को लाठी से मारपीट करने लगा जिसके बाद उसकी बहू अंजू गढ़पांडे और नाती संदीप गढ़पांडे ने आकर तुरजा बाई और उसके पति बीजूलाल को हाथबुक्के से बेरहमी पूर्वक मारपीट कियेऔर दोनों को जान से मार डालने की धमकी दे दी ।लाठी और हाथबुक्के से की गई मारपीट में तुरजा बाई और उसका पति बीजूलाल घायल हो गए ।हालांकि इस मारपीट में तुरजा बाई सिर मुंह में आंख में चोट लगने गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी ।इस घटना की सूचना मिलते ही कटंगी पुलिस थाने से 100 डायल पहुंची और घायल दोनों पति-पत्नी को उनके छोटे बेटे सुरेश गढ़पांडे और उसकी पत्नी के साथ कटंगी अस्पताल लाकर भर्ती किये जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों पति-पत्नी को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है ।कटंगी पुलिस ने इस मामले में तुरजा बाई बड़े बेटे दिनेश गढ़पांडे और बहू अंजू गढ़पांडे नाती संदीप गढ़पांडे के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया है। जिसकी जांच सहायक उप निरीक्षक कपूर बिसेन द्वारा की जा रही है।

वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की राजपूत समाज ने मनाई जयंती

भूमि दानदाता और प्रतिभावान बच्चों का किया गया सम्मान, जल्द करोड़ों की लागत से बनकर तैयार होगा सामाजिक भवन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 29 मई को जिला राजपूत क्षत्रिय महासभा द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की हर्षोल्लास के साथ जयंती मनाई गई। इस अवसर पर जिला राजपूत क्षत्रिय महासभा के द्वारा समाज को सामाजिक भवन की भूमि दान करने वाले दानदाता पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन सहित कक्षा दसवीं और कक्षा 12वीं में अधिक अंक लाने वाले प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया गया । जिसमें सभा के जिलाध्यक्ष संजयसिंह कछवाहा द्वारा बताया गया कि प्रतिवर्ष वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती को पूरे हर्ष उल्लास के साथ मनाते हैं । इस बार समाज को समाज के भवन बनाने के लिए जमीन दान करने वाले दानदाता सहित प्रतिभावान बच्चों का सभा ने सम्मान किया। साथ ही शाम के समय सभा के पदाधिकारी द्वारा कार्यक्रम स्थल से एक विशाल और भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें पदाधिकारी सहित सामाजिक बंधुओ ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जय घोष के नारे लगाए और स्थानीय मेन रोड स्थित महाराणा प्रताप चौक स्थित बनी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आतिशबाजी की गई । आपको बता दे कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती, गुरूवार को मनाई गई। सामाजिक भूमि स्थल पर आयोजित इस कार्यक्रम में 52 सौ वर्गफीट भूमि का दान करने वाले दानदाता पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन के साथ ही 10 वीं और 12 वीं बोर्ड में उत्कृष्ट अंक हासिल करने वाली सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इसके अलावा बालाघाट राजपूत क्षत्रिय समाज ने, महाराणा प्रताप चौक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। इस अवसर पर राजपूत समाज जिलाध्यक्ष संजयसिंह कछवाहा ने बताया कि महाराणा प्रतापजी का जीवन हमें उच्च लक्ष्यों के लिये संघर्ष की प्रेरणा देता रहेगा। महाराणा प्रताप की अदम्य वीरता तथा देशभक्ति की भावना असंख्य भारतीयों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। जिन्होंने राष्ट्रधर्म रक्षार्थ आजीवन मां भारती के लिए शौर्य और पराक्रम से लड़ते रहे। जिन्होंने लड़ते-लड़ते मर जाऊंगा लेकिन धर्म नही बदलूंगा की बात कहकर अपना जीवन कुर्बान कर दिया। उन्हीं की प्रेरणा से हम सभी स्वजातीय बन्धुओं के सहयोग से सामाजिक भवन का निर्माण तीन करोड़ रूपए की राशि से किया जाएगा। जिसके लिए आज भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में तलवार नहीं बल्कि कलम की आवश्यकता है, हम महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताए गए मार्गो पर चले और कलम से समाज को आगे ले जाए। इस दौरान पूर्व विधायक अशोकसिंह सरस्वार, नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, समाजसेवी राजेश पाठक सहित सामाजिक बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

निकाली गई भव्य वाहन रैली

जिला राजपूत क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी द्वारा पूरे कार्यक्रम आयोजन के समापन के बाद शाम 6:00 बजे कार्यक्रम स्थल से एक विशाल बाइक रैली निकाली गई। जिसमें स्वजातीय बन्धुओं के साथ-साथ सभा के पदाधिकारी अपने-अपने दो पहिया चौपहिया वाहनों के साथ रैली के रूप में नगर भ्रमण पर निकले, जहां डीजे की धुन पर यह बाइक रैली शहर के प्रमुख चौक ,चौराहों से होते हुए मेन रोड स्थित महाराणा प्रताप पहुंची जहां , महाराणा प्रताप की विशाल आदमकत प्रतिमा पर सामाजिक बंधुओ ने माल्यार्पण किया और यहां आतिशबाजी के साथ-साथ पटाखे फोड़े गए , वहीं जहां-जहां से भी यह बाइक रैली गुजर रही थी वहां वहां से स्वजातीय बन्धुओं और सभा के कार्यकर्ता महाराणा प्रताप के जय घोष के साथ आगे बढ़ते रहे डीजे की विशेष लाइटिंग और आतिशबाजी प्रमुख बाइक रैली के आकर्षण का केंद्र बनी रही। अंत में कार्यक्रम स्थल में सभी ने स्वल्पाहार ग्रहण कर इस जयंती कार्यक्रम का समापन किया ।

डाबरी में हुई तेंदूपत्ता फड़ को जलाने की घटना

एसपी ने कहा आगजनी का प्रकरण दर्ज कर की जा रही जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र की पुलिस चौकी डाबरी अंतर्गत आने वाले ग्राम झकुरदा में तेंदूपत्ता से भरे बोरों को आग लगाने की घटना सामने आई है। जिसमें तेंदूपत्ता के बोरों को आग लगाने के विषय में अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है कि आखिर आग किसके द्वारा लगाई गई है । कुछ लोगों का मानना है कि शायद यह आग नक्सलियों द्वारा लगाई गई हो, तो कुछ लोग का कहना है कि यह आग अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा भी लगाई जा सकती है। हालांकि अभी संबंधित विभाग ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि आखिर आग किसके द्वारा लगाई गई है । जब हमारे द्वारा पुलिस अधीक्षक से इस विषय को लेकर चर्चा की गई तो उन्होंने प्रथम दृष्टिया आग लगाए जाने की घटना में आगजनी का मामला कायम करते हुए मामला पंजीबद कर लिया है और अलग-अलग पहलुओं को लेकर इस विषय पर पुलिस जांच कर रही है । आपको बता दे कि जिले के लांजी थाना अंतर्गत डाबरी पुलिस चौकी के ग्राम झकुरदा में तेंदूपत्ता से भरे बोरो में आग लगाने की घटना सामने आई है। हालांकि तेंदूपत्ता के बोरे में आग नक्सलियों ने लगाई या अज्ञात तत्वों ने यह साफ नहीं है। एसपी नगेन्द्र सिंह ने बताया कि घटना के बाद मामले में आगजनी का प्रकरण दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि 28-29 की मध्यरात्रि में नक्सल प्रभावित लांजी अंतर्गत डाबरी चौकी के झकुरदा में तेंदुपत्ता फड़ में आग लगाई गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया है। फड़ का बीमा होना पाया गया है। अब तक की जांच में इस घटना के पीछे स्थानीय असामाजिक तत्वों की भूमिका की संभावना लग रही है। चूंकि घटनास्थल पर किसी प्रकार के नक्सली पर्चे नहीं मिले है, जिससे, प्रथमदृष्टया, घटना में नक्सलियों की भूमिका, प्रतित नहीं होती है। आगजनी की घटना की जांच की जा रही है। बताया जाता है कि 29 मई की सुबह नक्सलियों ने झकुरदा में घटना को अंजाम दिया। तेंदूपत्ता खरीदी के बाद बोरो में तेंदूपत्ता भराई का काम अंतिम दौर में चल रहा है। तेंदूपत्ता फड़ मुंशी ने तेंदूपत्ता से भरे 33 बोरे के जलने की जानकारी बताई है। फड मुंशी गरमसिंह टेकाम ने बताया कि सुबह, जब हम यहां पहुंचे तो फड़ आग से जला हुआ था। जिसकी मैनेजर को इसकी सूचना दी। जिसके बाद ठेकेदार और पुलिस यहां पहुंची थी। बता दे कि पुलिस और हॉकफोर्स के लगातार जंगलो में बनाए जा रहे दबाव से नक्सली, अभी आमने-सामने की भिडंत के लिए सक्षम नही है, संभवत: ऐसी घटनाओ को अंजाम देकर वह अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे है, लेकिन पुलिस ने इस घटना में नक्सलियों की भूमिका से इंकार किया है, पुलिस का मानना है कि यह स्थानीय असामाजिक तत्वों की हरकत है और उन्होंने आग किसनें और क्यों लगाई, इसकी जांच जारी है। फिलहाल इस घटना के बाद सुरक्षा के मद्देनजर, क्षेत्र में सर्चिंग अभियान को बड़ा दिया गया है।

कौड़िया (मुरझड़) में वन्यप्राणी तेंदुए ने बैल का किया शिकार, ग्रामीणजन दहशत में

अब तक एक दर्जन से अधिक मवेशियों का तेंदुए ने कर चुका है शिकार, मुआवजा की मांग, ग्रामीणों ने तेंदुआ को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने एवं मुआवजा दिये जाने की वन विभाग से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत मुरझड़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम कौड़िया में तेंदुआ विगत दिवस से गांव के नजदीक पहुंचकर मवेशियों का शिकार कर रहा है। इसी तरह बुधवार एवं गुरूवार की दरमियानी रात्रि में वन्यप्राणी तेंदुआ कौड़िया ग्राम में पहुंचकर नंदकिशोर नेवारे के मकान के सामने आंगन में बंधे बैल का शिकार कर दिया है। जिससे उसकी मौत हो गई। इस तरह से अब तक तेंदुए ने एक दर्जन से अधिक बकरी सहित अन्य मवेशियों का शिकार कर चुका है। जिसके बाद से ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है और वन विभाग से कौड़िया सहित खेत एवं जंगल क्षेत्र में गस्त बढ़ाकर पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने एवं पीड़ित मवेशी मालिकों को मुआवजा दिये जाने की मांग की है। वहीं तेंदुए के बार-बार गांव के समीप दस्तक देने और मवेशियों का शिकार करने की घटना के बाद से ग्रामीणजनों का कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहा है क्योंकि अधिकांश ग्रामीणजनों की खेती जंगल से लगा हुआ है जिससे सभी परेशान है। गुरूवार को ग्रामीणजनों ने तेंदुए के हमले से बैल की मौत हो जाने की जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को दिये। जिसके बाद लामता प्रोजेक्ट लालबर्रा के कटंगा बीट क्षेत्र के वन आरक्षक बी भलावे अन्य वनकर्मियों के साथ घटना स्थल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर मुआवजा के लिए प्रकरण तैयार किया है। वहीं वनकर्मी के द्वारा तेंदुए के पैर के निशान भी देखे गये है, जिससे ऐसा लग रहा है कि कौड़िया ग्राम, जंगल क्षेत्र में तेंदुआ सहित अन्य वन्यप्राणी का मूवमेंट बना हुआ है परन्तु गांव के समीप जंगल क्षेत्र एवं झाड़िया होने के कारण किसी की आहट की सुनाई देने पर वह छुप जाता होगा।

जिसके बाद किसी की आहट न मिलने के बाद बाहर निकलकर मवेशियों का शिकार कर रहा है। साथ ही इस दौरान अगर कोई व्यक्ति उसके सामने आ जाता है तो उसका भी वह शिकार कर सकता है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। बार-बार गांव के नजदीक वन्यप्राणी तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है। वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणजनों को अकेले खेत, जंगल क्षेत्र एवं झाड़ियों की ओर न जाने की अपील की है।

तेंदुआ ने दर्जनों मवेशियों का कर चुका है शिकार, बड़े हादसे को दे सकता है अंजाम

आपकों बता दे कि म.प्र. राज्य विकास निगम लिमिटेड लामता परियोजना मंडल वन परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले वन क्षेत्र कटंगा बीट के कौडिया ग्राम के जंगल क्षेत्र में विगत दिवस से तेंदुआ दिखाई देने की जानकारी मिल रही है और तेंदुए ने अब तक एक दर्जन से अधिक मवेशियों का शिकार भी कर चुका है। जिससे जंगल क्षेत्र स्थित ग्रामों के ग्रामीणजनों में दहशत बनी हुई है और यह स्थिति विगत दिवस से बनी हुई है। जिसकी जानकारी वन विभाग को ग्राम उपसरपंच एवं ग्रामीणजनों के द्वारा दे दी गई है परन्तु अब तक वन विभाग के द्वारा तेंदुए को पकड़ने के लिए कोई सार्थक प्रयास नही किया गया है जिससे ग्रामीणजनों में वन विभाग के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। बुधवार एवं गुरूवार की दरमियानी रात्रि में तेंदुए ने नंदकिशोर नेवारे के मकान के आंगन में बंधे बैल का शिकार कर दिया। जिससे मवेशी मालिक को करीब 20 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। वहीं कौड़िया ग्राम के समीप जंगल क्षेत्र लगा हुआ है एवं झाड़िया भी है जिसके कारण वह दिन के समय झाड़ियों में छुप जाता होगा और रात्रि में बाहर निकलकर मवेशियों का शिकार कर रहा है। जिससे ग्रामीणजन दहशत में है। वहीं कौड़िया में तेंदुए के हमले से बैल की मौत होने की जानकारी वन विभाग को दी गई। जिसके बाद लामता वन परिक्षेत्र लालबर्रा के रेंजर विजय कुमरे के निर्देश पर वन कर्मचारी घटना स्थल पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही बनाया है एवं घटना स्थल पर तेंदुए के पैर के निशाान भी देखे गये है, जिससे लग रहा है कि तेंदुआ गांव के समीप पहुंच चुका है। साथ ही ग्राम के समीप बड़ी-बड़ी घनी झाड़िया भी है एवं जंगल क्षेत्र भी लगा हुआ है जिससे संभावना व्यक्त की जा रही है कि झाड़ियों में कही तेंदुआ छुप गया होगा।

तेंदुए को पकड़कर घने जंगल में छोड़े वन विभाग - संतोष

मुरझड़ के उपसरपंच संतोष बरले ने बताया कि ग्राम कौड़िया जंगल क्षेत्र से लगा हुआ है और विगत दिवस से तेंदुआ गांव के समीप पहुंचकर मवेशियों का शिकार कर रहा है। बुधवार की रात में ग्राम के नंदकिशोर नेवारे के मकान के सामने आंगन में बंधे बैल का शिकार कर दिया, जब सुबह उठकर देखे तो बैल मृत अवस्था में था। जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों को घटना की जानकारी दी गई और बैल मर जाने से नंदकिशोर को करीब 20 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। श्री बरले ने बताया कि अब तक तेंदुए ने एक दर्जन से अधिक बकरी सहित अन्य मवेशियों का शिकार कर चुका है जिससे ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है और ग्रामीणजन अकेले खेत व जंगल की ओर जाने से डर रहे है जिससे कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहा है। साथ ही यह भी बताया कि वन्यप्राणी तेंदुआ का ग्राम व जंगल क्षेत्र में मुवमेंट बना हुआ है इसलिए वन विभाग से मांग है कि जंगल क्षेत्र में पिंजरा लगाकर उसे पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़े एवं जिन मवेशियों का शिकार कर चुका है उनके मवेशी मालिकों को जल्द मुआवजा प्रदान करें।

जंगल क्षेत्र की ओर अकेले न जाये ग्रामीणजन - भलावे

दूरभाष पर चर्चा में वनरक्षक बी भलावे ने बताया कि कटंगा बीट के अंतर्गत आने वाने कौड़िया ग्राम में तेंदुए ने बैल का शिकार कर देने एवं गांव के नजदीक वन्यप्राणी तेंदुए की दिखाई देने की जानकारी ग्रामीणों से मिली थी। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही कर मुआवजा के लिए प्रकरण तैयार किये गये है। जिसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दिया गया है। श्री भलावे ने बताया कि कौड़िया ग्राम जंगल से लगा हुआ है और इस क्षेत्र में वन्यप्राणियों का मुवमेंट बना हुआ है, ग्रामीणजनों से अपील है कि वे अकेले जंगल क्षेत्र की ओर न जाये।

खिर्री के ट्रांसफार्मर के मीटर में लगी आग, बड़ा हादसा टला

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत खिर्री स्थित राहुल कानतोड़े के मकान के समीप साल्हे (मो.) रोड़ स्थित ट्रांसफार्मर में लगे मीटर में बुधवार की रात 8 बजे अचानक आग लग गई। जिसके चलते रातभर बिजली गुल रहने से ग्रामीणजनों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी जिससे परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार खिर्री के राहुल कानतोड़े के मकान के समीप स्थित विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है जिससे ग्रामीणजनों के घरों में कनेक्शन गया हुआ है। बुधवार की शाम करीब 7 बजे अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं तेज आंधी-तूफान व बादल गर्जना के साथ बारिश हुई। इसी दौरान अचानक ट्रांसफार्मर के मीटर में आग लग गई और धीरे-धीरे आग की लपेटे बढ़ने से ट्रांसफार्मर में आग लग सकती थी। लेकिन तेज बारिश होने के कारण आग फैल नही पाई नही तो ट्रांसफार्मर पुरा जल जाता। वहीं ट्रांसफार्मर के मीटर में आग लग जाने की जानकारी तत्काल विद्युत विभाग को ग्रामीणों के द्वारा दी गई। जिसके बाद बिजली सप्लाई बंद करवाई गई नही तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था। वहीं ट्रांसफार्मर के मीटर में आग लग जाने एवं ट्रांसफार्मर में आई तकनीकी खराबी के कारण रातभर खिर्री में बिजली गुल रहने के कारण ग्रामीणजनों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी जिससे ग्रामीणजनों व ब'चों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा। गुरूवार को सुबह विद्युत विभाग के कर्मचारी खिर्री पहुंचकर ट्रांसफार्मर में आई तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर बिजली सप्लाई प्रदान की गई।

अमोली के घानाडोल तालाब की साफ-सफाई कर दिया गया स्वच्छता का संदेश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित घानाडोल तालाब में म.प्र. जन अभियान परिषद के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गुरूवार को तालाब की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के पदाधिकारी-कार्यकर्ता तालाब के पारों की साफ-सफाई किये तत्पश्चात जल गंगा संवर्धन की शपथ दिलवाई गई। चर्चा में म.प्र. जन अभियान परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि शासन के निर्देश पर गत दिवस से जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदी, नालों एवं तालाबों की साफ-सफाई कर नदी, नालों में बोरी बंधान कर जल के स्तर को बनाये रखने के क्षेत्र में कार्य किये जा रहे है। ताकि इस भीषण गर्मी में जल का स्तर बना रहे और पानी के लिए क्षेत्तीयजनों को परेशानियों का सामना न करना पड़ेगा। साथ ही क्षेत्तीयजनों को जल के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है ताकि व्यर्थ में पानी बहने न दे। इसी कड़ी में गुरूवार को अमोली स्थित घानाडोल तालाब की साफ-सफाई की गई है एवं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया है। इस अवसर पर चंद्रकुमार बसेने, संतोष शांडिल्य, हेमराज अंगुरे, चैनलाल चौधरी, दामेन्द्रप्रसाद हरिनखेडे, प्रेमबत्ती उइके, निकिता गोयल, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठयक्रम के विद्यार्थी योगेश मेश्राम, उलेश कटरे, दीपक सोनवाने, उमेश्वरी भगत, अनुसूईया बाहेश्वर, सुहानी कुर्वे, वीरेन्द्र शर्मा, रंगीला राउत, गौरव उइके, जितेन्द्र डोरस, प्रियंका खंडेलकर सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनपद में पटवारी, सरपंच, सचिव एवं ग्राम रक्षक (कोटवारों) की हुई बैठक

बैठक में बाढ़ की तैयारी, प्रबंधन कार्य योजना बनाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर तैयारियां पूर्ण करने के दिये गये निर्देश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। मानसून को देखते हुए बाढ़ की तैयारी/प्रबंधन कार्य योजना की तैयारी हेतु नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में गुरूवार को राजस्व विभाग, सरपंच, सचिव एवं ग्राम रक्षक (कोटवारों) की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदरसिंह मंडलोई, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में बरसात के दिनों में तेज बारिश एवं बाढ़ की स्थिति किस-किस क्षेत्र में बनी रहती है ऐसे क्षेत्रों को चिहिन्त करने, बाढ़ की तैयारी, प्रबंधन कार्य योजना बनाने, क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों का मरम्मत कार्य करवाने, ग्रामों में तैराक कितने है, किस ग्राम को बाढ़ आने पर विस्थापित कर सकते है, बाढ आने पर कहां-कहां बेरिगेटस लगाना है ताकि बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर उक्त स्थानों पर ग्रामीणों की बाढ़ प्रबंधन समिति के माध्यम से मदद कर सके सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही किस ग्राम में बाढ़ की स्थिति बन सकती है एवं किस तरह से मदद की आवश्यकता है उसकी तैयारी कर 10 दिवस के अंदर जानकारी उपलब्ध करवाने सरपंच, सचिव, पटवारी एवं कोटवारों को निर्देशा-निर्देश दिये गये। ताकि बाढ़ आने के पूर्व ही बाढ़ ग्रसित क्षेत्र आने वाले ग्रामों के ग्रामीणजनों की मदद कर सके। आपकों बता दे कि लालबर्रा विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाले ग्राम उदासीटोला, चंदनटोला, अतरी, वैनगंगा नदी किनारे स्थित ग्राम छिंदलई, मोहगांव ध., धपेरा सहित अन्य ग्रामों में तेज बारिश होने के बाद नदी, नालों में बाढ़ आने पर ये ग्रामों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर ग्रामों में पानी घुस जाने से ग्रामीणजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और हर वर्ष इन ग्रामों में तेज बारिश होने पर बाढ़ की स्थिति निर्मित होती है। इसलिए प्रशासन के द्वारा इस वर्ष मानसून के पहले ही बाढ़ के पूर्व ही आपदा प्रबंधन के तहत किस तरह से कार्य करना है उसकी तैयारियां की जा रही है ताकि बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर समय पर सहायता की जा सके और जिन ग्रामों को विस्थापित करना है उसे विस्थापित करने का कार्य कर सके। साथ ही हर ग्रामों में तैराक है या नही उसकी भी जानकारी ली जा रही है। जिसके लिए पटवारी, सरपंच, सचिव, ग्राम रक्षक (कोटवारों) को अपने-अपने क्षेत्र की बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी देने कहा गया है और बाढ़ की तैयारी एवं प्रबंधन कार्य योजना तैयार करने निर्देशित किया गया है ताकि समय रहते मदद कर सके।

चर्चा में थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने बताया कि आगामी मानसून को देखते हुए बाढ़ की तैयारी/प्रबंधन कार्य योजना के संबंध में जनपद पंचायत में पटवारी, सरपंच, सचिव एवं कोटवारों की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें उन्हे बताया गया है कि जिन ग्रामों में बाढ़ की स्थिति बनती है ऐसे समय पर किस तरह से ग्रामीणों की मदद करना है। साथ ही कौन-कौन से ग्रामों में तेज बारिश होने पर बाढ़ आते है, पुल-पुलिया किस तरह से है, ग्राम में तैराक है या नही, किस ग्राम को विस्थापित करना पड़ सकता है उसकी जानकारी 10 दिवस के अंदर उपलब्ध करवाने कहा गया है ताकि आपदा के समय तत्काल उनकी मदद कर सके। श्री चतुर्वेदी ने बताया कि मानसून सत्र आगामी समय में शुरू होने वाला है इसलिए बाढ़ की तैयारी/प्रबंधन कार्य योजना की तैयारी की जा रही है। साथ ही बाढ़ के पूर्व संवेदनशील ग्रामों के रास्तों, पुल-पुलियां जो खराब है उनका मरम्मत कार्य करवाने संबंधित विभाग से कहा गया है ताकि बाढ़ आपदा के दौरान प्रशासनिक अमला समय पर पहुंचकर उनकी मदद कर सके। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, पटवारी एवं ग्राम कोटवार उपस्थित रहे।

साउथ वेस्ट मॉनसून धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा, कई इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा

नई दिल्ली। साउथ वेस्ट मॉनसून अब धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) की मानें आने वाले कुछ दिनों में इसके और मजबूत होने की संभावना है।आईएमडी का कहना है कि बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी भाग पर एक गहरे दबाव का क्षेत्र 29 मई की दोपहर तक सागर द्वीप और खेपुपारा (बांग्लादेश) के बीच पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों को पार कर सकता है। इसकी वजह से पूर्वोत्तर भारत का मौसम काफी बदल सकता है। आईएमडी ने जैसा कि अनुमान लगाया था कि दिल्ली-एनसीआर में तेज आंधी चलेगी, गुरुवार को शाम होते-होते मौसम बदल गया। दिल्ली और एनसीआर के कई स्थानों पर धूल भरी आंधी/बाद में गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा और बिजली (40-70 किमी/घंटा की गति से तेज हवाएं) गिरने की संभावना है। गुरुग्राम, नोएडा और गाजियाबाद में कुछ जगहों पर बारिश की भी खबरें हैं। वहीं शुक्रवार को भी राजधानी का मौसम कुछ ऐसा ही रहेगा। आईएमडी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को भी तेज हवाएं चलने और बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में भी तेज बारिश हुई गोरखपुर समेत पूर्वी यूपी के कुछ हिस्यों में बारिश हुई है। आईएमडी की मानें तो उत्तर भारत का मौसम भी अगले कुछ दिनों में बदल सकता है।आईएमडी ने राज्य में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ ओलावृष्टि की संभावना है। यूपी में बारिश की वजह से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। अगर बात करें बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना और विदर्भ में अलग-अलग स्थानों की तो यहां पर भी आईएमडी ने भारी वर्षा की संभावना व्यक्त की है। वहीं छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, मध्य प्रदेश, पंजाब और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर 50-60 किमी प्रति घंटे की गति से आंधी-तूफान आने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी भाग पर बन रहे एक गहरे दबाव का क्षेत्र की वजह से 31 मई तक पूर्वोत्तर राज्यों और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बहुत भारी से बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार 29 और 30 मई को मेघालय में भी इसकी वजह से कुछ स्थानों पर असाधारण तौर पर भारी वर्षा हो सकती है।

कोस्ते मार्ग की साईड़ शोल्ड़र हुई खस्ताहाल

आवागमन करने में राहगीरों को करना पड़ता है परेशानी का सामना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी से कोस्ते मार्ग की पटरिया पूरी तरह खराब हो गई है। जहां पर राहगीरों को कई प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। खस्ताहाल पटरियों के कारण दुर्घटना की भी संभावनाएं बनी हुई है। मार्ग सकरा होने से पटरियां उखड़ने से परेशानी बनी हुई है जहां पर छोटे बड़े गड्ढे बने हुए हैं जो राहगीरों को परेशान कर रहे हैं। तो वहीं सड़क से उतरने पर सड़क पर वापस वाहन को लाते समय दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है जहां राहगीरों के द्वारा व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है। हालांकि वर्तमान तक विभाग के किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है। यदि ऐसा ही रहा तो जल्द बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है ,जिससे बचने के लिए राहगीरों के द्वारा मार्ग पर व्यवस्थित सड़क किनारे की पटरी की भरने की मांग की जा रही है ताकि लोग व्यवस्थित आवागमन कर सके।

गड्ढों से पटी पटरियां वाहन हो रहे अनियंत्रित

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी से कोस्ते मार्ग पर साकड़ी का उच्च स्तरीय पुल बनने के बाद सीधे तौर पर महाराष्ट्र गोंदिया से जुड़ चुका है। जहां यातायात का काफी दबाव बना हुआ है यह मार्ग का निर्माण वारासिवनी से मेंढ़की तक बीते करीब एक वर्ष पूर्व ही किया गया है। जहां भारी वाहनों के दौड़ने से मार्ग के दोनों तरफ की पटरियां यानी साइड शोल्डर पूरी तरह बैठ गए हैं तो वहीं उनमें छोटे बड़े गड्ढे का निर्माण हो गया है। जहां पर बारिश का पानी जमा हो रहा है हालांकि बारिश का मौसम प्रारंभ नहीं हुआ है। परंतु मौसम के पूर्व हुई बारिश ने इन गड्ढों में पानी भर गया है। वहीं यह मार्ग करीब १० फीट चौड़ा है जो बहुत छोटा है ऐसे में छोटे बड़े सैकड़ो वाहन रोजाना इस मार्ग से अपने गंतव्य के लिए आना जाना करते हैं। तो वहीं यात्री वाहन एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपने छोटे बड़े वाहनों से मार्ग का उपयोग करते हैं। जिन्हें कई प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है जैसे भारी वाहन आने पर मोटर साइकिल वालों को सड़क से नीचे उतरना पड़ता है। परंतु वाहन गड्ढे होने के कारण कई बार मोटर साइकिल अनियंत्रित हो जाती है। तो वहीं पुनः सड़क पर मोटर साइकिल ले जाते समय साइड शोल्डर से सड़क ऊंची होने पर मोटर साइकिल स्लिप हो जाती है। दो वाहन सड़क सकरी होने से क्रॉसिंग करने में काफी समस्या भी सामने आती है । इस दौरान साइड सोल्डर में बने हुए गड्ढे में भरा पानी वाहनों से उड़कर लोगों के कपड़े भी खराब कर रहा है। जहां भविष्य में बड़ी समस्या को देखते हुए बारिश के मौसम के पहले साइड शोल्डर को व्यवस्थित करने की मांग राहगीरों के द्वारा की जा रही है। ताकि हर कोई सुरक्षित रूप से आवागमन कर सके और दुर्घटना की संभावना कम हो।

रोड़ किनारे साईड शोल्ड़र खराब होने से परेशानी बनी हुई है-छगन बिसेन

राहगीर छगन बिसेन ने बताया कि रोड़ की पटरियां खराब हो गई है पूरे गड्ढे बन चुके हैं बारिश का पानी इन गड्ढे में जमा हो गया है। हालांकि अभी बारिश का मौसम नहीं है परंतु मौसम से पहले हुई बारिश से यह स्थिति बनी हुई है यहां पर मोटर साइकिल वालों को बहुत ज्यादा दिक्कत हो रही है। सड़क दुर्घटना होने की भी संभावना बनी हुई है कभी भी कोई हादसा हो सकता है । शासन प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए ताकि समस्या का समाधान हो। मैं भी अपने ग्राम जा रहा था तो ट्रक के अचानक नीचे उतरने से गड्ढे में भरा पानी उड़कर मेरे ऊपर आ गया। जबकि रोड़ के नीचे मेरी गाड़ी खड़ी थी तो ट्रक ने पटरी के गडडे का पानी उड़ा दिया जिस कारण से मैं पूरा भीग गया हूं। भारी वाहनों के चलने से छोटी गाड़ी वालों को काफी दिक्कत है । नीचे मोटर साइकिल उतरती है फिर ऊपर चढ़ती नहीं है स्लिप हो जाती है। यहां पर जो पटरी है उसे अच्छे से भरकर प्लेन करना चाहिए।

विभाग की लापरवाही है जो साइड शोल्डर की है स्थिति बनी हुई है-शिव ठाकरे

ग्रामीण शिव ठाकरे ने बताया कि साइड शोल्डर की बहुत ज्यादा स्थिति खराब है सड़क से करीब ९ इंच नीचे साइड शोल्डर बैठ चुके हैं। वहां भी छोटे बड़े गड्ढे हो गए हैं सड़क के दोनों आजू.बाजू साइड शोल्डर की यही स्थिति बनी हुई है जहां पर हर किसी को समस्या हो रही है। इसमें मुख्य रूप से आने.जाने में दिक्कत होती है कि बड़े वाहन आने पर मोटरसाइकिल या छोटे वाहन वालों को नीचे गाड़ी उतारनी पड़ती है। भारी ट्रक तो नीचे उतारते हैं नहीं जब दो भारी वाहन दोनों दिशा से आते हैं इस दौरान क्रॉसिंग में यह दोनों नीचे उतरते हैं। उस समय हम जैसे छोटे वाहनों वालों को खड़े होकर देखना पड़ता है सड़क से नीचे उतरते ही गिरने का डर लगा रहता है। मार्ग पर लड़के बच्चे बहुत सारे आना जाना करते हैं और मोटर साइकिल वाले भी तेज रफ्तार में भागते हैं यह जो पटरी है वह पूरी खराब हो गई है। इसे फिर से बनाना चाहिए की सड़क हादसा होने की संभावना खत्म हो लोग सुरक्षित आना जाना कर सके।

साइड शोल्ड़र की समस्या का समाधान होना चाहियें-संजय कुंभारे

राहगीर संजय कुंभारे ने बताया कि मैं मेहंदीवाड़ा का रहने वाला हूं प्रतिदिन इस मार्ग का उपयोग कोस्ते या अन्य ग्रामीण क्षेत्र की ओर आने जाने के लिए करता हूं। मार्ग में बहुत संभलकर चलना पड़ता है पटरियां बहुत ज्यादा खराब हो गई है गढ़ों में पानी भरने से दिक्कत है। गड्ढे की गहराई समझ नहीं आती है पटरी से रोड़ की ऊंचाई ज्यादा है इसलिए समतल रूप से कोई भी नहीं चल पाता है। यह मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल बनने से गोंदिया से जुड़ गया है यह भी कारण है कि यातायात का दबाव बढ़ा हुआ है। यहां पर छोटे बड़े सभी प्रकार के हर क्षमता वाले वाहन यहां से आना जाना कर रहे हैं कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी है और होती भी रहती है। दो वाहन मुश्किल से क्रॉस हो पाते हैं हमें रुकना पड़ता है कई बार तो मोटर साइकिल नीचे उतरते ही दो भारी वाहन क्रॉस होते हैं जहां काफी समस्या भरी स्थिति बनी रहती है।

मौसम में बदलाव बरकरार आम जनजीवन हालकान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित क्षेत्र में लगातार मौसम में बदलाव की स्थिति बीते कुछ दिनों से बनी हुई है। जहां पर मौसम में हो रहे अचानक बदलाव के कारण आम जनजीवन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि वर्तमान में नौतपा का दौर प्रारंभ हैं इस दौरान देखने में आ रहा है कि सूर्य देवता अपनी चमक के साथ आसमान में बने रहते हैं तभी अचानक बदली के पीछे छुप जाते है मौसम में बदलाव हो जाता है । बीते एक सप्ताह से यह स्थिति बरकरार है और बीते दो दिनों से रात्रि में बारिश का दौर भी चल रहा है। हालांकि यह बारिश को किसान नुकसान के रूप में देख रहा है तो वहीं क्षेत्र के लोग भीषण गर्मी से मिलने वाली राहत के रूप में देख रहे हैं। जहां लोगों के द्वारा बारिश का आनंद भी लिया जा रहा है। परंतु किसान इस बारिश से परेशान है कि उसकी फसल अब काटने का समय आ गया है तो वहीं कई किसानों के द्वारा अपनी रबी की फसल काटकर खेतों में रख दी गई है। जो बारिश में गिली होकर खराब होने का डर किसानों को लगा हुआ हैं, जिसको देखते हुए किसानों की फसल काटकर तत्काल उसे उठाने का कार्य किया जा रहा है। तो वहीं रखने की व्यवस्था नही होने से किसानों की फसल भी गीली हो रही है। यह बारिश विवाह कार्यक्रम या अन्य लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है। ऐसे में लगातार मौसम में हो रहे बदलाव को देखते हुए हर कोई चिंतित नजर आ रहा है क्योंकि अचानक आसमान में काले बादल छा जाते हैं और तेज आंधी तूफान के साथ हल्की बूंदाबांदी अच्छी बारिश का रूप धारण कर लेती है। बीती रात हल्की बूंदाबांदी ने अचानक बारिश का रूप धारण कर लिया और करीब तीन घंटे से अधिक समय तक बूंदाबांदी के साथ बारिश होती रही। जिसने पूरे नगर को ठंडा कर दिया तो वहीं अगले दिन पुनः सूर्य देवता की चमक से उम्मस भरी गर्मी बनी रही और शाम ४ बजे के बाद फिर काले बादल आसमान में छाने लगे।

अंतरराष्ट्रीय कराटे टूर्नामेंट खेलकर लौटे खिलाड़ी

१४ ने गोल्ड ७ ने रजत प्राप्त कर नगर का बढ़ाया गौरव सभी का हुआ स्वागत

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। आइडियल पब्लिक स्कूल चंन्दोरी के विद्यार्थी २९ मई को गोवा से अंतरराष्ट्रीय कराटे टूर्नामेंट खेलकर वापस लौटे। जिनका वारासिवनी रेलवे स्टेशन में बैंड बाजे के साथ पुष्पमाला पहनाकर मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। उक्त विद्यार्थियों के द्वारा अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन देकर १४ गोल्ड मेडल और ७ सिल्वर मेडल अपने नाम किए। जिनके द्वारा यह उपलब्धि प्राप्त कर नगर स्कूल सहित जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया गया है। जहां विद्यार्थियों के पालको के द्वारा गर्म जोशी के साथ अपने बालक बालिकाओं का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दी जाती रही।

गोवा में आयोजित हुआ था अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट

कराटे प्रतियोगिता का अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट भारत के गोवा राज्य के मड़गांव स्थित अंतरराष्ट्रीय व्हालीवाल स्टेडियम में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जहां पर भारत ,श्रीलंका और नेपाल के खिलाड़ियों के द्वारा भाग लिया गया था। इन तीनो देश के खिलाड़ियों के द्वारा उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया गया। इसी के तहत आइडियल पब्लिक स्कूल के २१ विद्यार्थियों के द्वारा उक्त अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया गया था। जो प्रतियोगिता में शामिल होने नगर से २५ मई को रवाना हुए थे। जिनके द्वारा २७ एवं २८ मई को आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में अपने जौहर का प्रदर्शन किया गया। जहां पर १४ विद्यार्थियों के द्वारा गोल्ड और ७ विद्यार्थियों के द्वारा रजत मेडल अपने नाम किया गया। जिनके आगमन को लेकर २९ मई को रेलवे स्टेशन वारासिवनी में रौनक दिखाई दी। जहां पर विद्यार्थियों के माता पिता एवं शिक्षक शिक्षिकाएं ढोल बाजे के साथ उपस्थित हुए जहां ट्रेन रुकते ही विद्यार्थियों का तिलक लगाकर पुष्प बरसाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात समस्त विद्यार्थियों को पुष्पमाला पहनाकर मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी जाती रही। वहीं विद्यार्थियों के माता पिता के द्वारा भी मिठाई बताकर खुशियां मनाई गई।

इन विद्यार्थियों ने पाया स्वर्ण और रजत

आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी के २१ विद्यार्थी गोवा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कराटे टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हुए थे। जहां पर अपने खेल का प्रदर्शन कर आयुष टेकाम, केतन सिंह लिल्हारे, पारस पगरवार, अमनान रजा ,अक्षत दोहारे ,तामेश मेरावी ,चित्रांश पंचेश्वर, विवेक बनोटे ,राजदीप गायकवाड़ ,अनन्या पारधी, मोक्षिता पटले ,आकृति मेश्राम, बिनीश फातिमा, आकृति पटले ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। तो वहीं प्रत्यूष पानेकर ,जीत पंचेश्वर ,देवांक भगत ,मयूर टेकाम, जयदित्य बिसेन, पूर्वांश लिल्हारे ,समर्थ शरद दुबे ने रजत पदक प्राप्त कर गौरव बढ़ाया हैं।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों ने जीते पदक-अब्दुल रब कुरैशी

स्कुल के संचालक अब्दुल रब कुरैशी ने बताया कि हमारे बच्चे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने के लिए गणेश बोधे और प्रिया बोधे के नेतृत्व में गोवा खेलने के लिए गए हुए थे। यह अंतरराष्ट्रीय कराटे टूर्नामेंट था जहां २१ विद्यार्थियों के द्वारा भाग लिया गया था। जिसमें १४ के द्वारा गोल्ड और ७ के द्वारा रजत इस प्रकार सभी विद्यार्थियों ने पदक प्राप्त किए हैं। यह पदक विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्राप्त किया है जिन्होंने इस अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में नगर स्कूल और जिले सहित प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह गौरव भरा क्षण है जिसके प्रत्यक्षदर्शी बनने के लिए बच्चों के माता पिता और हम सभी स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाएं यहां पर उपस्थित होकर उनका स्वागत किया है। ऐसे ही हर विद्यार्थी अपने लक्ष्य की तरफ बढते हुए हर क्षेत्र में प्रगति करते रहे।

हज के लिये ५ लोग हुए रवाना ,मुस्लिम समाज सहित अन्य ने दी मुबारकबाद

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर से पांच लोगों का जत्था हज के लिए रवाना हुआ । इस दौरान हज के लिए जा रहे लोगों के निवास में समाज के लोगों की भीड़ लगी रही जहां पर बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें यात्रा की मुबारकबाद देकर रवाना किया। इस यात्रा के लिए वार्ड नंबर १३ से जनाब नबी कुरैशी, जनाब रियाज मास्टर, वार्ड नंबर ९ से राजीक खान, गुड्डू आजमी अपनी पत्नी के साथ हज के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर नगर के मुस्लिम समाज सहित सभी ने उपस्थित होकर उन्हें पुष्प हार पहनाकर हज यात्रा के लिए मुबारकबाद दी। सुबह से ही उनके घरों में मुबारकबाद देने के लिए लोगों का तांता लगा रहा। विधित हो की मुस्लिम समाज में हज पर जाना एक पवित्र यात्रा माना जाता है जिसके लिए हर वर्ष बुजुर्ग लोग जाते है। इसमें प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नगर के पांच व्यक्ति हज के लिए रवाना हुए। इस दौरान मुस्लिम समाज के अध्यक्ष इकबाल खान ,पूर्व नपा अध्यक्ष धवल मॉडल,एजाज कुरैशी ,नसीम खान ,साजिद अंसारी , जाहिद कुरैशी, खालिक पेंटर, बाबू मिस्त्री ,शाहबाज मंसूरी सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी कलकत्ता से हिन्दी भाषा में 'उदन्त मार्तण्ड' के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख हैं। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को ब ?वा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का 'प्रताप' समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'प्रताप' को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्यार्थीजी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महान् लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे। मेरा सौभाग्य है कि मैं राजस्थान के यशस्वी पत्रकार स्व. श्रीरामस्वरूप गर्ग के पुत्र होने के नाते विरासत में पत्रकारिता के मूल्यों को आत्मसात करने का मौका मिला। उन्होंने 1936 एवं उसके बाद के दौर में 'राष्ट्रवाणी' एवं 'परिवर्तन' जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सम्पादन किया। वे राजस्थान के प्रतिष्ठित दैनिक नवज्योति के साप्ताहिक रूप में निकले प्रारंभिक अंकों के सम्पादक रहे। इसका प्रारंभ पण्डित जवाहरलाल नेहरू के निजी सचिव रहे श्री रामनारायण चौधरी ने किया था। आज जबकि हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बड़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।

सुखद है 199 वर्षों का हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वत: ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।'' वैसे भारत-पाक युद्ध का उल्लेख करें अथवा भारत-चीन लड़ाई का या अन्य चुनौतीपूर्ण अवसरों का, प्रेस ने ऐसे हर अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत न होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 199 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, वहीं हिन्दी पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि इसने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं

-योगेश गोयल

सदाचार की परीक्षा

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके।

वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है।

वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो। फिर मैं अकेला कैसे हो सकता हूं? इस खरगोश की भोली आंखों में मुझे ईश्वर की उपस्थिति नजर आई। इसलिए मैं इसे मार नहीं पाया। युवराज की बात सुनकर गुरु सोमदेव ने उसे गले से लगा लिया और बोले, पुत्र, आज तुम सदाचार और प्रेम की परीक्षा में पास हो गए हो। इसके बाद महाराज उसे अपने साथ ले गए।

राष्ट्रवाद की नई रेखाएं-विचार से व्यापार तक

राष्ट्रवाद अब केवल झंडे में सिमटी भावना नहीं, वह स्मृति बन चुका है जो स्वतंत्रता संग्राम की मशाल भी थी और आज के दौर में आम जन के विवेक का हिस्सा भी है। तुर्की और अज़रबैजान द्वारा भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर की गई टिप्पणियाँ केवल राजनीतिक मसले नहीं हैं, बल्कि यह उन राष्ट्रों के प्रति जनमानस की प्रतिक्रियाओं को भी जगा रही हैं, जो भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाते हैं। इन प्रतिक्रियाओं में उपभोक्ताओं के बायकॉट की आवाज़ें शामिल हैं, जो अचानक उभरी भावना नहीं, यह एक ऐसे राष्ट्रवादी विचार का संकेत हैं जो अब सरकारी नीतियों या सीमा पर लड़ाई तक सीमित नहीं रहा। यह अब नागरिकों के निर्णयों में धड़कने लगा है। पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रवाद की परिभाषा बदल चुकी है। यह अब नारे लगाने या साल में एक दिन झंडा फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर उस छोटे-बड़े निर्णय में समाहित हो चुका है, जिसमें व्यक्ति देश के मान और हित को निजी सुविधा से ऊपर रखता है। अब भारतीय उपभोक्ता ब्रांड से पहले यह देखने लगा है कि वह वस्तु किस देश से आई है और उस देश का भारत के प्रति रुख क्या है। यह राष्ट्रवाद का नया चेहरा है जो विचारशील, सजग और विवेकशील।

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो साल 2024 में ही 3 लाख 30 हजार से ज़्यादा भारतीयों ने तुर्की में छुट्टियां बिताईं, जबकि अज़रबैजान में घूमने वालों की संख्या 2 लाख 43 हजार से ऊपर रही। ये मात्र पर्यटक नहीं थे, बल्कि अरबों रुपये की पूंजी थी जो प्रत्यक्ष रूप से उन देशों की अर्थव्यवस्था को सहारा देती है, जो बार-बार भारत के कश्मीर जैसे संवेदनशील मसलों पर पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। आँकड़ों के अनुसार, एक भारतीय पर्यटक औसतन 1 लाख रुपये खर्च करता है यानी सिर्फ 2024 में ही भारतीयों ने तुर्की और अज़रबैजान में करीब 4 हजार करोड़ रुपये खर्च किए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम उन देशों की तिजोरी भरें, जो हमारी संप्रभुता को चुनौती देते हैं? क्या राष्ट्रवाद केवल जज़्बा है, या फिर निर्णय लेने की दिशा भी तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान द्वारा लगातार कश्मीर पर भारत विरोधी बयान और अज़रबैजान द्वारा इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) जैसे मंचों पर पाकिस्तान का साथ देना, भले ही कूटनीति के दायरे में आता हो, पर जब इन बातों का असर आम नागरिक की चेतना पर पड़ता है, तब जवाब भी ज़मीनी होता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर बॉयकॉट तुर्किए और बॉयकॉट अजरबैजान जैसे ट्रेंड देशभर से समर्थन पा रहे हैं। यह बायकॉट कोई आवेश में लिया गया फैसला नहीं है। ये उस उपभोक्ता चेतना की अभिव्यक्ति है जो अब राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने लगी है।

राष्ट्रवाद अब युद्ध और वीरता के साथ खड़ा होने तक सीमित नहीं। यह अब उस मोबाइल ऐप को हटाने में दिखता है जो देश विरोधी ताकतों से जुड़ा है, या उस विज्ञापन को अस्वीकार करने में जो भारत की संस्कृति का उपहास उड़ाता है। चीन के खिलाफ उठी आवाज़ें इसकी मिसाल थीं, अब तुर्की और अज़रबैजान की बारी है। यह राष्ट्रवाद प्रतिक्रिया नहीं है एक परिपक्व चेतना है जो अब देश के स्वाभिमान को बाज़ार में भी उतना ही मूल्य देती है जितना सरहद पर। भारत का राष्ट्रवाद कभी भी संकीर्णता की मानसिकता पर नहीं टिका रहा। यह वह विचारधारा है जो विविधता में एकता ढूँढती है, जो सैनिक के बलिदान पर गर्व करती है तो संविधान के मूल्यों की रक्षा भी उतनी ही दृढ़ता से करती है। परिपक्व राष्ट्रवाद दूसरों को गिराने के लिए नहीं, स्वयं को उठाने के लिए होता है। और जब देश का नागरिक अपने छोटे-छोटे निर्णयों में इस चेतना को शामिल करता है, तो वही आत्मनिर्भर भारत की असली नींव बनती है। बॉयकॉट जैसे कदमों के आर्थिक असर सीमित हो सकते हैं, लेकिन इनके मनोवैज्ञानिक प्रभाव गहरे होते हैं। वे यह संदेश देते हैं कि भारत अब केवल एक बाज़ार नहीं, एक जीवित, सोचने-समझने वाला लोकतंत्र है। जब आम लोग विदेशी कंपनियों या देशों के प्रति अपनी नीतियाँ पुनर्विचार के लिए बाध्य करते हैं, तो यह बाज़ार की दिशा बदलने वाली ताकत बनती है। यह भावना सरकार को संकेत ही नहीं देती, उद्यमियों को भी प्रेरित करती है कि मेड इन इंडिया अब केवल एक लेबल नहीं, गर्व का प्रतीक है।

हालांकि, राष्ट्रवाद को संतुलित रखना भी आवश्यक है। यदि यह भावना विवेक के बजाय उन्माद में बदल जाए, तो वह समाज में विभाजन और असहिष्णुता को जन्म दे सकती है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होते केवल हित होते हैं। इसीलिए राष्ट्रवाद के साथ विवेक का होना भी उतना ही ज़रूरी है जितना साहस का। जब भारत का नागरिक भावनाओं के साथ तार्किकता को जोड़ता है, तब ही वह वैश्विक मंच पर भारत की एक सम्मानित और सशक्त पहचान गढ़ता है। इसलिए तुर्की और अज़रबैजान जैसे प्रसंग केवल द्विपक्षीय संबंधों की कड़वाहट नहीं हैं, ये याद दिलाने वाले अवसर हैं कि आज का भारतीय न केवल सजग नागरिक है, बल्कि विवेकशील राष्ट्रवादी भी है। यह राष्ट्रवाद अब इतिहास की धरोहर नहीं, वर्तमान की जीवंत शक्ति है जो निर्णयों को दिशा देती है, बाजार को नैतिकता से जोड़ती है, और दुनिया को यह बताती है कि भारत की चुप्पी अब उसकी कमजोरी नहीं, उसकी चेतना है।

-सोनम लववंशी

केंद्र व राज्यों को मिलकर टीम इंडिया बने तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं -विजन 2047 अपने डेडलाइन से बहुत पहले पूर्ण होगा

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की राजनीति में हम देखते रहते हैं कि पक्ष पक्ष में बहुत कानफ्लिक्ट होते रहता है यानें हर मुद्दे व काम पर आलोचना तर्क वितर्क अड़ंगा होते रहते हैं, जो पक्ष और पक्ष की नीति में वाजिब भी है, मैंने अपने लेखन क्षेत्र में 40 वर्षों की अवधि में बहुत कम बार ऐसा देखा हूं कि पक्ष व विपक्ष मिलकर एक साथ राजनीति से ऊपर उठकर देश के लिए आवाज उठाते हैं,परंतु अभी ऑपरेशन सिंदूर के बाद इसका सटीक उदाहरण पूरे पक्ष विपक्ष को मिलाकर 7 एक साथ टीमों में करीब 59 संसद सदस्य, विशेषज्ञ पूरी दुनियाँ में आतंकवाद पर भारत का पक्ष रख रहे हैं जो रेखांकित करने वाली बात है। दूसरी ओर शनिवार दिनांक 24 मई 2025 को मैं देर रात तक संचार माध्यमों मोबाइल टीवी और रेडियो के माध्यम से नीति आयोग की दसवीं गवर्ननिंग काउंसिल मीटिंग पर एकटक सटीक नजरें लगाए रखा था, तथा मीटिंग समाप्त होने के बाद जिस तरह विपक्ष के करीब सभी मुख्यमंत्री की पीएम से आत्मीयता से तथा एक सीएम सर झुकाकर बात कर रहे थे यह देखकर मैं हैरानी से चौका, हालांकि यह सबदेखकर सारी जनता भी चौकी होगी, क्योंकि सोशल मीडिया पर जबरदस्त रूप से यह सब वायरल हो रहा है और पक्ष विपक्ष के साथ साथ होनें तथा विपक्षी मुख्यमंत्रियों और पीएम की जबरदस्त बॉन्डिंग के समर्थन में जनता के कमेंट्स भी लगातार सोशल मीडिया पर चल रहे हैं उनको देखकर मैं सोच रहा था एक समय था,जब चुनाव हो रहे थे तो यही सब आपस में शाब्दिक बणों की तलवारे खींचकर एक दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे थे, लेकिन आज दोस्ती शालीनता व अति मान सम्मान का माहौल दिख रहा था, जिसे पूरी दुनियाँ ने हैरानी व अचंभित होकर रेखांकित किया कि मेरा मानना है या भारतीय संस्कृति का कमाल है,पहले ऑपरेशन सिंदूर व अभी भारतीय मिशन 2047 पर 36 में से 31 राज्यों को उपस्थित रहना, तारीफ-ए-काबिल है, जिसका संदेश पूरे विश्व में पहुंच गया कि भारत के विकास और आतंकवाद पर भारत के पूरे 144.2 करोड़ लोग एक साथ खड़े हैं। यानें हमारे लिए राष्ट्रसुरक्षा आतंकवाद की समाप्ति व राष्ट्र के विकास के मुद्दे पर पक्ष विपक्ष हम साथ साथ हैं, जो मुझे बहुत अच्छा लगा इसलिए केंद्र व राज्य सरकार को मिलाकर टीम इंडिया बने तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं, वि ?न 2047 अपनें डेडलाइन के बहुत पहले ही पूरा होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, नीति आयोग की दसवीं वर्किंग काउंसिल ने विजन विकसित भारत 2047 का खाका खींचा -36 में से 31 राज्यों की जबरदस्त अनुकूल उपस्थित-पीएम व विपक्षी मुख्यमंत्रीयों की जबरदस्त बॉन्डिंग देखी। साथियों बात अगर हम शनिवार दिनांक 24 मई 2025 को दसवीं नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल मीटिंग की करें तो, नीति आयोग की इस बैठक में 36 में से 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने शिरकत की, जो अब तक की सबसे ज्यादा भागीदारी है। लेकिन कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल और बिहार ने पहले ही अपनी गैरमौजूदगी की सूचना दे दी थी। बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा, यह दिखाता है कि ज्यादातर राज्य सकारात्मक सोच के साथ आए। उन्होंने आगे बताया कि, बैठक के एजेंडे में कार्रवाई रिपोर्ट के अलावा दो आइटम शामिल थे। सबसे पहले, बैठक का विषय और एजेंडे में पहला आइटम विकसित भारत के लिए विकसित राज्य था। पूरा विचार यह है कि पिछली गवर्निंग काउंसिल में,पीएम ने सभी राज्यों से अपने-अपने राज्य के विजन तैयार करने का आह्वान किया था, ताकि उनके पास ऐसे विजन हों जो बाद में एक बड़े समूह में समाहित हो जाएं। राष्ट्र के लिए विजन। इसलिए मुझे लगता है कि पिछले एक साल से एजेंडा इसी पर आधारित है और यही कारण है कि आज की गवर्निंग काउंसिल की बैठक का मुख्य विषय यही रहा। आगे कहा कि बैठक में मौजूद सभी लोगों ने सर्वसम्मति से पाक में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए भारत की तरफ से शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पीएम ने राज्यों से कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया।पीएम ने शनिवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से निवेश को प्रोत्साहित करने और रोजगार पैदा करने के लिए नीतिगत अड़चनों को दूर करने को कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर केंद्र सरकार और राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। साथियों बात अगर हम नीति आयोग की दसवीं वर्किंग की चर्चा को 11 प्वाइंटों में समझने की करें तो,राजधानी दिल्ली में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10 वीं बैठक ने देश के विकास के लिए एक नया खाका खींचा। पीएम ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। (1) नीति आयोग की इस बैठक में 36 में से 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने शिरकत की, जो अब तक की सबसे ज्यादा भागीदारी है। लेकिन कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल और बिहार ने पहले ही अपनी गैरमौजूदगी की सूचना दे दी थी। सीईओ कहा, यह दिखाता है कि ज्यादातर राज्य सकारात्मक सोच के साथ आए।(2)विकसित भारत का मास्टरप्लानबैठक का मुख्य एजेंडा था, विकसित भारत के लिए विकसित राज्य। पीएम ने सभी राज्यों से अपने- अपने विकास के विजन को राष्ट्रीय विजन के साथ जोड़ने का आह्वान किया। यह थीम पिछले साल की बैठक से ही चली आ रही है और अब यह राज्यों के लिए एक रोडमैप बन चुकी है।(3) पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर को एक बार की पहल नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने आतंकी ढांचों को नष्ट करने में सटीकता और प्रभावशीलता दिखाई। मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों ने इसके लिए पीएम के नेतृत्व और सशस्त्र बलों की वीरता की प्रशंसा की। (4) पीएम ने नागरिक सुरक्षा तैयारियों को संस्थागत और आधुनिक बनाने पर जोर दिया। हाल ही में हुए मॉक ड्रिल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह नागरिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्यों को इसे प्राथमिकता देनी होगी।(5) पीएम ने राज्यों को अपनेविकास के लिए लंबी अवधि की योजनाएं बनाने को कहा। हर राज्य अपने संसाधनों, संस्कृति और जरूरतों के हिसाब से एक ब्लूप्रिंट तैयार करेगा, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने में मदद करेगा। (6) पीएम ने सहकारी संघवाद (कोआपरेटिव फेडरालीस्म) पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य मिलकर काम करेंगे ताकिविकास की गति को और तेज किया जा सके। यह बैठक इस दिशा में एक बड़ा कदम थी।हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। (7) नीति आयोग के सीईओ नेबताया कि बैठक में सकारात्मक माहौल रहा। राज्यों ने अपने अनुभव, चुनौतियां और सफलताएं शेयर कीं, जिससे एक-दूसरे से सीखने का मौका मिला।(8)हालांकि 5 राज्य बैठक में शामिल नहीं हुए, लेकिन नीति आयोग ने साफ किया कि इन राज्यों ने पहले ही अपनी गैर मौजूदगी की सूचना दे दी थी। इन राज्यों के साथ अलग से संवाद स्थापित किया जाएगा। (9) बैठक में आर्थिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन पर भी चर्चा हुई। (10) राज्यों को निवेश आकर्षित करने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नए सुझाव दिए गए।(11) राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से निवेश को प्रोत्साहित करने और रोजगार पैदा करने के लिए नीतिगत अड़चनों को दूर करने को कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर केंद्र सरकार और राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। कुल मिलाकर नीति आयोग की सर्वोच्च संस्था परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल रहे।पीएम नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। इस बैठक में पीएम ने कहा, हमारा लक्ष्य प्रत्येक राज्य को विकसित, प्रत्येक शहर को विकसित, प्रत्येक नगर पालिका को विकसित और प्रत्येक गांव को विकसित बनाना होना चाहिए। अगर हम इन तर्ज पर काम करेंगे, तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पीएम की सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ पहली बड़ी बैठक रही जिसमें खासकर विपक्षी मुख्यमंत्री के साथ पीएम की जबरदस्त बॉन्डिंग सभी ने देखी।

अत: अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नीति आयोग की 10 वीं वर्किंग काउंसिल ने विजन विकसित भारत 2047 का खाका खींचा -36 में से 31 राज्यों की जबरदस्त अनुकूल उपस्थित-पीएम व विपक्षी मुख्यमंत्रीयों की जबरदस्त बॉन्डिंग दिखी।केंद्र व राज्यों को मिलकर टीम इंडिया बने तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं-विजन 2047 अपनें डेडलाइन से बहुत पहले पूर्ण होगा।नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की सरल मिटिंग-विपक्षी मुख्यमंत्रीयों व पीएम की जबरदस्त ट्यूनिंग देखकर विश्व हैरान-विजन 2047 समय पूर्व लक्ष्य हासिल करेगा,मेरा दावा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। पूछपरख के चलते गुरूवार को तिलहनों में सरसो बाजार मुनाफे में रहे। सोयाबीन व रायडा बना रहा। दलहनों में चना मजबूत बना रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। अचार मसाला में माँग रही। नारियलों में बाजार तेजी के रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सरसो में लेवाली से बाजार 100-150 रू. प्रति क्विंटल से सुधर गये। सोयाबीन व रायडा बना रहा। दलहनों में चना निचले स्तरों पर मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में व्यापार सामान्य रहा। नारियल में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4180, खोपरा गोला 210-260, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1450-1825, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2550, (160) 2800-2850, (200) 3100-3150, (250) 3200-3250

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1410-1420, राजकोट तेलिया 2200-2210, सोया साल्वेंट 1155-1160, सोया रिफाइंड 1220-1225, कपास्या 1220, धूलिया 1225, कड़ी 1230,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350-1355, मुम्बई पाम 1190-1200, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6400-6600, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6100, मूंग देशी 7200-7300, पाला 7300-7400, चमकी 7400-7500, नायलोन 7600-7700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। सुस्त कारोबार के बीच गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश सुस्त रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 98000, चाँदी (99) 97900, टंच 97200, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 96500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.49 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया विदेशी पूंजी के प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में लिवाली सेको शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.45 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में लिवाली से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.56 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.45 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 85.38 पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए उन्नति दिलाने वाला रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी से मिलने का मौका मिलेगा। वैवाहिक जीवन में भी खुशियां भरपूर रहेगी। आप अपनी जिम्मेदारी से बिल्कुल पीछे न हटें। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आप अपने घर किसी नए इलेक्ट्रॉनिक सामान को लेकर आ सकते हैं। भाई व बहनों से प्रॉपर्टी को लेकर कोई खटपट हो सकती है। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप यदि किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करने की सोच रहे हैं, तो आपको उसके चल व अचल पहलुओं का स्वाधीनता से जांचना होगा। ऑनलाइन काम कर रहे लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आपको किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा, नहीं तो उसमें गड़बड़ी हो सकती है। आप अपने किसी सहयोगी से कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोलें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय न ले। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आप अपनी संतान से कोई वादा कर सकते हैं। आपको अपने स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको किसी से कोई वादा सोच समझ कर करना होगा। कार्य क्षेत्र में आप महिला मित्रों से सावधानी बरते। आपके मन में यदि कोई बात को लेकर संशय चल रहा है, तो आप अपने पिताजी से बातचीत कर सकते हैं। आपको अपने व्यवसाय के कामों में ढील देने से बचना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। यदि आपके मन में किसी काम को लेकर कंफ्यूजन है, तो आप उसमें आप बिल्कुल आगे ना बढ़े। यदि आपने कोई लोन अप्लाई किया था, तो वह भी आपको मिल सकता है। परिवार में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। कोई कानूनी मामला यदि आपको लंबे समय से परेशान कर रहा था, तो वह भी समाप्त हो सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आप कुछ विशेष करने की कोशिश में लगे रहेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ आप रोमांचक समय व्यतीत करेंगे। आपने यदि जीवनसाथी से कोई बात गुप्त रखी थी, तो वह उनके सामने उजागर हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा, नहीं तो कोई दुर्घटना हो सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आपको अपने कामों में फायदा मिलेगा। कार्य क्षेत्र में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आपकी इनकम बढ़ने से आपको खुशियां मिलेंगी, लेकिन आप किसी को धन उधार देने से बचे। आप अपने घर किसी नये वाहन को लेकर आ सकते हैं। संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। कामकाज के प्रति आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। पारिवारिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। आप अपने शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा धन खर्च करेंगे। यदि आपको किसी नौकरी का ऑफर आए, तो आप उसमें थोड़ा सोच विचार कर ही आगे बढ़े।

धनु- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप परिवार में छोटे बच्चों के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे, जिससे आपको यदि कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं। भाई व बहनों से आप कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत करेंगे। पैतृक संपत्ति को लेकर यदि कोई विवाद चले, तो आपको उसमें चुप लगाना बेहतर रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ाने के लिए रहेगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे। जीवनसाथी के साथ आप कुछ समय आनंदमय समय व्यतीत करेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। परोपकार के कार्यों में आप पर चढ़कर हिस्सा लेंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपको कुछ नये संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। आपका डूबा हुआ धन मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में भी आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी नए घर मकान, दुकान की खरीदारी कर सकते हैं।

मीन- यह दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको किसी बड़े लक्ष्य को पाने के लिए मेहनत अधिक करनी होगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे लोगों को अपने किसी मित्र की मदद से अच्छी नौकरी की प्राप्ति होगी। आप अपने दोस्तों के साथ मौज मस्ती करने में काफी समय व्यतीत करेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ समय बिता कर काफी खुश होंगे।

शब्दजाल - 7914

शा	न	मे	रि	का	पा	तू	फा	रु	ही	क
न	ख	क	ह	इं	डो	ने	त	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	ल	ग	स	जु	ह	प	का
आ	ग	ल	पा	ब	औ	स	र्बा	ह	लि	ल
वा	ना	ह	न	य	ज	र	कि	या	प	का
रा	इ	इ	थ	व	प	वा	बं	ह	यु	बां
जिं	ज	ल	ह	क	प	रि	न	दू	प	ग
द	रि	भा	र	त	झ	स	रा	ल	का	ला
गी	या	स	ज	मी	न	आ	स	मा	न	दे
प	बे	प	ना	ह	सिं	ब	स	अ	प	श
या	स	ए	क	ही	भू	ल	त्ता	प	क	र

शब्द जाल में 'मजहर खान' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शान, आवारा जिंदगी, हल और बंदूक, तजुर्बा, जमीन आसमान, हथकड़ी, कालका, एक ही भूल, बेपनाह, रुही

शब्दजाल - 7913 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6858

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6857

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8382

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण-4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला-4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8381 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

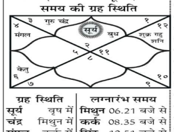

शुक्रवार 2025 वर्ष का 150 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 21.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 21.29 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 12.57 बजे को समाप्त।
करण वणिज 10.15 बजे तदनन्तर विष्टि 21.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 47'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872360
जूलियन दिन 2460825.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.21 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कर्क	08.35 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.51 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.03 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.13 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.28 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.44 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.49 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.36 बजे से
राहुकाल		मीन	01.08 बजे से
10.30 से		मेष	02.39 बजे से
12.00 बजे तक		वृष	04.19 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः तुष-माश

एक सामान्य गृहस्थ था. उसकी धर्म-ध्यान में बड़ा रूचि थी. अपने परिवार का भरण-पोषण करने के साथ-साथ वह संतों का सत्संग किया करता था. अच्छी-अच्छी पुस्तकें पढ़ा करता था. एक दिन वह कहीं जा रहा था कि रास्ते में एक ओर को लोगों की भीड़ देखकर वहां चला गया. एक मुनि उपदेश दे रहे थे. वह खड़े होकर उनका प्रवचन सुनने लगा. वह शरीर और आत्मा के संबंध में बोल रहे थे. कह रहे थेः "बहुत-से लोग समझते हैं कि आदमी मर जाता है तो शरीर के साथ आत्मा भी मर जाती है. ऐसा नहीं है. आत्मा अमर है. जिस प्रकार पुरानी हो जाने पर सर्प अपनी केंचुली उतारकर नई केंचुली धारण कर लेता है, उसी प्रकार शरीर के पुराने और जीर्ण हो जाने पर आत्मा नया शरीर धारण कर लेती है. याद रखो, यह शरीर मंदिर है और आत्मा उसमें ईश्वर है. आत्मा की आराधना के लिए शरीर अनिवार्य है. पर दोनों को मिलाओ मत. दोनों अलग-अलग हैं." गृहस्थ ने यह सब सुना और आगे बढ़ गया. तरह-तरह के विचार उसके मन में उठ रहे थे. वह उनमें एकदम खो गया. अचानक उसे ठोकर लगी वह गिर गया. उसकी विचार-धारा टूट गई. उठकर चलने लगा. उसे ध्यान आया कि रास्ते में एक साधु मिले थे, लेकिन उसका मस्तिष्क कुछ ऐसा हो गया कि उसे याद नहीं आया कि उन्होंने क्या कहा था. उसने याद करने की बहुतेरी कोशिश की, लेकिन विस्मरण इतना हो गया कि वह उसका सूत्र नहीं पकड़ पाया. कुछ देर चलने पर एक गांव आया. वहां किसी घर के बाहर बैठी एक स्त्री कुछ कर रही थी. उसने पूछा, "बहन, तुम क्या कर रही हो!" वह बोली, "तुष-माश." (मैं उड़द की दाल के छिलके उतार रही हूं.) स्त्री का इतना कहना था कि उसे साधु का उपदेश याद आ गया. स्त्री ने उसे बोध दिया कि शरीर और आत्मा एक नहीं हैं, भिन्न हैं. उसे यह भी याद आया कि साधु ने 'मैं' और 'तू' का गुर बताया था, जिस प्रकार 'मैं' और 'तू' दो हैं, उसी प्रकार शरीर और आत्मा हैं. स्त्री का वचन उसके भीतर इतना प्रवेश कर गया कि वह उसे जीवन भर नहीं भूला.

सूडोकु नवताल- 7167

★★★☆☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7166 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	2	5	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुए। इसी के साथ ही पिछले दो दिनो से जारी गिरावट रुक गयी। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज सबह बाजार तेजी के साथ खुला वहीं दोपहर में बाजार में सपाट कारोबार हो रहा था पर अंत में निवेशकों की भारी खरीदारी से बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 320.70 अंक (0.39 फीसदी की बढ़त के साथ ही 81,633.02 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 81.15 अंकों 0.33प्रति. बढ़कर 24,833.60 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 24 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं शेष 6 कंपनियों के शेयर नीचे आये। दूसरी ओर, आज निफ्टी 50 की 50 में से 37 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रही। वहीं शेष 13 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 2.49 फीसदी की बढ़त के साथ रहीजबकि बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 0.60 फीसदी नीचे आये। सेंसेक्स में शामिल अन्य कंपनियों में आज सनफार्मा के शेयर 2.11 फीसदी, एटरनल (जोमेटो) 1.83 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.78, टाटा स्टील 1.27, टेक महिंद्रा 1.24, एक्सिस बैंक 1.15, टाटा मोटर्स 1.05, कोटक महिंद्रा बैंक 0.97, इंफोसिस 0.95, एचडीएफसी बैंक 0.75, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.73, मारुति सुजुकी 0.69, पावरग्रिड 0.62, टाइटन 0.57 फीसदी की फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व के शेयर 0.30 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.21, आईटीसी 0.17, टीसीएस 0.15 और एनटीपीसी के शेयर 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

भारत में 2027 तक 383 फीसदी बढ़ जाएगा एजेंटिक एआई का इस्तेमाल-रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में मानव संसाधन क्षेत्र के दिग्गजों का विचार है कि भविष्य में एजेंटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एजेंटिक एआई) के इस्तेमाल में वृद्धि देखने को मिल सकती है। अमेरिका में जारी की गई एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2027 तक एजेंटिक एआई की मान्यता में 383 फीसदी की वृद्धि संभव है। इस नई तकनीक के जरिए मशीनें स्वतंत्रता से निर्धारण लेने के क्षमता से लाभान्वित होंगी। भारत में इस विभाग से संबंधित एक अधिकारी को उम्मीद है कि एजेंटिक एआई के चलते उन्हें 24.7 फीसदी कर्मचारियों की भूमिकाओं में बदलाव करना पड़ेगा। वहीं 88 फीसदी अधिकारियों का कहना है कि वो अपने स्टाफ को दोबारा प्रशिक्षित करने की योजना बना रहे हैं ताकि वे इस बदलते दौर में तकनीक के साथ तालमेल बिठा सकें। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि 81 फीसदी भारतीय एचआर लीडर्स मानते हैं कि एजेंटिक एआई के साथ काम करने के लिए सॉफ्ट स्किल्स जैसे टीमवर्क और कम्युनिकेशन अब और ज़्यादा जरूरी हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एचआर लीडर्स का बड़ा तबका इस बदलाव को अपनाने को तैयार है। करीब 85 फीसदी भारतीय एचआर अधिकारी मानते हैं कि आने वाले पांच सालों में मानव कर्मचारी और डिजिटल एजेंट एक साथ मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा, 60 फीसदी से ज्यादा एचआर अधिकारियों का मानना है कि उनके कर्मचारी अभी भी यह नहीं समझते कि एआई उनकी नौकरी को किस तरह प्रभावित करेगा।

आईटीआर फाइलिंग की प्रोसेस शुरू हो सकती है जून के पहले हफ्ते से

नई दिल्ली। इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आखिरी तारीख 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर 2025 कर दी है। आमतौर पर ये 1 अप्रैल से शुरू हो जाती है, लेकिन इस साल इसमें देरी हो रही है। आईटीआर फाइलिंग की प्रोसेस जून के पहले हफ्ते से शुरू हो सकती है। देरी की वजह आईटीआर फॉर्म के लिए जरूरी ऑनलाइन टूल्स उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। विभागीय सूत्रों की माने तो इस साल आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में देरी की मुख्य वजह आईटीआर फॉर्म के लिए ऑनलाइन संबंधित सुविधाओं का उपलब्ध न होना है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस यानी, सीबीडीटी ने आईटीआर-1 से आईटीआर-7 तक सभी फॉर्म्स को नोटिफाई कर दिया है, लेकिन इनके लिए जरूरी ऑनलाइन टूल्स जैसे कि जेएसओएन, एक्सल और ऑनलाइन ई-फायलिंग यूटिलिटीज अभी तक पोर्टल पर मौजूद नहीं हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह देरी फॉर्म्स में किए गए बदलावों, बैकएंड टेक्नोलॉजी अपग्रेड और डेटा इंटीग्रेशन (जैसे एआईएस और टीआईएस के साथ) के कारण हो सकती है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने अभी तक कोई आधिकारिक तारीख घोषित नहीं की है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, यह प्रक्रिया जून 2025 के पहले हफ्ते से शुरू हो सकती है। रोलआउट चरणबद्ध तरीके से होगा, जिसमें पहले सरल फॉर्म्स जैसे आईटीआर-1 और आईटीआर -4 को शुरू किया जाएगा, उसके बाद जटिल फॉर्म्स जैसे आईटीआर-2 औरआईटीआर-3 को। ई-फायलिंग यूटिलिटीज वे सॉफ्टवेयर टूल्स हैं, जो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट टैक्सपेयर्स को अपने रिटर्न फाइल करने के लिए देता है। ये दो तरह के होते हैं। जो लोग जल्दी रिफंड की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें इंतजार करना पड़ रहा है। अगर 15 सितंबर 2025 तक रिटर्न फाइल नहीं होता तो 5 लाख से कम आय वालों के लिए 1,000 रुपए और 5 लाख से ज्यादा आय वालों के लिए 5,000 रुपए की पेनाल्टी लगेगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का विधायक राजकुमार कर्राहे ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम मोहझरी के सामुदायिक भवन में 29 मई को विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया जिसमें मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा उक्त अभियान का शुभारंभ हरीझंडी दिखाकर किया गया। कार्यक्रम में लांजी किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे, भाजपा मंडल अध्यक्ष भानेगांव सीताराम रावते, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सरपंच श्रीमती मनीषा नाकतोड़े, उपसरपंच श्रीमती रीता रावते एवं पंचगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम माता सरस्वती जी की पूजा अर्चना वंदना की गई तत्पश्चात जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में जिला स्तर पर गठित दल के नोडल अधिकारी एसडीओ खुदीराम सनोडिया द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान की रूपरेखा एवं कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तत्पश्चात कृषि विज्ञान केंद्र बड?ांव के प्रमुख डॉक्टर के द्वारा कीट प्रबंधन बीज उपचार खरीफ मौसम के पूर्व की

तैयारी, धान की किस्म का चयन नरभाई प्रबंधन प्राकृतिक और जैविक खेती फसल विविधीकरण इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । साथ ही महाविद्यालय गुर्जर के सहायक अध्यापक डॉक्टर सुनील रजक द्वारा कृषक की लागत कम कर आमदनी को बढ़ाने हेतु विभिन्न तरीके बताए गये। उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग,0 मत्स्य विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने अपने विभाग में होने वाली योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई एवं अलवर फाउंडेशन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला कालीमाटी के धर्मेंद्र साहू द्वारा मृदा परीक्षण के महत्व बताए गए। विकासखण्ड फसल बीमा प्रतिनिधि गोयल के द्वारा खरीफ फसलों में फसल बीमा के बारे में जानकारी दी गई अंत में विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा बताया केन्द्र एवं प्रदेश सरकार हमेशा किसानों के लिये चिंतित है किसानो की आय बढाने, अच्छी फसलें प्राप्त करने, अनेको तकनिकों के माध्यम से खेती करने, विभिन्न उपकरण जो कि खेती में सहायक है इसके अतिरिक्त किसान कैसे अपनी फसलों को सुरक्षित करे और अच्छी फसले प्राप्त कर मुनाफा ले सके इन सभी विषयों पर श्री कर्राहे ने विस्तृत जानकारी किसानों को प्रदान की। कृषि विभाग के अधिकारियो से भी कहा कि समय समय पर किसानों से संबधित योजनाओ के बारे में ग्राम नगर पंहुचकर उन्हें जानकारी दी जाये ताकि समय के साथ किसान साथी में सचेत रहे और उन्नत फसल ले सके। कृषि विभाग से वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गनवीर, क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी अंकित मेश्राम, अमित नारनौरे एवं अन्य कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित थे। उद्यानिकी विभाग से वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी एस.आर. गेडाम, उद्यान विस्तार अधिकारी निलेश सुल्खे, पशुपालन विभाग से डॉ शानू देवी सिंगोर, कल्याणी गेडाम, मत्स्य विभाग से वैशाली मेश्राम एवं अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग जन कल्याण संघ निर्वाचन के लिए प्रो. रेवाजी करहाटकर निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

लांजी (पद्मेश न्यूज)। दिव्यांग जन कल्याण संघ भानेगांव एक पंजीकृत संस्था है। इसके प्रबंध कार्यकारिणी एवं साधारण सभा का 3 वर्ष का कार्यकाल 20 मई 2025 को पूर्ण होने के उपरांत संघ के सचिव रूपेश कुमार कुथे द्वारा 25 मई 2025 को विधिवत निर्वाचन की घोषणा की गई एवं विस्तृत कार्यक्रम घोषित किया गया। जिसमें 27 मई को साधारण सभा द्वारा प्रो. रेवाजी करहाटकर को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया। आगे निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 30 मई से 5 जून तक प्रत्याशियों के नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। 8 जून को नामांकन पत्रों की जांच एवं नाम वापसी उपरांत प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाएगा तथा 26 जून को दोपहर 12ः00 से 1ः30 बजे तक मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराई जाएगी तत्पश्चात 2ः00 बजे से मतगणना की जाएगी। उक्त निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्ण करने हेतु साधारण सभा द्वारा प्रोफेसर रेवाजी करहाटकर को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम भारत माता एवं महापुरुषों के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात सचिव रूपेश कुमार कुथे द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि उनका कार्यकाल आगामी निर्वाचन में नव निर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह तक होगा। इस दौरान संरक्षक श्रीमती परमिला ठाकरे, अध्यक्ष तन्मय मिश्रा, उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे, सचिव रूपेश कुमार कुथे, संयुक्त सचिव अनीता उईके, कोषाध्यक्ष जितेंद्र रावते, सलिता ठाकरे, प्रमिला पारधी, सुनीता बिसेन, शिकायत अधिकारी कु, पारुल ठाकरे, राजकुमार बेंदरे, जगदीश मिश्रा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल के 12 छात्रों का नवोदय व 7 छात्रों का सैनिक स्कूल के लिए चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विकासखण्ड के ग्राम भानेगांव में स्व. श्री महेश कुशले शिक्षा एवं जनकल्याण समिति द्वारा संचालित एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल से जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छटवी में प्रवेश के लिए 12 छात्रों का तथा अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2025 में संस्था से 7 छात्रो का चयन हुआ है। इस चयन पर विद्यालय परिवार ने खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों के घर पहुंच कर पुष्प गुच्छ व मेडल भेंट कर तथा मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस संबंध में विद्यालय के संचालक आशाराम कुशले ने जानकारी देते हुए बताया कि नवोदय विद्यालय के लिए छात्र धैर्य पिता तोमेश ठाकरे भानेगॉव, लक्ष्य पिता भुमेश्वर रावते जामड़ीमेटा, कु. मानसी पिता मनोज कुमार बारमाटे पाथरगाँव, मोक्ष पिता राजेन्द्र बारबुधे कान्द्रीखुर्द, पार्थ पिता गोपाल कृष्ण तुरकर कान्द्रीखुर्द, प्रांजल पिता भुमेश्वर पन्द्रे चिखलामाली, रोहन पिता सुकदास पंचाले रानककोड़ी, कु. रूचिका माता नीलम बोमर्बोडे टेडवा, श्रेष्ठ पिता पंकज मेंढेकर कान्द्रीखुर्द, सिद्धार्थ पिता तुलसीदास गोस्वामी बोलेगॉव, कु. स्मृति पिता अखिलेश नाकतोड़े पिपलगॉव, सत्येन्द्र सिंह पिता विपीन कालबेले कुम्हारीकला का चयन हुआ है। इसी तरह अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2025 में संस्था से 7 छात्रो का चयन हुआ है जिसमें छात्र सिद्धार्थ पिता तुलसीदास गोस्वामी बोलेगाँव, श्रेष्ठ पिता पंकज मेंढेकर कान्द्रीखुर्द, मोक्ष पिता राजेन्द्र बारबुधे कान्द्रीखुर्द, सत्येन्द्र सिंह पिता विपीन कालबेले कुम्हारीकला, चित्रांश पिता यागेश दुरूगकर दुलापुर, कु. रूचिका माता नीलम बोमर्बोडे टेडवा, कु. सुहानी पिता विनय कालबेले कुम्हारीकला। इनमें से 5 छात्र ऐसे है जिन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा एवं सैनिक स्कूल परीक्षा दोनो मे सफलता हासिल किया है। इन बच्चों ने अपने नियमित अथक परिश्रम एवं शिक्षको के दिशा निर्देशो का पालन करते हुए उपरोक्त परीक्षा मे सफलता प्राप्त कर अपने माता-पिता परिजनों के साथ ही स्कूल एवं शिक्षकों का नाम रोशन किया है। इनकी सफलता पर स्कूल के संचालक आशाराम कुशले, प्रधानपाठिका श्रीमती ममता कुशले सहित पालक संघ समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, उपाध्यक्ष हरिश्चन्द्र बारबुधे, सचिव ओमप्रकाश बापुरे, महिला समिति उपाध्यक्ष श्रीमती छाया पटले एवं मार्गदर्शक शिक्षक रोहित चंदेल, सुभम मेश्राम, नरेन्द्र कटरे, सुरेन्द्र देवाहे, सुश्री सुनिता नखाते, श्रीमती भागरता ठाकरे, श्रीमती हेमलता बिसेन, श्रीमती यशोदा कलपुरे ने सभी चयनित छात्रों के घर जाकर छात्रों एवं माता-पिता को पुष्प गुच्छ व मेडल भेंट किया साथ ही मिठाई खिलाकर मुँह मीठा किया गया व बधाई के साथ साथ पर्यावरण के प्रति लगाव की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक छात्रों को वृक्षारोपण के लिए बिल्व का पौधा भेंट कर बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये शुभकामनाएँ दी गई ।

टारगेट से 0.17 फीसदी ट्रांसमिशन लॉस कम किया

बिजली कंपनियों ने ट्रांसमिशन लॉस में किया सुधार

भोपाल। मप्र में ट्रांसमिशन लॉस घटकर 2.60 प्रतिशत पर आ गया है। यह अब तक का सबसे न्यूनतम स्तर है। यह लक्ष्य मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए तय किए गए लक्ष्य 2.77 प्रतिशत से भी कम है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि पिछले दो वर्षों में ट्रांसमिशन लॉस 2.61 प्रतिशत था। इस साल इसमें 0.01 प्रतिशत की और गिरावट दर्ज की गई है। यह राज्य की विद्युत कंपनियों की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।एमपी ट्रांसको ने स्काडा प्रणाली, ग्रिड की लगातार निगरानी और समय पर रखरखाव जैसे उपाय किए। इससे ट्रांसमिशन लॉस घटाने में मदद मिली। कंपनी बिजली नेटवर्क के आधुनिकीकरण और क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। इस उपलब्धि से बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता बेहतर होगी। उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर और निर्बाध बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन लॉस कम होने से पर्यावरणीय प्रभाव घटता है। बिजली उत्पादन की लागत भी कम होती है। साथ ही वोल्टेज स्तर और अन्य तकनीकी मानक स्थिर रहते हैं। इससे पूरी बिजली प्रणाली अधिक विश्वसनीय बनती है। ट्रांसमिशन लॉस से घाटे में चल रहीं प्रदेश की बिजली कंपनियां अब इसमें सुधार कर रही हैं। बिजली कंपनी ने विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित से 0.17 फीसदी ट्रांसमिशन लॉस कम किया है। यह पिछले साल से भी कम है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि के लिए कंपनी के अधिकारी, कर्मचारियों को बधाई दी है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि प्रदेश ने विद्युत ट्रांसमिशन क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए ट्रांसमिशन लॉस को ऐतिहासिक रूप से न्यूनतम स्तर तक लाने में सफलता प्राप्त की है। यह उपलब्धि विद्युत कर्मियों की तकनीकी दक्षता, सतत निगरानी, उन्नत प्रबंधन प्रणाली और अत्याधुनिक तकनीकी उपायों के समन्वय से संभव हो सकी है। मध्यप्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित 2.77 प्रतिशत लक्ष्य की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में पारेषण हानि को घटाकर 2.60 प्रतिशत तक लाया गया है। यह राज्य की विद्युत कंपनियों की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ट्रांसमिशन लॉस में कमी से फायदा

किसी भी ट्रांसमिशन प्रणाली में ट्रांसमिशन लॉस के न्यूनतम स्तर पर होने से न केवल पर्यावरणीय प्रभाव कम होता है, बल्कि विद्युत उत्पादन की लागत भी घटती है। इसके अतिरिक्त यह वोल्टेज स्तर समेत अन्य तकनीकी मानकों को स्थिर रखने में भी सहायता करता है। इससे समग्र बिजली प्रणाली अधिक विश्वसनीय बनती है। एमपी ट्रांसको द्वारा किए गए नवाचारों, स्कॉडा प्रणाली जैसी उन्नत तकनीकी विधियों, विद्युत ग्रिडों की निरंतर निगरानी और समय-समय पर किए गए रख-रखाव के चलते यह सफ लता संभव हो सकी है। कंपनी विद्युत नेटवर्क के आधुनिकीकरण और क्षमतावर्धन की दिशा में लगातार प्रयासरत है। यह सफलता न केवल प्रदेश के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर व निर्बाध बिजली आपूर्ति करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

खराब कार्य करने वाले ठेकेदार होंगे ब्लेक लिस्ट

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अमानक स्तर का विद्युतीय निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध अब तत्काल कार्रवाई की जाएगी। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने बताया कि कंपनी कार्यक्षेत्र में उपभोक्ता हित की योजनाओं के अंतर्गत विद्युतीय एवं निर्माण कार्यों में गुणवत्ता तथा नियम एवं शर्तों के अनुसार यदि कोई कमी पाई जाती है तो कार्य करने वाली एजेंसी और ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए कंपनी द्वारा वृत्त स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया गया है। यदि स्क्रीनिंग कमेटी ठेकेदार अथवा एजेंसी को दोषी मानती है तो कंपनी ऐसे ठेकेदारों, एजेंसी को ब्लेक लिस्ट करेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक द्वारा वृत्त स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी का गठन करके ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों के संबंध में अनियमितता की जांच की जाएगी। जांच में किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर तुरंत सात दिवस के भीतर गुणवत्ता सुधार का नोटिस दिया जाएगा। फिर भी संबंधित ठेकेदार की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं हुआ तो वृत्त स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई कर क्षेत्र स्तरीय कमेटी द्वारा ब्लैक लिस्टिंग की कार्रवाही की जाएगी।

सितंबर में शुरु हो सकती है सुगम परिवहन सेवा

भोपाल । मध्य प्रदेश में सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत इसी वर्ष सितंबर में हो सकती है। प्रयोग के तौर महाकाल की नगरी उज्जैन से इसकी शुरुआत होगी। परिवहन विभाग इस सेवा के लिए परमिट देने से लेकर अन्य तैयारी करने में जुटा है। इसके लिए रूटों का सर्वे किया जा चुका है। उज्जैन में प्रयोग सफल होने के बाद अन्य जिलों में सुगम परिवहन सेवा प्रारंभ की जाएगी। निजी बस ऑपरेटरों से अनुबंध कर बसें चलाई जाएंगी। इसके लिए परमिट सरकार का रहेगा न कि अनुबंधकर्ता का। सुगम परिवहन सेवा को कैबिनेट की स्वीकृति मिल चुकी है। धार्मिक नगरी होने के साथ ही वर्ष 2028 में सिंहस्थ को देखते हुए सबसे पहले बस संचालन के लिए उज्जैन को चुना गया है। जिले के भीतर और एक से दूसरे जिलों के बीच यह सेवा प्रारंभ की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि बस संचालन के लिए उज्जैन और इंदौर संभाग में सर्वे का काम पूरा हो चुका है। अब जबलपुर और सागर संभाग में सर्वे होगा। साथ ही बस संचालन के लिए कंपनियों के गठन की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। राज्य स्तर पर एक होल्डिंग कंपनी के अतिरिक्त भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर और रीवा में संभाग स्तरीय कंपनियां बनाई जाएंगी।

प्रिती बोपचे का चयन असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर कारंजा के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे

की सुपुत्री एवं विद्याभारती सरस्वती शिशु मंदिर की पूर्व छात्रा प्रिती बोपचे का असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ। प्रिती जेएनयू युनिवर्सिटी दिल्ली से हिन्दी साहित्य से स्नातकोत्तर की शिक्षा उत्तीर्ण कर यूजीसी जेआरएफ में 99.38 पर्सेंटाइल से उत्तीर्ण कर वर्तमान में इंन्दिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक से पीएचडी की पढ़ाई कर रही है। ज्ञात हो कि प्रिती बोपचे का एक भाई नवीन बोपचे शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। माता श्रीमती अनीता बोपचे शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। प्रिती बोपचे पिता चुन्नीलाल बोपचे मूलतः बालाघाट जिले के बिरसा तहसील के पल्हेरा ग्राम सायल की निवासी है। इस उपलब्धि पर विद्याभारती परिवार सहित पुनाराम बोपचे (दादा), जीवनलाल बोपचे, झनकलाल बोपचे, भूतेश्वर बोपचे, दोहाराम बोपचे सहित सभी लोगों ने बधाई प्रेषित की।

बालाघाट मार्ग पर नाली सफाई का कार्य हुआ प्रारंभ

लांजी (पद्मेश न्यूज) । नगर में पानी निकासी के बंद पड़े हैं मार्ग, नगर परिषद क्या जल भराव का कर रहा इंतजार शीर्षक से समाचार प्रकाशित होते ही नगर परिषद का सफाई 29 मई को सुबह से ही मुस्तैद नजर आया। नगर के

बालाघाट मार्ग में शुरू से अंतिम छोर नगर परिषद की सीमा तक बनी नाली का सफाई कार्य प्रारंभ किया गया। एक साथ 15 से 20 सफाई कर्मचारियों के नाली सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया, जिसमें अनेक जगहों पर फर्सीयों को उठाकर मलमा निकाला गया। नालियों में पानी भरे होने के कारण मलमा पूर्ण रूप से

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

महिला आईपीएस अधिकारियों के हाथों में होगी सिक्योरिटी की जिम्मेदारी

पीएम मोदी की भोपाल यात्रा : चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेगी पुलिस...दिल्ली से आएगी स्पेशल कार, एसपीजी ने संभाली सुरक्षा

भोपाल। 31 मई को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें शामिल होने पीएम नरेंद्र मोदी भोपाल आएंगे। ऐसे में सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहेगा। सिक्योरिटी को लेकर पुलिस ने प्लान ए और प्लान बी बनाया है। वहीं कार्यक्रम स्थल जंबूरी मैदान पर तीन हेलीपैड भी बनाए गए है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भोपाल पहुंचने के पहले पीएम की स्पेशल गाड़ी भोपाल पहुंच जाएगी। इस गाड़ी में बैठकर करीबन 400 मीटर का सफर तय कर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। पीएम मोदी की यह कार बेहद स्पेशल होती है। यह कार बुलेटप्रूफ ही नहीं, बॉम्ब प्रूफ भी होती है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के पहले उनकी स्पेशल कार भोपाल पहुंच जाएगी।

31 मई को पीएम मोदी स्टेट हैंगर से हेलीकॉप्टर के जरिए जंबूरी मैदान पहुंचेंगे। बारिश या मौसम खराब होने पर पीएम का काफिला बाय रोड कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना होगा। पीएम की सुरक्षा में महिला सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगी। पहली बार पीएम के कार्यक्रम में 50 प्रतिशत से ज्यादा महिला अधिकारी तैनात रहेंगी। कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, कारगेट से लेकर हर सेक्शन की कमान महिला अधिकारों के पास होगी। पीएम मोदी की सुरक्षा व्यवस्था के लिए 7 हजार से ज्यादा पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। सुरक्षा की जिम्मेदारी 28 आईपीएस अधिकारियों के कंधों पर होगी। उधर एसपीजी की टीम भोपाल पहुंच गई है। एसपीजी ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था संभाल ली है।

महिला अधिकारी संभालेगी सुरक्षा व्यवस्था

बता दें कि पीएम के कार्यक्रम में महिला आईपीएस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। स्पेशल डीजी सोनाली मिश्रा के पास सुरक्षा की कमान रहेगी। 6 से ज्यादा महिला आईपीएस अधिकारियों को कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि कार्यक्रम में करीब 3 दर्जन एएसपी, डीएसपी स्तर की अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

400 मीटर का सफर कार से करेंगे मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को अपने स्पेशल प्लेन से भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर उतरेंगे। इसके बाद पीएम मोदी एयरपोर्ट से स्टेट हैंगर पहुंचेंगे। यहां सेना के स्पेशल हेलीकॉप्टर उनका पहले से इंतजार कर रहे होंगे। इस हेलीकॉप्टर में बैठकर प्रधानमंत्री मोदी भोपाल के जम्बूरी मैदान पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से जम्बूरी मैदान की दूरी करीबन 22 किलोमीटर है। कार्यक्रम स्थल के पास व्हीव्हीआईपी के लिए 3 अलग-अलग हेलीपैड बनाए गए हैं। हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल की दूरी मुश्किल से 400 मीटर है।

एसपीजी ने संभाला मोर्चा

इस दूरी को पीएम मोदी अपनी स्पेशल कार से पूरा करेंगे। पीएम मोदी को अक्सर लैंड रोवर रेंज रोवर में सफर करते देखा गया है। इन कारों को खासतौर से भारत के प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए ही तैयार किया गया है। ऐसी ही एक कार पीएम मोदी के भोपाल दौरे के पहले राजधानी पहुंच जाएगी। पीएम मोदी के काफिले में जैमर लगे वाहन और आगे-पीछे एसपीजी की टीम चलती है। एसपीजी की यह टीम पीएम मोदी का पहला सुरक्षा घेरा होता है, इसमें बिना एसपीजी की इजाजत कोई दाखिल नहीं हो सकता।

28 आईपीएस के हवाले सुरक्षा व्यवस्था

भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी ने बताया कि पीएम मोदी की सुरक्षा के लिए पूरा एक्शन प्लान तैयार हो गया है। डीजीपी कैलाश मकवाना खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पीएम की सुरक्षा व्यवस्था में 3 आईजी, 5 डीआईजी, 20 एसपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा 40 एएसपी, 90 डीएसपी और 150 इंस्पेक्टरों को लगाया गया है।जंबूरी मैदान पर ही करीबन 1500 जवानों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल के रूट पर 1500 से ज्यादा जवानों को लगाया जाएगा। पीएम की सुरक्षा के लिए तीन लेयर रहेंगी। पहला सुरक्षा घेरा एसपीजी जवानों का होगा। इसके बाद मंच और उसके आसपास सीआरपीएफ और महिला पुलिस अधिकारी तैनात रहेंगी। इसके बाद जिला पुलिस बल के अधिकारी और जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे।

ड्रोन सहित सभी फ्लाइंग ऑब्जेक्ट उड़ाने पर प्रतिबंध

भोपाल पुलिस ने 31 मई को सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक कार्यक्रम स्थल के 5 किलोमीटर की परिधि में ड्रोन, पैराग्लाईडर, हॉट बैलून सहित सभी फ्लाइंग ऑब्जेक्ट उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह पूरा एरिया रेड जोन घोषित किया गया है। भोपाल पुलिस ने इसका आदेश जारी कर कहा है कि इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि इस दौरान कमर्शियल फ्लाइट्स को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है।

ट्रैफिक को किया जाएगा डाइवर्ट

वहीं दूसरे शहर के आने वाले भोपाल के ट्रैफिक को डाइवर्ट किया जाएगा। दूसरे शहर से आने वाले गाडियों को बाईपास से दूसरे रूट से डायवर्ट किया जाएगा। जंबूरी मैदान आने वाली गाडियां शहर में नहीं आने दी जाएगी। क्योंकि वहां के लिए अलग रूट बनाया गया है। इसी रूट से गाडियां जंबूरी मैदान पहुंचेगी।

3 जून को 7 घंटे भोपाल में रहेंगे राहुल गांधी

पीसीसी में विधायकों-सांसदों से करेंगे चर्चा, रवीन्द्र भवन में होगा अधिवेशन

भोपाल। 3 जून को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी भोपाल के दौरे पर रहेंगे। राहुल करीब 7 घंटे भोपाल में रहकर अलग-अलग कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं की बैठकें लेंगे। राहुल के दौरे को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने जानकारी दी। इस दौरान कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक मौजूद थे।

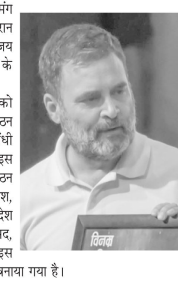

मध्यप्रदेश में कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए संगठन सृजन अभियान की राहुल गांधी शुरुआत करेंगे। राहुल गांधी ने इस अभियान के लिए टीम-50 का गठन किया है। असम से लेकर आंध्रप्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, यूपी सहित देश के अलग-अलग राज्यों के सांसद, विधायक, पूर्व मंत्रियों को इस टीम में शामिल करके ऑब्जर्वर बनाया गया है।

एक जून तक जारी होगी पर्यवेक्षकों की लिस्ट जारी

एआईसीसी से नियुक्त 50 ऑब्जर्वर्स के साथ हर जिले के लिए 4-4 सहयोगी पर्यवेक्षकों की लिस्ट एक जून तक जारी हो सकती है। इन सहयोगी पर्यवेक्षकों की लिस्ट एमपी कांग्रेस की ओर से दिल्ली भेज दी गई है। 31 मई को जबलपुर में होने वाली जयहिंद सभा के बाद यह लिस्ट जारी हो सकती है।

बीजेपी को फायदा पहुंचाने वाले कांग्रेसी भी होंगे चिह्नित

संगठन सृजन अभियान के दौरान कांग्रेस के सभी ऑब्जर्वर और को-ऑब्जर्वर आवंटित जिले में जाकर ये पता लगाएंगे कि कांग्रेस किस विधानसभा में कैसे मजबूत है। कांग्रेस के साथ जुड़े पुराने कांग्रेसियों की लिस्ट भी तैयार होगी। इस दौरान ऐसे नेताओं की लिस्ट भी बनाई जाएगी जो कांग्रेस में रहकर बीजेपी को फायदा पहुंचाते हैं।

बेटियों को समझना पड़ेगा, उनके विचार, खानपान और संस्कार देखें

भोपाल। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने लव जिहाद पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बेटियों को समझना पड़ेगा उनके विचार क्या हैं। वो क्या खाते हैं, घर के संस्कार क्या हैं यह देखें। अच्छे चेहरे और अच्छे कपड़े से क्या वो अच्छा हो गया। पति या पत्नी का चयन कैसे करना है स्वयं सोचें।

गुरुवार को यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मध्य प्रदेश पहुंची। भोपाल हाट में आयोजित क्राफ्ट रूट्स हस्तशिल्प प्रदर्शनी के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन ने लव जिहाद पर चिंता जताई हैं। उन्होंने कहा कि मां बाप ही नहीं बोलते हैं कि उन्हें क्या लगता है। लव जिहाद की घटना पर चिंता करने की जरूरत है, हर परिवार को चिंता करना होगा।

स्वतंत्रता का मतलब गलती करना नहीं

आनंदी बेन ने आगे कहा कि हमारे बेटी बेटा कहां जाते हैं किन से मिलते हैं? फ्रेंड सर्कल कैसा है, इस पर सोचना चाहिए। आज का युवा बोलता है वो स्वतंत्र है और स्वतंत्रता का मतलब गलती करना नहीं है। वहीं यूपी की राज्यपाल ने युवाओं के कार और बाइक स्टंट पर भी चिंता जाहिर की।

छतरपुर में बारिश-आंधी, सीएम का दौरा रद्द

भोपाल। छतरपुर में गुरुवार को मौसम खराब होने से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दौरा रद्द हो गया। यहां दोपहर करीब 12 बजे तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। गौरिहार में बने हेलीपैड में पानी भर गया। सभास्थल पर लगा टेंट भी उखड़ गया। सीएम यादव की छतरपुर के गौरिहार और मऊसहानियां में जनसभा होनी थी। मौसम विभाग ने गुरुवार को एमपी के खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा और बैतूल में 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक बारिश होने की संभावना जताई है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम-जबलपुर संभाग के जिलों में आंधी-बारिश का दौर रहेगा।

4 दिन तक जारी रहेगा आंधी-बारिश का दौर

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- प्रदेश में दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक ट्रफ एक्टिव है। इस वजह से दक्षिणी हिस्से के 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, विदिशा, सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, गुना, मंडला, डिंडौरी, उमरिया, कटनी, दमोह और पन्ना में आंधी-बारिश की संभावना है। कुछ जिलों में आंधी की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रहेगी। उन्होंने कहा कि सिस्टम के एक्टिव होने से अगले 4 दिन तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा।

राजस्व निरीक्षकों के लिए तबादले की गाइडलाइन

गृह तहसील में पदस्थ पटवारी-आरआई हटाए जाएंगे

भोपाल। मप्र के सभी जिलों में पदस्थ पटवारियों और राजस्व निरीक्षकों (आरआई) को लेकर बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया गया है। कार्यालय आयुक्त भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश द्वारा जारी निर्देश में उन पटवारियों और आरआई को तत्काल हटाने के लिए कहा गया है जो अपने गृह तहसील या गृह अनुविभाग में पदस्थ हैं। जारी पत्र क्रमांक 684/स्था. 9/2024 के अनुसार, सामान्य प्रशासन विभाग की स्थानांतरण नीति 2025 की कंडिका 5 और पटवारी संविलियन नीति 2025 की कंडिका 5.2 के तहत यह कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले दिनांक 28 अक्टूबर 2024 को संबंधित अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी मांगी गई थी। अब सभी जिलों के कलेक्टरों को यह निर्देशित किया गया है कि वे अपने जिले में पदस्थ ऐसे अधिकारियों की जानकारी देकर नियमानुसार स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी करें। संयुक्त आयुक्त, भू-अभिलेख मप्र द्वारा इस आदेश को अनुमोदन प्रदान किया गया है।

राज्य शासन द्वारा पटवारियों के लिए जारी की गई तबादला नीति की जद में अब राजस्व निरीक्षक भी आ गए हैं। पटवारियों को गृह तहसील से हटाने के फैसले के बाद अब राजस्व विभाग ने कलेक्टरों से कहा है कि अगर कोई राजस्व निरीक्षक अपने गृह क्षेत्र के राजस्व अनुविभाग (एसडीएम क्षेत्र) में पदस्थ है तो उसे भी हटाया जाएगा। इसलिए पटवारियों का तबादला करने के साथ राजस्व निरीक्षकों को भी स्थानांतरित करने की कार्यवाही की जाए। इस पर 29 अप्रेल को जारी तबादला नीति के आधार पर ही कार्यवाही की जाना है। आयुक्त भू अभिलेख कार्यालय ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश भी जारी कर दिए हैं। इसमें कहा गया है कि 28 अक्टूबर 2024 को जारी निर्देश में पटवारियों के गृह तहसील में पदस्थ होने को लेकर कलेक्टरों से जानकारी चाही गई थी। अब पिछले माह 29 अप्रेल को जारी राज्य शासन की तबादला नीति पर अमल किया जाना है। इसलिए अगर कोई पटवारी गृह तहसील और राजस्व निरीक्षक गृह अनुविभाग (एसडीएम सर्कल) में पदस्थ है तो पटवारियों की संविलयन और स्थानांतरण नीति के आधार पर राजस्व निरीक्षक भी स्थानांतरित किए जाएं। यह आदेश शासन द्वारा तय तबादला अवधि के भीतर जारी किए जाएंगे।

लागू होंगी पटवारी संविलियन की शर्तें

जिस जिले में संविलयन चाहा गया है, उस जिले में संबंधित वर्ग के रिक्त पद उपलब्ध होने की स्थिति में ही संविलयन किया जाएगा। आरक्षण के प्रावधानों एवं जिला आरक्षण रोस्टर के परिपालन में ही संविलयन किया जा सकेगा। आदेश जारी होने के 15 दिन के भीतर पटवारी को संविलयन किए गए जिले में उपस्थिति देनी होगी। जिले के अंदर पदस्थापना जिला कलेक्टर द्वारा की जाएगी परंतु किसी भी पटवारी को उसके गृह तहसील में पदस्थ नहीं किया जाएगा। संविलियन आदेश में किसी भी प्रकार के संशोधन की अनुमति नहीं होगी। एक बार जिला आवंटित हो जाने पर पुनः जिला परिवर्तन की पात्रता नहीं होगी। प्रशासनिक कारणों से किए गए संविलियन में ही पटवारी द्वारा नए जिले में पदभार ग्रहण करने पर उस जिले की संधारित सूची में पटवारी की वरिष्ठता की गणना उसकी संवर्ग में प्रथम नियुक्ति दिनांक से की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश के तहत आयुक्त भू-अभिलेख ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत अगर कोई पटवारी गृह तहसील हैं, तो उसे हटाया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा जारी नई स्थानांतरण नीति में यह प्रावधान किए गए हैं। इसकी प्रक्रिया प्रशासन ने शुरू कर दी है।

आधार लिंकिंग नहीं कराने पर डीडीओ का वेतन रोका

भोपाल। प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों की प्रोफाइल को इंटीग्रेटेड फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर समग्र आईडी और आधार से लिंक कराने के निर्देशों का पालन नहीं करने वाले आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) पर अब वित्त विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन डीडीओ ने अपने अधिकार क्षेत्र के कर्मचारियों की पूरी प्रोफाइल लिंक नहीं कराई है, उनका जून माह का वेतन रोका जाएगा। भुगतान केवल तभी किया जाएगा जब वे संबंधित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे कि सभी कर्मचारियों की समग्र आईडी और आधार लिंकिंग पूरी हो चुकी है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 2 सितंबर 2024 को इंटीग्रेटेड फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम में एम्पलाई प्रोफाइल की समग्र और आधार लिंकिंग से जुड़ा निर्देश जारी किया गया था। इसके बाद 14 सितंबर 2024 को वित्त विभाग ने भी सभी जिलों के कोषालय अधिकारियों और डीडीओ को यह कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए थे। मार्च 2025 में इसके लिए विशेष अभियान भी चलाया गया, लेकिन अब तक सभी कर्मचारियों की एंट्री और लिंकिंग नहीं हो पाई है। मांग पूरी न होने और कर्मचारियों की प्रोफाइल अपूर्ण रहने के कारण वित्त विभाग ने सख्ती की है। जिलों के डीडीओ अब सक्रिय हो गए हैं और कर्मचारियों पर इंटीग्रेटेड फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया है।

20 प्रतिशत से ज्यादा की प्रोफाइल अधूरी

फाइनेंस डिपार्टमेंट द्वारा जारी ताजा स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में कुल 6,54,367 शासकीय कर्मचारी-अधिकारी हैं। इनमें से 5,15,971 की समग्र एंट्री हो चुकी है, यानी 20 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की प्रोफाइल अब भी अधूरी है।

इन विभागों की हालत सबसे खराब

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने यह प्रक्रिया अनिवार्य की, उसकी अपनी प्रगति रिपोर्ट शून्य रही है। लोक परिसंपत्ति विभाग की स्थिति भी ऐसी ही पाई गई है। इसके अलावा जनजातीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, परिवहन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामान्य प्रशासन, विधि एवं विधायी कार्य, संसदीय कार्य, वन और लोक निर्माण विभाग भी कम प्रगति वाले विभागों में शामिल हैं।

15 जिलों की परफॉर्मेंस सबसे कमजोर

वित्त विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 जिलों के कोषालयों का प्रदर्शन भी कमजोर पाया गया है। इनमें जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल, रायसेन, भिंड, सिंगरौली, नरसिंहपुर, रीवा, हरदा, सीहोर, सीधी, कटनी, दतिया, राजगढ़ और भोपाल की विंध्याचल ट्रेजरी शामिल हैं।

वेतन भुगतान न किए जाने के आदेश

जिला कोषालय अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जब तक डीडीओ की ओर से आधार और समग्र लिंकिंग से संबंधित ई-केवाईसी का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया जाता, तब तक वेतन भुगतान न किया जाए।

बहुमंजिला बिल्डिंग की छत पर आग

- कमरों में रखा सामान जलकर राख, करीब 2 घंटे में काबू पाया गया

भोपाल। भोपाल के कोहेफिजा इलाके में गुरुवार सुबह आगजनी की घटना हुई। एक बिल्डिंग की छत पर बने कमरों में आग भभकी। इससे कपड़े समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया। करीब दो घंटे में आग काबू में आ पाई। आग कोहेफिजा स्थित मिलन शादी हॉल के पास लगी। यहां बिल्डिंग की छत पर दो कमरे बने हैं। आग की लपटें उठते देख फायर स्टेशन पर सूचना दी गई। इसके बाद बैरागढ़ और फतेहगढ़ फायर स्टेशनों से दमकलें मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। कमरों में रखी अलमारियां कपड़ों से भरी थी। इस कारण आग तेजी से फैल गई। जिससे आग बुझाने में भी दिक्कतें आईं।

पाइप के सहारे पानी को ऊपर तक ले गए

दमकलकर्मियों ने बताया कि बिल्डिंग के सबसे ऊपरी हिस्से में आग लगी थी। जिससे आग बुझाने में दिक्कतें हुई। पाइपों के सहारे पानी को ऊपर तक ले जाया गया। आग की लपटें और धुआं काफी ऊपर उठ रहा था। इस वजह से इलाके में हडकंप मच गया।

डेढ़ लाख शिक्षकों को मिलेगा चौथा समयमान-वेतनमान

- जल्द कैबिनेट में आ सकता है प्रस्ताव, इतनी बढ़ेगी सैलरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के डेढ़ लाख शिक्षकों को जल्द की बड़ी सौगात मिलने वाली है। इन टीचरों को चौथा समयमान-वेतनमान मिलने का रास्ता साफ हो गया है। इसे लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है। जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव आ सकता है। जिसके बाद शिक्षकों को तीन हजार से सात हजार तक का फायदा होगा।

मध्य प्रदेश के डेढ़ लाख से ज्यादा शिक्षकों को चौथा समयमान वेतनमान का लाभ मिलेगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसकी संक्षेपिका तैयार कर कैबिनेट मंजूरी के लिए मुख्य सचिव कार्यालय को भेज दी है। इससे पहले सामान्य प्रशासन, वित्त और स्कूल शिक्षा विभाग ने भी हरी झंडी दे दी थी। बीते विधानसभा चुनाव से पहले तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने यह लाभ देने की घोषणा की थी। कई विभागों में चौथा समयमान-वेतनमान लागू हो चुका है, लेकिन शिक्षक अब तक वंचित रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को क्रमोन्नति का हवाला देकर इससे वंचित कर दिया था। अब शिक्षा विभाग के प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी मिल सकती है। इस प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद शिक्षकों की तनख्वाह में तीन से सात हजार तक बढ़ोतरी होगी।

तबादले के विरोध में हाईकोर्ट जा सकते हैं अधिकारी कर्मचारी

विभागों ने जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर हाईकोर्ट में सरकार का पक्ष सुनने दायर की केविएट

भोपाल। प्रदेश के सभी विभागों में तीस मई तक स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों का फैसला ले चुकी सरकार को आशंका है कि तबादले के विरोध में कई अधिकारी, कर्मचारी कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। ऐसे हालातों से निबटने के लिए कई विभागों ने तबादला आदेश जारी करने के पहले हाईकोर्ट में केविएट दायर कर दी है और कोर्ट से आग्रह किया है कि स्थानांतरित कर्मचारियों द्वारा कोर्ट में अपील करने के मामले में कोई फैसला देने से पहले न्यायालय सरकार के संबंधित विभाग का पक्ष भी सुने।

तबादला नीति लागू हुए अब तक 28 दिन हो चुके हैं लेकिन पीडब्ल्यूडी और पीएचई विभाग के सौ से अधिक कर्मचारियों अधिकारियों के स्थानांतरण के अलावा किसी दूसरे विभाग ने तबादले की बड़ी सूची जारी नहीं की है। स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, नगरीय विकास और आवास, राजस्व, गृह, लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, पंचायत और ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, ऊर्जा और जल संसाधन ऐसे विभागों में शामिल हैं जहां स्थानांतरित किए जाने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों का प्रतिशत अधिक रहेगा। ऐसे में तीन साल की अवधि एक स्थान पर पूरी कर चुके अधिकारी कर्मचारी प्रशासनिक आधार पर किए जाने वाले तबादलों के विरोध में हाईकोर्ट की शरण ले सकते हैं ताकि किसी न किसी ग्राउंड को आधार बनाकर तबादले पर स्टे लेने और आदेश शिथिल कराने की कार्यवाही की जा सके। इसी के चलते विभागों द्वारा केविएट दायर की जा रही है ताकि तबादला आदेश जारी होने के बाद उसका एग्जीक्यूशन भी तेजी से कराया जा सके।

हाईकोर्ट जबलपुर, खंडपीठ में केविएट दायर

स्कूल शिक्षा विभाग ने इसी तारतम्य में कहा है कि शिक्षक संवर्ग और गैर शिक्षक संवर्ग के अमले का प्रशासकीय आवश्यकता के आधार पर राज्य स्तर से स्थानांतरण किया जाने वाला है। ऐसे में स्थानांतरण आदेश के खिलाफ संबंधित लोक सेवा उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर सकते हैं। इसलिए इन हालातों में याचिका दायर करने पर न्यायालय के समक्ष विभाग अपना पक्ष रख सके, इसके लिए हाईकोर्ट जबलपुर, हाईकोर्ट की खंडपीठ ग्वालियर और इंदौर में केविएट दायर की जा रही है। ऐसे ही स्थिति दूसरे विभागों द्वारा भी अपनाई जा रही है।

फाइनल में जगह बनाने उतरेंगे मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस

मुल्लांपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को होने वाले के एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस से होगा। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर फाइनल में जगह बनाना चाहेंगी। इस मैच में विजयी टीम पहले क्वालीफायर की विजेता के साथ फाइनल खेलेगी जबकि हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर होकर तीसरे नंबर पर खिसक जाएगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत की प्रबल दावेदार हैं। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात ने बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अब तक इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप साई सुदर्शन व सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप प्रसिद्ध कृष्णा पर गुजरात के ही खिलाड़ियों का कब्जा है। कप्तान शुभमन ने भी इस सत्र में काफी अच्छी बल्लेबाजी की है और ये भी गुजरात के लिए सकारात्मक पक्ष है। वहीं दूसरी ओर हार्दिक पंड्या की कप्तानी में उतरी मुम्बई इंडियंस को सत्र की शुरुआत में लगातार हार का सामना करना पड़ा था लेकिन इसके बाद उसने वापसी करते हुई प्लेऑफ का सफर तय किया है जिससे टीम के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। बल्लेबाजी की बात करें तो सूर्यकुमार यादव शानदार फार्म में हैं और ऑरेंज कैप की दौड़ में बने हुए हैं। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा भी अच्छे फार्म में हैं। गेंदबाजी में उसके पास जसप्रीत बुमराह जैसा खिलाड़ी है जिससे इस मैच को जीतने में टीम कोई कसर नहीं रखेगी। बुमराह का साथ निभाने तेज गेंदबाज टेंट बोल्ट भी हैं।

शुभमन को हाल ही में भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी मिली है ओर वह इंग्लैंड दौरे से पहले जीत दर्ज करना चाहेंगे। वहीं हार्दिक भी इस बार खिताब जीतकर अपने आलोचकों को जवाब देना चाहेंगे। पिछली बार जब उन्हें कप्तान बनाया गया था तो वह आलोचना का केन्द्र बने थे।

गुजरात के तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान कृष्णा और मोहम्मद सिराज के पास रहेगी। कृष्णा ने अब तक सत्र में 23 विकेट लिए हैं ओर वह टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। स्पिन ऑलराउंडर राशिद खान अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और उन्हें इस मैच में प्रभावी गेंदबाजी करनी होगी।

बल्लेबाजी विभाग में अब तक सुदर्शन, शुभमन को और रन बनाने होंगे क्योंकि जोस बटलर स्वदेश लौट गये हैं। ऐसे में उनकी कमी भी गुजरात के अन्य बल्लेबाजों को पूरी करनी पड़ेगी। टाइटंस की कमजोर मध्यक्रम में मौजूद शाहरूख खान और शेरफेन रदरफोर्ड का अबतक अधिक रन नहीं बना पाना है।

वहीं मुम्बई को शीर्ष क्रम में रेयान रिकल्टन और विल जैक्स की कमी खेलेगी। ऐसे में रिचर्ड ग्लीसन और चरित असलंका को मुंबई ने अपने साथ जोड़ा है।

एलिमिनेटर में रोहित के साथ जॉनी बेयरस्टो पारी की शुरुआत कर सकते हैं। मध्यक्रम में तिलक वर्मा के रन नहीं बना पाने से भी मुंबई को नुकसान हो सकता है।ऐसे में सब कुछ सूर्यकुमार पर आधारित रहेगा। सूर्या ने अब लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं अगर वह रन नहीं बना पाते हैं तो मुंबई की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। ऐसे में कप्तान हार्दिक को बड़ी भूमिका निभानी पड़ सकती है।

गुजरात टाइटंस - शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, राशिद खान, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, निशांत सिंधु, रविश्रीनिवासन साई किशोर, गेराल्ड कोएट्जी, जयंत यादव, अरशद खान, करीम जन्नत, शेरफेन रदरफोर्ड, महिपाल लोमरोर, वाशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, गुरनूर बरार, इशांत शर्मा, कागिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलवंत खेजरोलिया, मोहम्मद सिराज, दासुन शनाका, कुसल मेंडिस और जोस बटलर।

मुंबई इंडियंस - हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, बेवन जैकब्स, रॉबिन मिंज, कृष्णन श्रीजीत, नमन धीर, राज बावा, मिचेल सेंटनर, जसप्रीत बुमराह, अर्जुन तेंदुलकर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, कर्ण शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, सत्यनारायण राजू, मुजीब उर रहमान, रघु शर्मा, जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और चरित असलंका।

अल नासर छोड़ कर मेजर लीग सॉकर जायेंगे रोनाल्डो ?

लिस्बन। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब सऊदी अरब के अल-नासर क्लब को छोड़ सकते हैं। इसका अंदाजा रोनाल्डो की एक पोस्ट से हुआ है जिसमें उन्होंने क्जब छोड़ने के संकेत दिये हैं। रोनाल्डो का सऊदी क्लब के साथ अनुबंध इसी साल 30 जून को समाप्त होने वाला है। ऐसे में अब अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह किस टीम से जुड़ सकते हैं। रोनाल्डो ने अपनी पोस्ट में लिखा, यह चैप्टर समाप्त हो गया। सभी का आभारी हूं। रोनाल्डो ने अपने करियर में 1,000 गोल पूरे होने तक खेलने का वादा किया है । ऐसे में उनके संन्यास की कोई संभावना नहीं है। रोनाल्डो अल नासर के साथ जनवरी 2023 में जुड़े थे। उसके बाद से ही ये क्लब दुनिया भर में अपनी पहचान बनाने में सफल रहा। उन्होंने इस क्लब में अब तक 111 मैचों में 99 गोल किए हैं। प्रो लीग के नये सत्र उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 गोल दर्ज किए गए पर इसक बाद भी वह क्लब में बने नहीं रहना चाहते। अब माना जा रहा है कि रोनाल्डो उत्तरी अमेरिका में मेजर लीग सॉकर (एलएलएस) में जा सकते हैं । इसमें उनके प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी भी हैं। अगर वह इसमें नहीं जाते हैं तो पुर्तगाल में स्पोर्टिंग सीपी में खेलकर अपने करियर का समापन कर सकते हैं। इसके अलावा वह अमेरिका में होने वाले नए फीफा क्लब विश्व कप में भाग ले सकते हैं।

विराट ने डब्ल्यूबीएल में किया निवेश

मुंबई । हाल ही में टेस्ट प्रारुप से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने विश्व बॉलिंग लीग (डब्ल्यूबीएल) में निवेश किया है। विश्व बॉलिंग लीग ने हाल ही में एमएलबी सुपरस्टार और तीन बार की विश्व सीरीज चैंपियन मूकी बेट्स की टीम ओएमजी को लीग की पहली फ्रेंचाइजी बनाया है। विराट ने कहा, 'मैंने 11 साल की उम्र में बॉलिंग शुरू की थी एक साल के अंदर द को स्पिन करना सीख गया था।'' उन्होंने कहा, 'यह तय है कि यह खेल काफी लोकप्रिय है पर इसे व्यावसायिक रूप अधिक सराहा नहीं गया है। बॉलिंग को फिर से परिभाषित

प्रज्ञान बने टेनिस बॉल क्रिकेट लीग के कमिश्नर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा अब टेनिस बॉल क्रिकेट लीग द लेजेनजी टी-10 में कमिश्नर की जिम्मेदारी निभाएंगे। ये लीग 25 जून से जयपुर में शुरू हो रही है। प्रज्ञान के ऊपर लीग के सफल संचालन के साथ ही इस नई प्रतियोगिता को आगे बढ़ाना रहेगा। इस क्रिकेटर ने अपनी करियर में 24 टेस्ट, 18 एकदिवसीय और 6 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। द लेजेनजी टी-10 शुरु करने का लक्ष्य उभरते हुए क्रिकेटरों को एक मंच उपलब्ध कराना है। इसी लीग के लिए नारा है 'गली से टीवी तक'। इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिलेगा। लीग को लेकर प्रज्ञान ने कहा कि, इस टी-10 का हिस्सा बनकर मैं गर्व

का अनुभव कर रहा हूं। यह ऐसा मंच है जो जमीन से जुड़े क्रिकेट को बड़ी पहचान देता है। मैं ऐसे खिलाड़ियों के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं जो आगे बढ़ना चाहते हैं। द लेजेनजी टी-10 के चेयरमैन और पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने कहा कि, 'हमने अपने स्थानीय पार्कों और गलियों में बहुत सारी असाधारण प्रतिभाओं को आगे आते देखा है। द लेजेनजी टी-10 का मंच ऐसी ही युवा प्रतिभाओं के लिए है, जिनमें अद्भुत कौशल और प्रदर्शन को लेकर जुनून है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जो टेनिस बॉल क्रिकेट को हमेशा के लिए बदल सके।

लीग में पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इरफान पठान भी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। इसमे भाग लेने के. इच्छुक खिलाड़ी अपना 6 गेंदों का वीडियो और नामांकन शुल्क जमा कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले हर खिलाड़ी को 卐द लेजेनजी टी10卐 क्रिकेट बैट स्मृति चिन्ह के रूप में दिया जाएगा. इनमें से शीर्ष 5,000 खिलाड़ियों को चयनित कर, उन्हें सिल्वर टिकट दिया जाएगा, जिससे वे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु और इंदौर में आयोजित होने वाले ट्रायल्स में भाग ले सकेंगे।

सात्विकसाईराज और चिराग सिंगापुर ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, सिंधु बाहर हुई

सिंगापुर। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। वहीं ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी पीवी सिंधु को हार का सामना करना पड़ा है। सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में इंडोनेशिया के साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी कीजोड़ी को 19-21 21-16 21-19 से हराया। भारतीय जोड़ी को पहले गेम में हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद इस जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21 21-16 21-19 से जीत दर्ज की।

अब ?अगले दौर में इस भारतीय जोड़ी का मुकाबाल गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की मलेशियाई जोड़ी से होगा।

वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को चीन की चेन यूफेई ने एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हराया। सिंधु ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में 19-12 की बढ़त बनाने के बाद इसे 21-18 से जीता पर तीसरे और निर्णायक गेम में चीन की खिलाड़ी ने मैच जीत लिया। पहले दौर में सिंधु ने कनाडा की वेन यू झेंग को 21-14, 21-9 से हराया था पर दूसरे दौर में वह इस लय को बनाये नहीं रख पायीं। दूसरी ओर पुरुष एकल में भी भारत के शीर्ष खिलाड़ी एचएस प्रणय बाहर हो गये हैं। प्रणय को को प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 16-21 14-21 से पराजित किया।

इंग्लैंड दौरे में युवा खिलाड़ियों की असली परीक्षा होगी -पुजारा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों की असली परीक्षा होगी। पुजारा के अनुसार विराट कोहली और रोहित शर्मा के नहीं होने से अब सारा भार युवा बल्लेबाजों पर ही रहेगा। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल और उपकप्तान की जिम्मेदारी ऋषभ पंत को मिली है। भारतीय टीम के लिए इंग्लैंड दौरा कभी भी आसान नहीं रहा है। उसने अब तक इंग्लैंड में 19 में से केवल तीन सीरीज ही जीती हैं जिसमें अंतिम बार 2007 में उसे राहुल द्रविड़ की कप्तानी में जीत मिली थी। उन्होंने कहा, भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज हमेशा से ही चुनौती पूर्ण रही है। इसमें 19 सीरीज में से केवल 3 में ही जीत मिल है जिससे पता चलता है कि इंग्लैंड के हालातों में खेलना कितना कठिन होता है। एक युवा टीम के साथ, यह दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक अहम मोड़ होगा। मैं यह देखने के लिए उत्साहत हूं कि

यह समूह किस तरह से इस अवसर पर आगे बढ़ता है और भविष्य के लिए नए मानक स्थापित करता है। भारतयीय टीम को यहं हैडिंग्ले, एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल में पांच टेस्ट खेलने हैं। इस सीरीज से नये विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) सत्र की भी शुरुआत होगी। वहीं पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान को उम्मीद है कि शुभमन की कप्तानी में जा रही ये युवा टीम इंग्लैंड दौरे पर मिलने वाली कड़ी चुनौतियों का सामना करने में सफल रहेगी। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा , नई पीढ़ी के आगे आने के साथ, भारतीय टीम न केवल विरासत को आगे बढ़ा रही है बल्कि हमारे क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय भी लिखने तैयार है। मैदान तुम्हारा, जीत हमारी के नारे से अंदाजा होता है कि ये बैखौफ होकर खेलने के लिए तैयार है। इस टीम में हालातों के अनुसार ढ़लने की क्षमता भी दिखती है इसके साथ ही इसमें शामिल खिलाड़ी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित दिखते हैं।

खेल भावना के कारण हारे मैच

लखनऊ। आईपीएल के अंतिम लीग मैच में लखनऊ सुपर जॉयंट्स ने खेल भावना दिखाते हुए मांकडिंग का अवसर छोड़ दिया था जिससे उसके हाथ से मैच निकल गया। इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कार्यवाहक कप्तान जितेश शर्मा ने 85 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस मुकाबल में लखनऊ के दिग्वेश राठी ने जितेश को मांकडिंग आउट की अपील की थी पर कप्तान ने उससे वापसी ले लिया था जिससे जितेश आउट होने से बच गये। इससे पहले भी खेल भावना दिखाने से एक टीम को हार का सामना करना पड़ा है। साल 1987 क्रिकेट विश्व कप में वेस्टइंडीज के गेंदबाज ने पाकिस्तान के खिलाफ खेल भावना के कारण मांकडिंग का अवसर छोड़ दिया था। तब विंडीज के तेज गेंदबाज कर्टनी वाल्श की जमकर सराहना हुई थी पर मैच वेस्टइंडीज के हाथों से निकल गया था।

वाल्श का पाकिस्?तानी बल्लेबाज सलीम जाफर को आउट करने का अवसर छोड़ना वेस्टइंडीज को भारी पड़ा क्योंकि अब्दुल कादिर ने मैच की अंतिम गेंद पर 2 रन लेकर पाकिस्?तान को एक विकेट से जीत दिला दी। यह मुकाबला भारत और पाक की संयुक्?त मेजबानी में 1987 में आयोजित रिलायंस वर्ल्?डकप का था। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 216 रन बनाए। उसकी ओर से फिल सिमंस ने 50 और विव रिचर्ड्स ने 51 रन की पारी खेली। इसे बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की आधी टीम एक समय 110 रन पर ही पेवेलियन लौट गई थी पर इसके बाद विकेटकीपर सलीम यूसुफ और कप्?तान इमरान खान के साथ छठे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। पाकिस्?तान को अंतिम गेंद पर जीत के लिए 2 रन चाहिए थे। पाकिस्तान की आखिरी जोड़ी अब्दुल कादिर व सलीम जाफर खेल रहे थे। वॉल्?श ने अंतिम ओवर फेंका. जिसकी पहली पांच गेंदों पर पाकिस्?तान ने 12 रन बनाए। अंतिम गेंद वॉल्?श फेंकने ही वाले थे कि सलीम जाफर नॉन स्?ट्राइकिंग एंड पर क्रीज से बाहर निकल गये। वाल्?श के पास सलीम को रन आउट करने का अवसर था पर उन्?होंने खेल भावना दिखाते हुए जाफर को केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया। तब उनकी इस खेल भावना की सराहना हुई थी पर इससे पाक टीम जीत गयी और वेस्टइंडीज टूर्नामेंट से बाहर हो गयी।

एलिमिनेटर मैच रद्द हुआ तो बाहर होगी मुम्बई

मुम्बई। आईपीएल में क्वालीफायर मुकाबले शुरु हो रहें हैं और अगले माह की शुरुआत में ही इसकी नई विजेता सामने आ जाएगी। क्वालीफायर-1 में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स का मुकाबला होगा जबकि जबकि शुक्रवार को होने वाले एलिमिनेटर में चैंपियन गुजरात टाइटंस का मुकाबा पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से होगा। वहीं अगर इस मैच में बारिश हो गयी या किसी और कारण से मैच नहीं हो पाता है तो लीग स्तर में चौथे स्थान पर रहने वाली टीम बाहर हो जाएगी। लीग स्तर पर पंजाब और आरसीबी पहले और दूसरे जबकि गुजरात तीसरे और मुंबई चौथे स्थान पर रही थी। इससे साफ है कि मैच रद्द हुआ तो मुंबई इंडियंस बिना खेले ही बाहर हो जाएगी। इसका कारण है कि क्वालीफायर-1 और एलिमिनेटर के लिए कोई अतिरिक्त दिन नहीं रखा गया है हालांकि क्वालीफायर-2 और फाइनल मैच के लिए रिजर्व दिन रखा गया है।

आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक पर बरकरार हैं रूट, शीर्ष दस में भारत के यशस्वी ओर ऋषभ

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट पहले स्थान पर बने हुए हैं। रुट रूट 888 रेटिंग अंक के साथ पहले स्थान पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर हैरी ब्रुक हैं। हैरी के 873 रेटिंग अंक हैं। रूट और हैरी के बीच 15 अंकों का ही अंतर है ऐसे में अगले माह भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज में हैरी के पास पहला नंबर हासिल करने का अवसर है। वहीं शीर्ष पांच की बात की जाये तो जो रूट और हैरी ब्रूक के अलावा इस सूची में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 886 हैं। इसमें भारत के यशस्वी जायसवाल 847 अंक और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 823 अंक भी शामिल हैं। शीर्ष-10 में एक ओर भारतीय खिलाड़ ऋषभ पंत भी शामिल हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने वाले बेन डकेट, जैक क्रॉली और उप-कप्तान ओली पॉप भी टेस्ट रैंकिंग में ऊपर आये हैं। डकेट दो पायदान के लाभ के साथ ही 13वें, पोप छह पायदान उछलकर 22वें और क्रॉले आठ स्थान के लाथ के साथ ही 33वें स्थान पर हैं। भारतीय टीम को अगले महीने 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज खेलनी है, इस सीरीज के बाद टेस्ट रैंकिंग में काफी बदलाव आ सकते हैं। इस सीरीज में यशस्वी अगर बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो वह रैंकिंग में ऊपर आ सकते हैं। इसी सीरीज से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की भी शुरुआत होगी।

सीएसके इस कारण हुई असफल

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रही। सीएसके को 14 मैचों में केवल चार ही जीत मिली। उसकी असफलता का कारण मुख्य खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन रहा है। सत्र के बीच में ही कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने से भी टीम की बल्लेबाजी कमजोर हुई। ऐसे में महेन्द्र सिंह धोनी ने कप्तानी की जिम्मेदारी भी संभाली। 43 साल की उम्र में खेल रहे धोनी भी अब पहले की तरह नहीं खेल पाये। वह अधिकतर क्रम पर उतरे और 14 मैचों में केवल 196 रन बना पाये। उनका स्ट्राइक रेट भी काफी कम 135 का रहा। वह सबसे अच्छे फिनिशर के तौर पर जाने जाते हैं पर इस बार वह उसमें भी विफल रहे। इसी कारण वह अपनी टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाये। के

रचिन रवींद्र

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार रिकार्ड है पर वह आईपीएल में पूरी तरह फ्लाप रहे हैं। इस बार वह 8 मैचों में एक अर्धशतक के साथ ही 181 रन बना पाए।

मथीशा पाथिराना

डेथ ओवरों में अपनी कसी हुई गेंदबाजी के कारण अपनी पहचान बनाने वाले मथीशा पाथिराना इस सत्र में 12 मैचों में 13 विकेट ले पाये। वह काफी महंगे रहे और उन्होंने 10.14 के इकॉनमी रेट से रन दिये।

दीपक हुड्डा

दीपक हुड्डा को चेन्नई सुपर किंग्स ने 1.70 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन सत्र में खेले 7 मैचों में वो सिर्फ 31 रन बना पाए।

देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे

एक्टिव केसों की संख्या 1326 पहुंची, कोरोना की चौथी लहर आई तो 28 दिन रहेगी : नए वैरिएंट पर मौजूदा वैक्सीन बेअसर

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आज एक्टिव केसों की संख्या 1326 पहुंच गई। वहीं, मौतों की संख्या 14 हो गई है, इनमें सबसे ज्यादा 6 मौतें महाराष्ट्र में हैं। उधर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि 2022 के बाद नए वैरिएंट की वजह से कोविड पेशेंट कई बार बढ़े हैं, लेकिन कोई गंभीर स्थिति नहीं देखी गई। मेरा अंदाजा है कि इस बार भी बहुत परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। वहीं, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे के मुताबिक कोविड की चौथी लहर आती है तो उसका असर 21 से 28 दिन तक रहेगा। यह दूसरी लहर की तरह जानलेवा नहीं होगी।

प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे का कहना है कि जिन लोगों ने वैक्सीनेशन करवाया था, उन्हें भी सावधानी बरतने की जरूर है। इसकी वजह यह है कि वैक्सीनेशन नए वैरिएंट का असर होने से नहीं रोक सकता। हालांकि, वैक्सीनेशन की इम्यूनिटी अभी भी पूरी

तरह से कमजोर नहीं हुई है। यह आपके शरीर को नए वैरिएंट से लडने् में मदद जरूर कर सकती है। जम्मू-कश्मीर में कोविड-19 के दो मामले सामने आए हैं। दोनों केरल के रहने वाले हैं और श्रीनगर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं। महाराष्ट्र के ठाणे में बुधवार को 67 साल के एक बुजुर्ग की मौत हो गई। उसे 25 मई को भर्ती कराया गया था। प्रेस रिलीज के मुताबिक उन्हें हाई बीपी और डायबिटीज थी। उन्होंने कोविड वैक्सीन भी नहीं लगवाई थी। चंडीगढ़ में बुधवार को क्क के रहने वाले 40 साल के एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह पंजाब के लुधियाना में काम करता था और सांस लेने में तकलीफ के बाद मरीज को चंडीगढ़ रेफर किया गया। वहां उसका टेस्ट कोरोना पॉजिटिव आया था। मौतों का आंकड़ा 14 पहुंच गया है।

6 राज्यों में अब तक 14 की मौत

जयपुर में 26 मई को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दूसरी मौत प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी। वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई (रविवार) को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई। उसका 22 मई से इलाज चल रहा था। इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी। 24 मई को उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। केरल में दो लोगों की कोविड से मौत हुई है।

भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट

भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे एलएफ.7, एक्सएफजी , जेएन.1 और एनबी.1.8.1 सीरीज के हैं। बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं और लोगों को चिंता नहीं करनी चाहिए, बस सतर्क रहना चाहिए। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि, निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। चीन सहित एशिया के दूसरे देशों में कोविड के बढ़ते मामलों में यही वैरिएंट दिख रहा है। इन पर कोविड के खिलाफ बनी इम्यूनिटी का भी असर नहीं होता।

बटला हाउस मकान-दुकानें तोड़ने के मामले में अगले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। बटला हाउस तोड़फोड़ मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट में बटला हाउस के मकानों और दुकानों के लिए तोड़फोड़ नोटिस के खिलाफ याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से मामला सीजेआई के सामने उठाया गया और मामले की जल्द सुनवाई की मांग की गई।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 15 दिन का नोटिस चाहिए, लेकिन यहां एक नोटिस चिपकाया गया है और कहा गया है कि हमें मकान और दुकानें खाली कर देना चाहिए। 26 मई को नोटिस चिपकाया गया, हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई। हालांकि शुरुआत में सीजेआई गवई ने कहा था कि आप हाईकोर्ट क्यों गए, लेकिन याचिकाकर्ता ने कहा कि तोड़फोड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया था। सीजेआई ने कहा कि अगले हफ्ते सुनवाई करेंगे।

याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ही इस मामले में आदेश पारित किया था, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई गाइडलाइन का पालन नहीं किया गया। डीडीए का दावा है कि खसरा नंबर 279 की जमीन दिल्ली विकास प्राधिकरण की है और इस पर अवैध तरीके से घर बना लिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले आदेश में सिर्फ खसरा नंबर 279 को लेकर अपना आदेश दिया था, लेकिन दिल्ली विकास प्राधिकरण ने खसरा नंबर 281 से लेकर 285 तक के मकानों को भी नोटिस जारी किया है, जिसको लेकर याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

महाराष्ट्र में बारिश से अबतक 21 लोगों की मौत, 12 घायल, 22 पशुओं की मौत

मुंबई, । महाराष्ट्र में पिछले चार दिनों से कई जगहों पर हो रही लगातार बारिश के कारण अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 12 लोग घायल हुए हैं और 22 पशुओं की मौत हुई है। इस बात की जानकारी राज्य आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा दी गई है। बताया गया है कि सबसे ज्यादा मौतें पुणे और नांदेड़ जिलों में दर्ज की गई हैं। इन दोनों जिलों में तीन-तीन लोगों की जान गई है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने 24 मई से 27 मई के बीच हुई भारी बारिश पर एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के मुताबिक सिंधुदुर्ग जिले में 25 मई को और मुंबई में 26 मई को मानसून आया था। 24 से 27 मई के बीच राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई भारी बारिश से बड़े पैमाने पर जनहानि हुई। पानी में डूबने, आसमानी बिजली गिरने, दीवार गिरने और पेड़ गिरने जैसे विभिन्न कारणों से राज्य भर में 21 लोगों की मौत हुई है। जबकि 12 लोग घायल हैं। इसके अलावा 22 गाय और भैंस मर गई और 2 घायल हैं।

- अबतक 174.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।

जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पिछले चार दिनों में औसतन 174.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है। कोंकण में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है। सिंधुदुर्ग जिले में चार दिनों में 511.6 मिमी और रत्नागिरी में 502.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भंडारा जिले में सबसे कम यानी 41.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

- बाढ़ में बह जाने से दो लोगों की मौत

भारी बारिश के कारण पश्चिमी विदर्भ के बुलढाणा, अकोला, यवतमाल और अमरावती जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। मंगलवार शाम से वहां बारिश जारी है। यवतमाल और बुलढाणा जिलों के दो लोग पूर्णा और विदर्भ नदियों की बाढ़ में बह गए जिससे उनकी उनकी मौत हो गई। उत्तर महाराष्ट्र में नासिक, जलगांव, धुले और नंदुरबार में भी मानसून ने जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि पुणे में पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश ने विराम ले लिया।

ये तीन खतरनाक केमिकल्स और फ्यूल मौजूद केरल में डूबे कार्गो शिप

समुद्री जीव और इंसानों के लिए खतरनाक

कोच्चि । कच्चे आम से भरे एक कमरे में कैल्शियम कार्बाइड का छोटा सा टुकड़ा रखे दे। इससे निकली खतरनाक एसिटिलीन गैस 2-3 दिनों में पूरे कमरे के आम पका देगी।

जिस कैल्शियम कार्बाइड का एक टुकड़ा इतना घातक है, उससे भरे 12 विशाल कंटेनर्स भारत के पास समुद्र में गिरे हैं। 25 मई को डूबे लाइबेरियाई जहाज में इसतरह के 640 कंटेनर्स थे, जिसमें अलग-अलग केमिकल्स और तेल मौजूद था।

इंडियन कोस्ट गार्ड के मुताबिक, 25 मई को जहाज के होल्ड में तेजी से पानी भरने लगा था, इसकारण पलटकर डूब गया।

इस कार्गो शिप में 3 खतरनाक केमिकल्स और फ्यूल मौजूद ...

कैल्शियम कार्बाइड- 12 कंटेनर्स में कैल्शियम कार्बाइड यानी सीएसी मौजूद है। यह एक केमिकल कम्पाउंड है, जो ग्रे या काले रंग का ठोस पदार्थ होता है। यह इंडस्ट्रियल फॉर्म से एसिटिलीन गैस को बनाने, स्टील निर्माण और फल पकाने में इस्तेमाल होता है।

कैल्शियम कार्बाइड पानी के साथ मिलने पर एसिटिलीन गैस (सीएच) और कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड (सीए(ओएच)) उत्पन्न करता है। एसिटिलीन गैस अत्यधिक ज्वलनशील होती है और हवा में 2.5 से 82 प्रतिशत की सांद्रता पर विस्फोट कर सकती है। यह गैस छोटी सी चिंगारी या गर्मी से आग पकड़ सकती है, जिससे समुद्र में विस्फोट भी हो सकता है।

कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड पानी के पीएच को बढ़ा देता है, जिससे समुद्र का इकोसिस्टम बिगड़ जाता है। यह मछलियों, कोरल और अन्य पानी वाले जीवों के लिए जानलेवा हो सकता है।

मरीन गैस ऑयल- शिप में 84.44 मीट्रिक टन मरीन गैस ऑयल यानी डीजल भी था, जिसका इस्तेमाल जहाज को चलाने के लिए होता है। यह हाइड्रोकार्बन से बना होता है, जिसमें एल्केन और एरोमैटिक कम्पाउंड्स होते हैं। यह पानी की सतह पर तैरता रहता है, जिससे ऑक्सीजन कम होती है और समुद्री जीवन प्रभावित होता है। यह लम्बे समय तक समुद्र में रह सकता है और तटीय इलाकों में जमा हो जाता है।

फर्नेस ऑयल- यह एक भारी ईंधन तेल है, जो जहाजों के इंजन को चलाने के लिए इस्तेमाल होता है। शिप में 367.1 मीट्रिक टन फर्नेस ऑयल मौजूद था। यह डीजल से ज्यादा गाढ़ा और जटिल हाइड्रोकार्बन मिश्रण होता है, इसमें सल्फर की मात्रा कम होती है। यह पानी में आसानी से नहीं फैलता, लेकिन यह समुद्री तल पर जमा हो सकता है, जिससे लम्बे समय तक प्रदूषण होता है। इनके अलावा बाकी कंटेनर्स में भी खतरनाक केमिकल्स मौजूद हैं, जिनकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

बड़ी संख्या में समुद्री जीवों की मौत

डॉल्फिन, व्हेल, कछुओं, ऑक्टोपस, ऊदबिलाव सहित तमाम तरह की मछलियों और समुद्री जीवों को बीमारी हो सकती है। तेल से उनकी त्वचा, गलफड़ों और आंतरिक अंगों को नुकसान होता है। इसके अलावा फुलमार, किट्टीवेक, गिलमोट, समुद्री बगुले जैसे पक्षी अगर समुद्र पर उतरते हैं, तब तेल के कारण उनके पंख और त्वचा को नुकसान होगा, जिससे उनके उड़ने और जलरोधी क्षमता खत्म हो जाएगी।

इंसानों की सेहत और कमाई पर असर

मछली पालन, बोटिंग और टूरिज्म के बिजनेस को नुकसान होगा। साथ ही समुद्र से तेल निकालने और सफाई करने के लिए करोड़ों डॉलर खर्च होगा।

नक्सली हिडमा एके-47 के साथ पकड़ा गया

जगदलपुर। ओडिशा में कोरापुट पुलिस ने एके-47 हथियार के साथ नक्सली कुंजाम हिडमा को गिरफ्तार किया है। यह एसीएम कैडर का नक्सली है। जिस पर करीब 5 लाख रुपए का इनाम घोषित है। ओडिशा पुलिस ने हिडमा के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामान भी बरामद किया है।

दरअसल, ओडिशा पुलिस ने छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के ट्राई जंक्शन में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन लॉन्च किया था। पुलिस जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इसी दौरान एक युवक ने पुलिस को देख भागने की कोशिश किया। वो जंगल में जाकर छिप गया था। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। उसके पास से एके-47 समेत अन्य विस्फोटक सामान मिला। पुलिस ने उसकी पहचान कुंजाम माड़वी हिडमा उर्फ मोहन के रूप में की है। जो कि छ्त्र के बीजापुर जिले का रहने वाला है। कई सालों से नक्सल संगठन के साथ जुडक़र काम कर रहा था। ओडिशा और छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर हुई कई वारदातों में शामिल था। पुलिस इससे पूछताछ कर रही है। जिसमें कई खुलासे होने की संभावना है।

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने सीआईआई बिजनेस समिट-2025 में डिफेंस टेक्नोलॉजी को लेकर बोले

एक भी प्रोजेक्ट समय पर नहीं हुआ पूरा

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने गुरुवार को डिफेंस सिस्टम की खरीद और डिलीवरी में हो रही देरी पर कहा कि ऐसा एक भी प्रोजेक्ट नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। ये सोचने वाली बात है कि हम ऐसा वादा क्यों करते हैं, जिसे पूरा ही नहीं किया जा सकता। कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही पता होता है कि ये समय पर नहीं होगा, फिर भी साइन कर देते हैं, जिससे पूरा सिस्टम खराब हो जाता है।

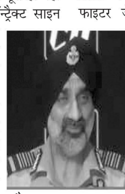

यह पहला मौका है जब किसी सेना प्रमुख ने सिस्टम पर इस तरह से सवाल उठाया हो। सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में एयर चीफ मार्शल ने कहा कि टाइमलाइन एक बड़ा मुद्दा है। समय से डिफेंस प्रोजेक्ट पूरा न होने की वजह से ऑपरेशनल तैयारी पर असर पड़ता है। इससे पहले 8 जनवरी को भी एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने तेजस लड़ाकू विमानों की डिलीवरी पर हो रही देरी को लेकर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि 40 जेट्स अभी तक फोर्स को नहीं मिले हैं। चीन जैसे देश ताकत बढ़ा रहे।

तेजस, एएमसीए और एमके2 की डिलीवरी भी लेट है

एयर चीफ ने बताया कि फरवरी 2021 में एचएएल के साथ तेजस एमके1ए फाइटर जेट के लिए 48,000 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया गया था। डिलीवरी मार्च 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन आज तक एक भी विमान नहीं आया। तेजस एमके2 का प्रोटोटाइप अभी तक तैयार नहीं हुआ है। एडवांस्ड स्टील्थ फाइटर एएमसीए का भी अभी तक कोई प्रोटोटाइप नहीं है।

आज की जरूरत आज ही पूरी करनी होगी

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि हमें आज के लिए तैयार रहना होगा, तभी भविष्य के लिए भी तैयार हो सकेंगे। आने वाले 10 साल में इंडस्ट्री से ज्यादा आउटपुट मिलेगा, लेकिन जो जरूरत आज है, वो आज पूरी होनी चाहिए। हम सिर्फ भारत में मैन्युफैक्चरिंग के बारे में बात नहीं कर सकते। हमें डिजाइनिंग के बारे में भी बात करनी होगी। हमें सेना और इंडस्ट्री के बीच भरोसे की जरूरत है। हमें बहुत खुलापन दिखाने की जरूरत है। एक बार जब हम किसी चीज के लिए प्रतिबद्ध हो जाते हैं, तो हमें उसे पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्ध तब जीते जाते हैं जब हमारी सेनाएं मजबूत होती हैं। उन्हें मजबूत बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय जीत है

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे। हर दिन, नई टेक्नालॉजी आ रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें ये बताया कि हम किस दिशा में जा रहे हैं और भविष्य में हमें क्या चाहिए। इसलिए में बहुत काम करने की जरूरत है, तभी हम भविष्य में भी अपने मकसद को हासिल करने में सक्षम होंगे। एयर चीफ ने हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर को राष्ट्रीय जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन आतंकवाद के खिलाफ देश की एकजुटता और ताकत का प्रतीक है। इस ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए गए।

टैक्सपेयर्स को राहत, लेकिन शादी में मिले सोने पर चुकाना होगा टैक्स

नई दिल्ली। इनकम टैक्स विभाग ने इस साल 2025 के लिए रिटर्न भरने की डेट को 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दिया है। इससे टैक्सपेयर्स को राहत मिली है, लेकिन अभी चल रहे शादियों के सीजन में आपको गिफ्ट में जो सोना मिलेगा, उस पर टैक्स किस तरह से चुकाना होगा। बता दें भारत में शादी के मौके पर मिलने वाले गिफ्ट्स पर टैक्स नियम खास हैं। इनकम टैक्स एक्ट के तहत शादी में मिलने वाले गिफ्ट्स जैसे सोना, चांदी नकद आदि पर कोई टैक्स नहीं लगता।

इनकम टैक्स कानून के तहत शादी में मिले सोने को लेकर भी कई तरह के नियम हैं. अगर सोना गिफ्ट में किसी रिश्तेदार से मिला है, तो टैक्स नहीं लगता. लेकिन, अगर सोना किसी गैर-रिश्तेदार से गिफ्ट में मिला हो और उसकी वैल्यू 50,000 रुपये से ज्यादा हो, तो वह पूरी वैल्यू इनकम के रूप में आपकी स्लैब के हिसाब से टैक्सेबल होगी।

शादी के गिफ्ट्स को टैक्स फ्री माना गया है, चाहे उनका मूल्य कितना भी हो, लेकिन यदि गिफ्ट शादी के अलावा किसी और अवसर पर मिला है और उसकी वैल्यू 50,000 रुपये से ज्यादा है, तो उसपर टैक्स लगेगा। खास बात ये है कि शादी के गिफ्ट्स की वैल्यू की कोई लिमिट नहीं है, वे टैक्स फ्री होते हैं। इनकम टैक्स कानून के तहत भले ही शादी में मिले सोने पर टैक्स नहीं लगता है, लेकिन जब आप वह सोना बेचेंगे, तब उस समय जो भी लाभ होगा उस पर कैपिटल गेन टैक्स लगेगा। ऐसे मामले में मूल्य गिफ्ट के समय का मार्केट प्राइस माना जाएगा। सोने की बिक्री पर कैपिटल गेन टैक्स भी दो तरह से लगता है शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म। सोने की बिक्री पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स तब लगता है जबकि आप सोना 36 महीनों से कम समय में बेचते हैं। इस तरह की बिक्री से हुए मुनाफे को शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन कहते हैं। इस लाभ को आपकी सामान्य कमाई में जोड़ा जाएगा और आपकी इनकम टैक्स स्लैब के मुताबिक टैक्स चुकाना पड़ेगा। इसका मतलब कैपिटल गेन टैक्स के बजाय सीधे इनकम टैक्स स्लैब पर चुकाना होगा। दूसरा यह कि अगर आप सोना 36 महीनों से ज्यादा समय के बाद बेचते हैं, तो वह लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन कहलाता है। इस तरह के मुनाफे पर 20 फीसदी का टैक्स लगेगा। इसमें आपको महंगाई के सापेक्ष इंडेक्सेशन का भी लाभ मिलेगा। यह अलग बात है कि आपको शादी में मिले सोने पर टैक्स नहीं चुकाना होगा लेकिन जब आप सोना बेचते हैं, तो उस साल की इनकम टैक्स रिटर्न की फाइलिंग में कैपिटल गेन का विवरण देना जरुरी है।

अमरनाथ यात्रा में तैनात होंगी 581 कंपनियां

जम्मू। 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा में सुरक्षा के लिए पैरामिलिट्री फोर्स की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। गृह मंत्रालय की तरफ से इसकी मंजूरी मिल गई है। अभी 156 कंपनियां पहले से तैनात हैं। 10 जून तक अतिरिक्त 425 कंपनियां भी जम्मू-कश्मीर भेज दी जाएंगी। ये बल 9 अगस्त को यात्रा के समापन तक ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

चार धाम यात्रा में अब तक 60 से ज्यादा श्रद्धालुओं की मौत

नई दिल्ली। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में 30 दिन के भीतर 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। कुछ श्रद्धालुओं की मौत स्वास्थ्य खराब होने की वजह से हुई है तो कुछ लोगों की मौत बाकी कारणों से हुई है। अब तक राज्य में चार धाम यात्रा पर गए 68 श्रद्धालुओं की मृत्यु के आंकड़ें सामने आ रहे हैं।

उत्तराखंड की चार धाम यात्रा के लिए न सिर्फ देश बल्कि विदेश से भी श्रद्धालु आते हैं। उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे चार धाम आते हैं। इन चारों धाम में भारी संख्या में श्रद्धालु हर साल दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। आंकड़ों के मुताबिक अब तक 16 लाख 45 हजार 155 यात्री अब तक दर्शन कर चुके हैं। वहीं इस दौरान 60 ऐसे यात्री हैं जिनकी मृत्यु स्वास्थ्य खराब होने के चलते हुई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक केदारनाथ में सबसे ज्यादा 29 श्रद्धालुओं की जान गई जो कि स्वास्थ्य खराब होने की वजह से था। जबकि बद्रीनाथ धाम में 12 यात्रियों की, गंगोत्री धाम में 8 यात्रियों की और यमुनोत्री धाम में 11 यात्रियों की मृत्यु हुई है।

आंकड़ों में यह स्पष्ट नहीं है कि इन लोगों के स्वास्थ्य खराब होने की वजह क्या थी और क्यों उनकी मृत्यु हुई। परिचालन केंद्र के अनुसार 8 यात्रियों की मृत्यु अन्य वजहों से बताई गई है जिसमें केदारनाथ में एक गंगोत्री में 6 यात्रियों की हेलीकॉप्टर क्रैश होने के कारण मृत्यु तो वही यमुनोत्री में एक यात्री की मृत्यु के आंकड़े बताए गए हैं।

दिल्ली सरकार के खिलाफ आप ने पेश किया 100 दिन का विफलता कार्ड

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार अपने 100 दिन पूरे करने वाली है। इस लेकर बीजेपी ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने का प्लान तैयार कर रही है। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) बीजेपी सरकार को घेरने में जुटी है। आप ने भाजपा की दिल्ली सरकार के असफलता से भरे 100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया है। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली के लोगों का जीवन नरक बना दिया है।

आतीशी ने कहा कि गुरुवार को आप भाजपा सरकार के पहले 100 दिनों की विफलता का रिपोर्ट कार्ड जारी कर रही है। दिल्ली में भाजपा सरकार हर पहलू में विफल साबित हुई है। हम इस रिपोर्ट कार्ड को दिल्ली के हर घर तक ले जाएंगे। दिल्लीवासियों को आज लग रहा है कि उन्होंने भाजपा को वोट देकर

गलती की। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली व्यवस्था का ठप्प और बिजली महंगी हुई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 8 मार्च तक 2500 रुपये देने और होली पर मुफ्त सिलेंडर देने का वादा पूरा नहीं किया। निजी स्कूलों ने फीस बढ़ाई गई।

पूर्व सीएम ने कहा कि दिल्ली में पानी की त्राहि-त्राहि, सप्लाई में कमी आई है। दिल्लीवालों के घरों में सीवर का गंदा पानी आ रहा है। प्रदूषण का बढ़ता स्तर, मई के महीने में ही एक्यूआई 500 पार हो गया है। बस मार्शल और मोहल्ला क्लीनिक कर्मियों को बेरोजगार कर दिया। 25,000 विधवा महिलाओं की विधवा पेंशन बंद कर दी। सरकारी कार्यालयों से बाबा साहब और भगत सिंह की तस्वीरें हटवाई है। बीजेपी सरकार 100 में अपने वादे पूरे नहीं किए बल्कि दिल्ली की जनहितकारी योजनाओं को बंद और कर दिया।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीजेपी की चार इंजन की सरकार हर रोज़ झूठ बोल रही है। इन लोगों ने अपनी 100 दिनों की सरकार में कम से कम 100 झूठ बोले हैं। अभी पिछले दिनों मोहल्ला क्लीनिक के कर्मचारियों से सीएम ने कहा था कि किसी को नौकरी से नहीं निकाला जाएगा। अब आज ही खबर आई है कि 2000 से ज़्यादा कर्मियों को निकाला जा रहा है।

मोदी की गारंटी को पूरा नहीं किया मोहन सरकार ने-जीतू पटवारी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा मंत्री विजयशाह को बचा रही भाजपा सरकार, संविधान बचाओ एवं जय हिंद यात्रा के साथ कार्यकर्ता संवाद का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गुरुवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी बालाघाट पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले पत्रकारों से चर्चा की और बताया कि आज मोहन सरकार , मोदी की गारंटी को पूरी नहीं कर रही है , जबकि सरकार का गठन हुए 1 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है, उसके बावजूद भी सरकार द्वारा किसानों को धान का समर्थन मूल्य सहित ऐसे कई किए हुए वादे को पूरे नहीं किए गए हैं । उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि आज प्रदेश में महिलाओं पर अपराध सहित मृत्यु दर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। सरकार इन सब विषय पर कुछ नहीं बोल रही है। बालाघाट में भी हुए सामूहिक बलात्कार के विषय पर सरकार ने कोई बयान नहीं दिया । उन्होंने यह भी बताया कि 3 जून को भोपाल में राहुल गांधी पहुंचेंगे जहां संगठनात्मक सृजन को लेकर सभा होगी , संगठनात्मक सृजन को लेकर कांग्रेस काम करेगी, बालाघाट की कांग्रेस संगठन की स्थिति को भी लेकर उन्होंने कहा कि जल्द ही बालाघाट के कांग्रेस संगठन को लेकर भी काम किए जाएंगे , जो अनुशासन का पालन नहीं करते, उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा, साथ ही बीते दिनों भाजपा के मंत्री विजयशाह के बयान को लेकर जीतू पटवारी ने सरकार को आडे हाथों लिया और प्रदेश और केंद्र की सरकार पर सवाल खड़े किए है उसके बाद स्थानीय सर्किट हाउस से जय हिंद यात्रा निकाली गई, जो स्थानीय सिंधु भवन में खत्म हुई और यहां कार्यकर्ताओं के साथ एक संवाद का आयोजन कांग्रेस द्वारा किया गया।

आपको बता दे कि मंत्री विजयशाह को बचाने का पूरा षडयंत्र, बीजेपी कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेकर एसआईटी बनाने का निर्देश सरकार को दिया। सरकार ने एसआईटी में उन अधिकारियों को रखा, जो मंत्री विजयशाह के साथ काम कर रहे थे। पूरा षडयंत्र कर सुप्रीम कोर्ट को भी गुमराह करने का काम किया। यह कहना है कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतु पटवारी का। गुरूवार को निर्धारित समय से तकरीबन ढाई घंटा विलंब से दोपहर ढाई बजे, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतु पटवारी, बालाघाट पहुंचे। जिनके साथ प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी भी मौजूद थे। बालाघाट में कांग्रेसियों ने उनका स्वागत आतिशबाजी और फूलमालाओं से किया। सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतु पटवारी ने कहा कि सरकार को बने लगभग सवा साल हो गए है। लेकिन इस सरकार ने मोदी जी की 5 गारंटी को पूरा करने का काम नहीं किया। मोदी की गारंटी प्रदेश में जीरो हो गई। मुख्यमंत्री ने इन गारंटी को पूरा करने का प्रयास तक नहीं किया। प्रदेश आज अपराध, कुपोषण, मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, आर्थिक अराजकता, प्रदेश पर कर्ज, महिलाओं के साथ अपराध, बेटियों के अपहरण में नंबर वन है। उन्होंने बताया कि रेत, खनिज, शिक्षा और शराब माफियाओं ने वल्लभ भवन में कब्जा कर लिया है। इससे पहले ऐसा कभी नहीं देखा। उन्होंने बताया कि संगठनात्मक सृजन की शुरूआत प्रदेश में हो रही है। जिसकी शुरूआत राहुल गांधी 3 जून को भोपाल से करेंगे। जिसमें ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर पर संगठन का नया सृजन किया जाएगा।

31 मई को जबलपुर में होंगी जयहिंद सभा

प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने बताया कि देश और मध्यप्रदेश की जनता, भारतीय सेना के साथ खड़ी है। उसको लेकर कांग्रेस ने 31 मई को जबलपुर में जयहिंद सभा का आयोजन किया गया है। जिसमें पूरे प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे।

निकाली गयी जय हिंद यात्रा

बालाघाट में सांकेतिक रूप से प्रदेश अध्यक्ष जीतु पटवारी ने सर्किट हाउस से लेकर कार्यकर्ता सम्मेलन स्थल सिंधु भवन तक संविधान बचाओ एवं जय हिंद यात्रा निकाली। जिसमें पार्टी अध्यक्ष विधायक संजय उईके सहित अन्य विधायक और कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह जय हिंद यात्रा सिंधु भवन में आकर समाप्त हो गई, उसके बाद सिंधु भवन में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं समस्त कांग्रेस पदाधिकारी द्वारा एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जय हिंद यात्रा के समापन के बाद जीतू पटवारी सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय सिंधु भवन में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया । जहां पर कांग्रेस ने पार्टी को अनुशासित करने के लिए संवाद कार्यक्रम में पूरे मंच को खाली रखा और सभी कार्यकर्ता से लेकर पूर्व विधायक और विधायक जमीन पर बैठे और सभी ने संगठन को मजबूत करने सहित आगामी समय में कांग्रेस की सरकार बनाए जाने को लेकर चर्चा की । कुछ पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेसियों ने संगठन में चल रही खींचतान को लेकर भी मंच से अपनी-अपनी बात रखी । अंत में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंच से सरकार पर कई किए गए वादे को आज तक पूरे नहीं किए जाने को लेकर अपनी बात रखी । ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी जीतू पटवारी ने सरकार पर कई आरोप लगाए और कहा कि आज भाजपा सरकार द्वारा सेना के अधिकारियों का अपमान करने के बावजूद भी उनसे इस्तीफा नहीं लिया जो कि गलत है ऐसा नहीं होना था उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार को माफियाओं की सरकार बताया । कांग्रेस संगठन को भी लेकर उन्होंने कहा कि जहां एक ओर कांग्रेस आज विपक्ष में खड़ी है और कई गंभीर विषय आज कांग्रेस उठा रही है ,चाहे वह जनगणना का विषय हो, संविधान को बचाए जाने संबंधित बात हो ,ऐसे कई मामले हैं जिसमें

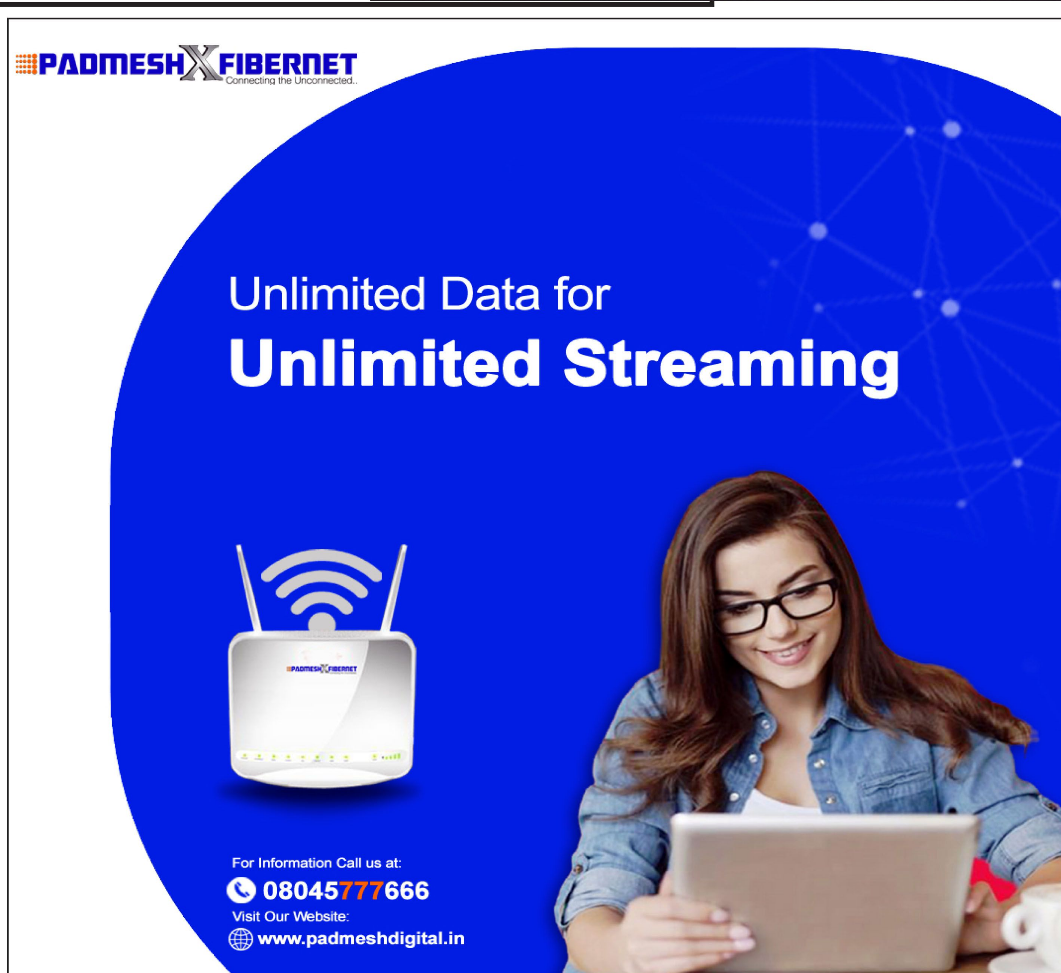

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट